शर्मा शार्डवेयर
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in

हिंदी दैनिक

गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

विकसित भारत समाचार

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

वर्ष : 11 | अंक : 205 | गुवाहाटी | मंगलवार, 25 फरवरी, 2025 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 12 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

असम का गौरव वैश्विक मंच पर चमका : दिलीप सैकिया पेज 3

भारत सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था बना रहेगा : प्रधानमंत्री पेज 4

राजस्थान विधानसभा में गतिरोध बरकरार निलंबित विधायकों की बहाली ... पेज 5

राहुल गांधी के खिलाफ मानहानि मामले में अगली सुनवाई छह मार्च को पेज 8

झुमुइर बिनंदिनी : पीएम मोदी की मौजूदगी में 8600 कलाकारों ने रचा इतिहास

पारंपरिक बाद्ययंत्र बजाते प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी।

गुवाहाटी के सरूहोजाई इंदिरा गांधी एथलेटिक स्टेडियम में सोमवार असम चाय के 200 साल पूरे होने के जश्न के दौरान विश्व रिकॉर्ड के लिए चाय जनजाति के युवाओं ने झुमुर नृत्य किया। फोटो-दशरथ डेका

गुवाहाटी (एजे/हि.स.)। असम के चाय बागान क्षेत्रों के 8600 कलाकारों ने गुवाहाटी के सरुसजाई स्टेडियम में एक साथ नृत्य कर इतिहास रच डाला है। कलाकारों ने प्रस्तुति *झुमोइर बिनंदिनी* कार्यक्रम में दी। जिसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मौजूद रहे। असम सरकार ने असम चाय उद्योग के 200 साल पूरे होने के उपलक्ष्य में यह कार्यक्रम आयोजित किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के अलावा 60 देशों के राजदूतों ने झुमुर नृत्य का आनंद उठाया। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने कहा कि झुमुर नृत्य प्रदर्शन हमारे चाय उद्योग की समृद्ध संगीत और नृत्य परंपराओं को दुनिया के सामने रखने का हमारा प्रयास है। शर्मा ने सभी प्रतिभागियों और प्रशिक्षकों के लिए प्रोत्साहन के रूप में 25,000 रुपए और विशेषज्ञ प्रशिक्षकों के लिए 30,000 रुपए की घोषणा भी की। इसके अलावा चाय बागानों में सांस्कृतिक गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए सांस्कृतिक क्लब स्थापित करने के वास्ते प्रत्येक चाय बागान को 25,000 रुपए का भुगतान किया जाएगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बताया कि भाजपा सरकार असम का विकास करने के साथ-साथ यहां के चाय किसानों की सेवा भी कर रही है। बागान श्रमिकों की आय बढ़नी चाहिए। इस दिशा में असम चाय निगम के श्रमिकों के लिए बोनस की भी घोषणा की गई है। खासकर बागानों में काम करने वाली हमारी बहनें और बेटियां गर्भावस्था के दौरान आय के संकट से जूझती थीं। आज ऐसी करीब 15 लाख महिलाओं को गर्भावस्था के दौरान 15,000 रुपए की सहायता दी जा रही है ताकि उन्हें खर्च की चिंता न करनी पड़े। गुवाहाटी के सरुसजाई स्टेडियम में झुमोइर बिनंदिनी कार्यक्रम में लाइट, संगीत, लेजर शो और आतिशबाजियों से गूंज उठा। उधर झुमुइर बिनंदिनी शीर्षक के तहत आयोजित कार्यक्रम के अंत में एक लेजर लाइट शो का आयोजन किया गया। अंधेरे में लेजर शो को देख झुमुइर नृत्य के प्रतिभागियों के साथ ही स्टेडियम में उपस्थित लोग आह्लादित हो उठे। इस कार्यक्रम को देखने के लिए लगभग 50 देशों के राष्ट्रदूत एवं केंद्र सरकार के कई मंत्री भी मौजूद थे। समापन समारोह के अवसर पर जोरदार आतिशबाजी भी हुई, जिसे देख लोग शोर मचाते हुए अपनी खुशी का इजहार किया। उल्लेखनीय है कि आज देर शाम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी दो दिवसीय कार्यक्रम के तहत गुवाहाटी पहुंचे हैं। प्रधानमंत्री झुमुइर बिनंदिनी के साथ ही मंगलवार को आयोजित होने वाले एडवांटेज असम 2.0 के कार्यक्रम में भी हिस्सा लेंगे। -शेष पृष्ठ दो पर

door graph
Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path,
Near Dona Planet
ABC, G.S. Road,
Guwahati - 05
97079-99344

चाय का असली स्वाद चाय वाला ही समझ सकता है : नरेंद्र मोदी

गुवाहाटी (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि चाय का असली स्वाद चाय वाला ही समझ सकता है। प्रधानमंत्री गुवाहाटी के सरुसजाई स्टेडियम में आयोजित झुमुइर बिनंदिनी कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। असमवासियों के लिए सोमवार का दिन ऐतिहासिक बन गया, जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी *झुमुइर बिनंदिनी* के भव्य आयोजन में शामिल हुए। यह कार्यक्रम असम के सरुसजाई में आयोजित किया गया, जहां पीएम मोदी ने उपस्थित जनसमूह को संबोधित किया। प्रधानमंत्री

मोदी ने अपने संबोधन की शुरुआत असमिया और बागानिया भाषा में करते हुए कहा कि चाय की खूशबू है, सुंदरता भी है। एक चायवाला इस बात को सबसे बेहतर महसूस कर सकता है। उन्होंने आगे कहा कि पूरा स्टेडियम झुमुइरमय हो गया है। चारों ओर बस झुमुइर की धुन और उत्साह दिखाई दे रहा है। चाय का असली स्वाद एक चायवाला ही समझ सकता है। चाय बागान से आपका जो रिश्ता है, वही रिश्ता मेरा भी है। प्रधानमंत्री मोदी ने असम सरकार और मुख्यमंत्री डॉ हिमंत विश्व -शेष पृष्ठ दो पर

पीएम मोदी की असम यात्रा से राज्य की शांति और निवेश क्षमता का पता चला : सीएम

गुवाहाटी। मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने सोमवार को कहा कि एडवांटेज असम व्यापार शिखर सम्मेलन के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की दो दिवसीय यात्रा से उद्योगपतियों को संदेश जाएगा कि राज्य अब शांतिपूर्ण है। एडवांटेज असम 2.0 निवेश और अवसंरचना शिखर सम्मेलन के आयोजन स्थल पर व्यवस्थाओं की समीक्षा करने के बाद, शर्मा ने कहा कि राज्य में अपार संभावनाएं हैं, लेकिन कानून और व्यवस्था की स्थिति ने पिछले तीन दशकों में राज्य को काफी पीछे धकेल दिया है। उन्होंने कहा कि

स्वतंत्रता के समय असम की जीडीपी राष्ट्रीय औसत से अधिक थी, लेकिन उसके बाद से कई ऐतिहासिक घटनाओं ने राज्य के विकास को पीछे धकेल दिया है। यह एक बड़े बदलाव और नई शुरुआत का समय है... मुझे लगता है कि हम सही रास्ते पर हैं। उन्होंने कहा कि भारतीय उद्योग जगत के प्रमुख और विदेशी निवेशक यहां आएंगे और यह असम के लोगों के लिए एक *ऐतिहासिक और बड़ा क्षण* होगा। उन्होंने कहा कि असम भले ही गुजरात या तमिलनाडु जितना बड़ा न हो, लेकिन हमारी ऐतिहासिक विरासत और अर्थव्यवस्था को देखते हुए, हम सम्मेलन में महत्वपूर्ण -शेष पृष्ठ दो पर

सुप्रभात

जब तक भारत दुनिया का सामना नहीं करता, उसकी कोई इज्जत नहीं करेगा। इस संसार में डर के लिए कोई जगह नहीं है। ताकत सिर्फ ताकत का ही सम्मान करती है।

- अब्दुल कलाम

न्यूज गैलरी

मणिपुर में लोगों ने तीसरे दिन भी हथियार सौंपे

इम्फाल (हि.स.)। मणिपुर के राज्यपाल अजय कुमार भल्ला की अपील का असर धीरे-धीरे रंग लाने लगा है। लोगों ने उनके आह्वान के बाद हथियार सौंपने शुरू कर दिए हैं। तीसरे दिन भी आम लोगों ने हथियार और गोला-बारूद -शेष पृष्ठ दो पर

मन की बात को पाठ्यक्रम में शामिल करने की मांग

नई दिल्ली (हि.स.)। नरेंद्र मोदी अध्ययन केंद्र (नमो केंद्र) ने विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) के अध्यक्ष प्रो. एम. जगदीश कुमार से विश्वविद्यालयों और कॉलेजों में *मन की बात* को एक विषय के रूप में पाठ्यक्रम में शामिल करने का अनुरोध किया है। यूजीसी के अध्यक्ष को संबोधित पत्र में नमो केंद्र के अध्यक्ष प्रो. जसीम मोहम्मद ने प्रधानमंत्री नरेंद्र -शेष पृष्ठ दो पर

काजीरंगा : जयशंकर समेत 61 देशों के राजनयिकों ने उठाया जीप सफारी का लुत्फ

काजीरंगा। विदेश मंत्री एस जयशंकर और 61 देशों के राजनयिकों ने सोमवार की सुबह काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान में हाथी की सवारी की और जीप सफारी का आनंद लिया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। ये राजनयिक रविवार रात विदेश मंत्री के साथ जोरहाट पहुंचे थे और आज सुबह काजीरंगा पहुंचे। राजनयिकों ने सबसे पहले पार्क के केंद्रीय रेंज कोहोरा में हाथी की सवारी का आनंद लिया। जयशंकर प्रसिद्ध हाथी प्रद्युम्न पर सवार हुए। हाथी की सवारी के बाद उन्होंने यूनेस्को के विश्व धरोहर स्थल पार्क के अंदर

जीप सफारी का आनंद लिया। सफारी के बाद जयशंकर और कुछ राजनयिकों को हाथियों -शेष पृष्ठ दो पर

मुख्यमंत्री हिमंत ने दक्षिण कोरियाई सीईओ को किया निवेश के लिए आमंत्रित

सियोल। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने सोमवार को सियोल में एडवांटेज असम रोड शो में दक्षिण कोरियाई मुख्य कार्यकारी अधिकारियों (सीईओ) और व्यापार

जगत के नेताओं को संबोधित किया। अपने संबोधन में असम के सीएम ने व्यापार जगत के नेताओं को राज्य में निवेश करने के लिए आमंत्रित किया। उन्होंने कहा कि जब भी हम असम में कुछ लगाने का फैसला करते हैं तो हम पूरी सुविधा देते हैं। इसके अलावा भारत सरकार भी हमें पूरा सपोर्ट करती है क्योंकि सरकार की एक्ट ईस्ट नीति है। इस नीति -शेष पृष्ठ दो पर

भारत सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था बना रहेगा : प्रधानमंत्री

नई दिल्ली (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को मध्य प्रदेश के भोपाल में आयोजित ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट-2025 में कहा कि विश्व बैंक ने भरोसा जताया है कि भारत आने वाले वर्षों में दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था बना रहेगा। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत के इतिहास में ऐसा अवसर पहली बार आया है जब पूरी दुनिया भारत के लिए इतनी आशावादी है। पूरी दुनिया में चाहे सामान्य जन हो, अर्थनीति के विशेषज्ञ हो, विभिन्न देश हो या फिर संस्थान इन सभी को भारत से बहुत आशाएं हैं। उन्होंने कहा कि कुछ दिन पहले ही विश्व बैंक ने कहा है कि भारत आने वाले वर्षों में ऐसे ही दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था बना रहेगा। कुछ ही दिन पहले जलवायु परिवर्तन पर संयुक्त राष्ट्र की एक संस्था ने भारत को सोलर पावर का सुपरपॉवर कहा था। इस संस्था ने ये भी कहा कि जहां कई देश सिर्फ बातें करते हैं, वहीं भारत नतीजे लाकर दिखाता है। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत के

विकसित भविष्य में टेक्सटाइल, पर्यटन और प्रौद्योगिकी क्षेत्रों की बहुत बड़ी भूमिका रहने वाली है। ये तीनों क्षेत्र, करोड़ों नए रोजगार पैदा करने वाले हैं। भारत का टेक्सटाइल सेक्टर करोड़ों लोगों को रोजगार देता है। भारत के पास टेक्सटाइल से जुड़ी एक पूरी परंपरा, कौशल और उद्यमिता है। प्रधानमंत्री ने कहा कि मध्य प्रदेश तो एक प्रकार से भारत की कपास राजधानी है। भारत की करीब 25 प्रतिशत ऑर्गेनिक कपास सप्लाई मध्य प्रदेश से ही होती है। प्रधानमंत्री ने कहा कि विकसित मध्य प्रदेश से विकसित भारत की यात्रा में आज का यह कार्यक्रम बहुत अहम है। उन्होंने कहा कि भारत वैश्विक एयरोस्पेस फर्मों के लिए शीर्ष आपूर्ति श्रृंखला के रूप में उभर रहा है। कपड़ा, पर्यटन और प्रौद्योगिकी क्षेत्र आने वाले वर्षों में करोड़ों नौकरियां पैदा करेंगे। प्रधानमंत्री ने राज्य में विकास की तेज गति का श्रेय डबल इंजन सरकार को दिया। उन्होंने राज्य और केंद्र -शेष पृष्ठ दो पर

चैंपियंस ट्रॉफी : विदेशी टीमों और फैंस पर मंडराया खतरा, आतंकी संगठन ने दी किडनैपिंग की धमकी

इस्लामाबाद। पाकिस्तान में खेली जा रही आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के बीच एक बड़ी खबर सामने आई है। इस टूर्नामेंट पर आतंकी साया मंडरा रहा है। टूर्नामेंट के बीच में आई इस रिपोर्ट ने सनसनी मचा दी है क्योंकि अभी इस टूर्नामेंट के कई मुकाबले खेले जाने हैं। आतंकी हमले के साथ ही किडनैपिंग के भी प्लान बनाए जा रहे हैं ऐसा इस रिपोर्ट में दावा किया गया है। एक बड़े न्यूज चैनल के एक्सीक्यूटिव एडिटर ने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए इस बात की जानकारी दी है। उनका कहना है कि टूर्नामेंट पर मंडरा रहा खतरा पाकिस्तान के साथ भारत की खुफिया

एजेंसियो को भी जानकारी मिली है। उन्होंने अपनी पोस्ट में लिखा कि, खुफिया एजेंसियों को पाकिस्तान में चैंपियंस ट्रॉफी 2025 पर आईएसकेपी समूह द्वारा आतंकी हमले की संभावित कोशिश के बारे में जानकारी मिली है। भारतीय एजेंसियों को भी उनके विदेशी समकक्षों द्वारा इसबारे में बताया गया है। संभावित अपहरण या आतंकी हमले के बारे में चर्चा की जानकारी मिली है। इस्लामिक स्टेट खुरासान प्रांत दक्षिण मध्य एशिया, मुख्य रूप से अफगानिस्तान और पाकिस्तान में सक्रिया सलाफी जिहादी समूह इस्लामिक स्टेट की एक -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

पीएम मोदी का लालू यादव पर बड़ा हमला, बोले–

जंगलराज वालों को हमारी आस्था से नफरत है

पटना। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को महाकुंभ पर अपनी टिप्पणी के लिए राजद प्रमुख लालू यादव पर तीखा हमला किया और कहा कि जंगलराज में शामिल लोगों को हिंदू आस्था और विश्वास से नफरत है। मोदी ने कहा कि इस समय प्रयागराज में एकता का महाकुंभ चल रहा है। ये भारत की आस्था का, भारत की एकता और समरसता का सबसे बड़ा महोत्सव है। पूरे यूरोप की जितनी जनसंख्या है, उससे भी अधिक लोग इस एकता के महाकुंभ में स्नान कर चुके हैं, लेकिन ये जंगलराज वाले महाकुंभ को गाली दे रहे हैं। मोदी ने साफ तौर पर कहा कि राम मंदिर से चिढ़ने वाले लोग महाकुंभ को भी कोसने का कोई मौका नहीं छोड़ रहे हैं। मैं जानता हूं, महाकुंभ को गाली देने वाले लोगों को बिहार कभी माफ नहीं करेगा। उन्होंने कहा कि एनडीए सरकार भारत की गौरवशाली विरासत के संरक्षण और वैभवशाली भविष्य के निर्माण के लिए एक साथ काम कर रही है। लेकिन ये जो जंगलराज वाले हैं, इन्हें हमारी धरोहर से, हमारी आस्था से नफरत है। उनकी यह टिप्पणी इस महीने नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर भगदड़ से हुई मौतों पर प्रतिक्रिया देते हुए लालू द्वारा महाकुंभ को *अर्थहीन* बताए जाने के कुछ दिनों बाद आई है। लालू ने कहा था कि कुंभ का कोई मतलब नहीं है...यह बिल्कुल निरर्थक है। भाजपा ने तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए उनके बयान को *तुष्टीकरण की राजनीति* कहा था। मोदी ने अपने संबोधन में कहा कि मेरा तो सपना है, दुनिया की हर रसोई में भारत के किसान का उगाया कोई न कोई उत्पाद होना ही चाहिए। इस वर्ष के बजट ने भी इसी विजन को आगे बढ़ाया है। उन्होंने कहा कि बजट में *पीएम धन धान्य योजना* की घोषणा की गई है। इसके तहत देश के 100 ऐसे जिलों की पहचान की जाएगी, जहां सबसे कम फसल उत्पादन होता है। फिर ऐसे जिलों में खेती को बढ़ावा देने के लिए विशेष अभियान चलाया जाएगा। बीते वर्षों में सरकार के प्रयासों से भारत का कृषि निर्यात बहुत अधिक बढ़ा है। इससे किसानों को उनकी उपज की ज्यादा कीमत मिलने लगी है। कई कृषि उत्पाद ऐसे हैं, जिनका पहली बार निर्यात शुरू हुआ है। अब बारी बिहार के मखाने की है।

शेख हसीना को सत्ता से बेदखल करने वालों ने यूनुस को भी हटाने की बनाई रणनीति

ढाका। बांग्लादेश में आने वाले समय में फिर से कुछ बड़ा देखने को मिल सकता है। ऐसा इसलिए क्योंकि देश की तत्कालीन पीएम शेख हसीना की सत्ता को उखाड़ फेंकने वाले छात्रों ने अब एक नई रणनीति पर काम करना शुरू कर दिया है। खबरों की मानें तो ये बांग्लादेशी छात्र इस सप्ताह एक नई राजनीतिक पार्टी शुरू करने की तैयारी में हैं। इस पूरे घटनाक्रम में प्रत्यक्ष जानकारी रखने वाले दो सूत्रों ने यह जानकारी दी। हसीना की सत्ता को समाप्त कर देने वाले इन छात्र समूहों ने अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार के रूप में नोबल पुरस्कार विजेता मोहम्मद यूनुस की पैरवी की थी। अब ये छात्र जिस सगंठन को बनाने की योजना में हैं, उसमें यूनुस की भूमिका होगी या नहीं इसको लेकर कोई जानकारी सामने नहीं आई है। हालांकि, गौर करने वाली बात है कि उन्होंने पहले ही कहा है कि राजनीति में आने की उनकी कोई योजना नहीं है। बांग्लादेश में छात्रों के एक गुट स्टूडेंट अगेंस्ट डिस्क्रिमिनेशन (एसएडी) ने विरोध प्रदर्शनों का नेतृत्व किया। देखते ही देखते ये आंदोलन हिंसा में बदल गया। सार्वजनिक क्षेत्र की नौकरी कोटा के खिलाफ छात्रों के नेतृत्व में आंदोलन शुरू हुआ जो आगे चल कर राष्ट्रव्यापी विद्रोह में बदल गया। इसके परिणामस्वरूप देश में अशांति के चरम पर पहुंचने के बाद हसीना को भारत भागने पर मजबूर होना पड़ा। बताया जाता है कि बुधवार को संभावित कार्यक्रम के दौरान छात्र समूह नई पार्टी शुरू करने की योजना को अंतिम रूप दे रहा है। सूत्रों ने बताया कि हसीना के जाने के बाद बांग्लादेश की कमान संभालने वाली अंतरिम सरकार में नाहिद इस्लाम शामिल हैं। हालांकि, यह भी कहा जा रहा है कि वे नई पार्टी के संयोजक के रूप में इससे जुड़ सकते हैं। बता दें कि नोबेल पुरस्कार विजेता मुहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार के भीतर छात्र हितों की वकालत करने में इस्लाम एक प्रमुख व्यक्ति रहे हैं। अगस्त 2024 से बांग्लादेश की कमान अंतरिम सरकार ही संभाल रही है। बांग्लादेश की सत्ता से शेख हसीना के जाने के बाद इस बात पर संशय बरकरार है कि देश में चुनाव कब होंगे। हाल के दिनों में यूनुस ने कहा है कि 2025 के अंत तक चुनाव हो सकते हैं। वहीं, कई राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि युवाओं के नेतृत्व वाली पार्टी देश के राजनीतिक परिदृश्य को महत्वपूर्ण रूप से बदल सकती है। सनद रहे कि बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार मोहम्मद यूनुस ने पहले ही साफ किया था कि उन्हें चुनाव लड़ने में कोई दिलचस्पी नहीं है। यूनुस के कार्यालय ने छात्र–नेतृत्व वाली राजनीतिक पार्टी के शुभारंभ पर टिप्पणी के अनुरोध का तुरंत जवाब नहीं दिया। शेख हसीना के पद छोड़ने के बाद से बांग्लादेश अशांति के माहौल से गुजर रहा है। बांग्लादेश में पिछले साल अगस्त में हफ्तों तक विरोध प्रदर्शन हुए। इस हिंसक आंदोलन में 1000 से अधिक लोगों की जान गई। संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार आयोग ने इस महीने कहा कि हसीना की पूर्व सरकार और सुरक्षा तंत्र के अधिकारियों ने विद्रोह के दौरान प्रदर्शनकारियों के खिलाफ व्यवस्थित रूप से गंभीर मानवाधिकार उल्लंघन किए।

आम आदमी पार्टी छोड़कर वीएल शर्मा हुए भाजपा में शामिल

हिसार (हिंस)। वरिष्ठ कर्मचारी नेता एवं आम आदमी पार्टी के जिला सचिव वीएल शर्मा भाजपा में शामिल हो गए हैं। उन्होंने प्रदेश अध्यक्ष पंडित मोहनलाल बड़ोली की मौजूदगी में आम आदमी पार्टी छोड़कर भाजपा में शामिल होने की घोषणा की। वीएल शर्मा को भाजपा में शामिल करते हुए प्रदेश अध्यक्ष पंडित मोहनलाल बड़ोली ने कहा कि उनको पार्टी में पूरा सम्मान दिया जाएगा। भाजपा ही ऐसी पार्टी है, जिसमें हर कार्यकर्ता का पूरा सम्मान होता है। वीएल शर्मा के शामिल होने से शहर में भाजपा को मजबूती मिलेगी। उधर, वीएल शर्मा ने कहा कि भाजपा की जनकल्याणकारी नीतियों को देखते हुए ही वे पार्टी में शामिल हुए हैं। प्रधानमंत्री नेंद्र मोदी व मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में देश व प्रदेश निरंतर प्रगति कर रहे हैं और उनकी इन्हीं नीतियों को देखकर उन्होंने भाजपा में शामिल होने का फैसला किया।

ट्रिपल इंजन की सरकार से प्रदेश में तेज होंगे विकास कार्य : मुख्यमंत्री नायब सैनी

रोहतक (हिंस)। प्रदेश के मुख्यमंत्री नायब सैनी ने कहा कि प्रदेश में जब ट्रिपल इंजन की सरकार एक साथ काम करेगी तो विकास की रफ्तार तेज होगी। उन्होंने कहा कि संकल्प पत्र जनता की आकांशओं के अनरुप तैयार किया गया है, जिससे प्रत्येक वर्ग को इसका फायदा होगा। साथ ही सीएम ने कहा कि 2019 में सरकार ने जो वायदे किये थे, उसे पूरा किया गया है और आज प्रदेश में एक समान विकास करवाया जा रहा है, प्रत्येक वर्ग को सरकार की नीतियों को भरपूर फायदा मिल रहा है। सोमवार को मुख्यमंत्री नायब सैनी ने पार्टी कार्यालय मंगल कमल में निकाय चुनाव को लेकर संकल्प पत्र जारी किया और कहा कि जनता के अनरुप 21 बिंदुओं पर संकल्प पत्र तैयार किया गया है और यह प्रदेश के विकास का रोड मैप है। इस दौरान उन्होंने कांग्रेस पर भी निशाना साधा और कहा कि कांग्रेस एक तरह से ट्वीट पार्टी और उसे धरातल का कोई ज्ञान नहीं है। उन्होंने कहा कि हुड्डा नॉनस्टॉप तीसरी बार सत्ता से बाहर और कांग्रेस का कोई जनाधार नहीं बचा है। सीएम ने कहा कि पहला इंजन मोदी सरकार, दूसरा इंजन प्रदेश सरकार और तीसरा इंजन शहरी स्थानीय सरकार है और जब तीनों सरकार एक साथ काम करेगी तो विकास तेजी से होगा। संकल्प पत्र को लेकर सीएम ने बताया कि गांव की तर्ज पर शहरों में भी 20 वर्षो से अधिक समय से कब्जे धारको को मालिकाना हक दिया जाएगा और साथ ही शहरों में महिलाओं के नाम पर मकान में 25 फीसदी की हाउस टैक्स की छूट दी जाएगी। सीएम ने 21 बिंदुओं पर आधरित संकल्प पत्र जारी किया है। इसके अलावा मुख्यमंत्री ने भाजपा मेयर प्रत्याशी रामअवतार वाल्मीकि के समर्थन में पुरानी आईटीआई मैदान में एक जनसभा को भी संबोधित किया। इस अवसर भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मोहन बडौली, कैबिनेट मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा, कैबिनेट मंत्री विपुल गोयल, सहित पार्टी के वरिष्ठ नेता मौजूद रहें।

गोसाईगांव में 8 करोड़ से अधिक कीमत का ड्रग्स नष्ट

कोकराझाड़ (हिंस)। गोसाईगांव में पुलिस का ड्रग्स नष्ट करने का अभियान जारी है। गोसाईगांव सब–डिविजनल पुलिस ने आज 8 करोड़ 44 लाख 88 हजार 500 रुपए की ड्रग्स को नष्ट किया। श्रीरामपुर में पुलिस द्वारा चलाए गए अभियान के दौरान जब्त किए गए ड्रग्स को आज जलाकर नष्ट किया गया। संकोष नदी के निर्जन इलाके में ड्रग्स को जलाया गया। नष्ट की गई ड्रग्स की कुल मात्रा 1689.778 किलोग्राम थी। ड्रग्स को कड़ी पुलिस सुरक्षा के बीच जलाया गया। ड्रग्स को विभिन्न पुलिस अभियानों में जब्त किया गया था।

सीएम नीतीश के बेटे निशांत में राजनीति की समझ : श्रवण कुमार

बलिया (हि.स.)। बलिया आए बिहार सरकार में मंत्री श्रवण कुमार ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के बेटे की राजनीति में प्रवेश को लेकर कहा कि उनमें राजनीति और बिहार की गहरी समझ है। हालांकि, श्रवण कुमार ने स्पष्ट किया कि बिना नीतीश कुमार की इजाजत के निशान्त कुमार का राजनीति में प्रवेश नहीं होगा। सोमवार को एक कार्यक्रम में शामिल होने आए श्रवण कुमार ने पत्रकारों से बातचीत में कहा कि निशांत में समझ है, ज्ञान है और बिहार की तो गहरी समझ है। मगर मीडिया में चर्चा चलती रहती है। मीडिया में चर्चा ही महत्वपूर्ण बात है। जेडीयू में तीन रावण वाले पप्पू यादव के बयान पर पलटवार करते हुए कहा कि जेडीयू में कोई रावण और विभीषण नहीं है। पप्पू यादव पहले बताएं वह किस पॉलिटिकल पार्टी के मेंबर हैं। वे रहते हैं कांग्रेस में और चुनाव लड़ते हैं निर्दलीय। अपनी पार्टी बनाकर काम करते हैं जबकि कांग्रेस और गठबंधन के लिए प्रचार करते हैं। वह खुद ही स्थिर नहीं हैं। जदयू में कोई रावण कोई विभीषण नहीं है। पार्टी पूरी तरह इंटैक्ट यानी अक्षुण्ण है।

बांग्लादेश वायुसेना केंद्र पर उपद्रवियों का हमला, एक की मौत व कई घायल

ढाका। दक्षिण–पूर्वी तटीय शहर कॉक्स बाजार में बांग्लादेश की वायु सेना के अड्डे पर सोमवार को किए गए हमले का सुरक्षाकर्मियों ने माकूल जवाब दिया और इस दौरान एक व्यक्ति की गोली मारकर हत्या कर दी गई तथा कई अन्य घायल हो गए। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। रक्षा मंत्रालय के इंटर सर्विस पब्लिक रिलेशन्स (आईएसपीआर) निदेशालय ने कहा कि उपद्रवियों ने दोपहर के समय कॉक्स बाजार के समिति पारा के पास वायु सेना अड्डे पर अचानक हमला कर दिया। आईएसपीआर के एक बयान में कहा गया किबांग्लादेश वायु सेना इस संबंध में आवश्यक कार्रवाई कर रही है। तटीय जिले के उपायुक्त मोहम्मद सलाहुद्दीन ने कहा किझड़प के दौरान 30 वर्षीय स्थानीय व्यापारी शिहाब कबीर की गोली मारकर हत्या कर दी गई और कई अन्य घायल हो गए। अधिकारी ने कहा कि हमले के कारणों की गहन जांच की जाएगी। हालांकि, रिपोर्टों में कहा गया है कि यह घटना हवाई अड्डे के विस्तार की परियोजना के कारण हुई, जिसके लिए पड़ोस के लोगों को स्थानांतरित करने की आवश्यकता है और इस प्रस्ताव का कुछ लोगों ने विरोध किया था। यह हमला गृह मामलों के सलाहकार, सेवानिवृत्त लेफ्टिनेंट जनरल एम. जहांगीर आलम चौधरी द्वारा सुबह–सुबह संवाददाता सम्मेलन में कानून और व्यवस्था बनाए रखने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता को दोहराए जाने के कुछ घंटों बाद हुआ। उन्होंने सोमवार को लगभग 3 बजे ढाका में अपने आवास पर मीडिया को बताया कि अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना की पूर्ववर्ती अवामी लीग सरकार के *सहयोगी* देश को अस्थिर करना चाहते हैं, लेकिन किसी भी तरह से उन्हें बख्शा नहीं जाएगा। उन्होंने कहा किहम यह सुनिश्चित करेंगे कि आतंकवादी कहीं भी खड़े न हो सकें और किसी भी कीमत पर अपराधों को रोका जा सके। उन्होंने कहा कि कानून प्रवर्तन एजेंसियों को देश भर में अपनी गश्त को मजबूत करने के लिए कहा गया है। बांग्लादेश के सुरक्षा बलों ने *ऑपरेशन डेविल हंट* नामक दो सप्ताह की कार्रवाई में 8,600 से अधिक लोगों को गिरफ्तार किया है, जिसमें कथित तौर पर अपदस्थ हसीना सरकार से जुड़े गिरोहों को निशाना बनाया गया था। चौधरी ने संवाददाताओं से कहा कि ऑपरेशन डेविल हंट जारी रहेगा और हम अपराधियों को सोने या आराम करने नहीं देंगे। मैंने सुरक्षा बलों को गश्त बढ़ाने का आदेश दिया है।

वर्ष 2030 तक 500 गीगावाट ऊर्जा हासिल करने के लिए वित्त जुटाना जरुरी : प्रल्हाद जोशी

मुंबई (हि.स.)। केंद्रीय नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री प्रल्हाद जोशी ने सोमवार को मुंबई में कहा कि वित्त जुटाना 2030 तक 500 गीगावाट नवीकरणीय ऊर्जा हासिल करने की कुंजी है। मौके पर केंद्रीय राज्यमंत्री श्रीपाद नाईक भी उपस्थित थे। केंद्रीय मंत्री प्रल्हाद जोशी आज मुंबई में केंद्रीय नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय द्वारा आयोजित नवीकरणीय ऊर्जा के लिए वित्त जुटाने पर राष्ट्रीय कार्यशाला को संबोधित कर रहे थे। केंद्रीय मंत्री जोशी ने नवीकरणीय ऊर्जा (आरई) क्षेत्र को सुलभ वित्त पोषण सुनिश्चित करने के लिए वित्तीय संस्थानों और नीति निर्माताओं से सामूहिक प्रयास करने का भी आह्वान किया। उन्होंने कहा कि कार्यशाला का विचार प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में एक समीक्षा बैठक के बाद सामने आया, जहां पीएम सूर्य घर और पीएम–कुसुम जैसी प्रमुख योजनाओं में तेजी लाने पर चर्चा हुई। भारत देश तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने का लक्ष्य रखता है, इसलिए इसकी ऊर्जा मांग दोगुनी होने की उम्मीद है। उन्होंने जोर देकर कहा कि नवीकरणीय ऊर्जा को थर्मल ऊर्जा उत्पादन से मेल खाने के लिए बढ़ाया जाना चाहिए, ताकि एक विश्वसनीय और लचीली बिजली आपूर्ति सुनिश्चित हो सके। केंद्रीय मंत्री ने 2070 तक नेट जीरो हासिल करने और 2030 तक 500 गीगावॉट गैर–जीवाश्म ईंधन आधारित क्षमता तक पहुंचने की भारत की प्रतिबद्धता के बारे में भी बात की। उन्होंने वित्तीय संस्थानों से भारत की नवीकरणीय ऊर्जा विकास रणनीति के साथ अपनी ऋण नीतियों को संरेखित करने का आह्वान किया और इस बात पर जोर दिया कि भविष्य में कार्बन–गहन उद्योगों को निर्यात के अवसरों में कमी का सामना करना पड़ेगा। मंत्री जोशी ने कहा कि भारत ने पहले ही नवीकरणीय ऊर्जा में महत्वपूर्ण प्रगति की है, जिसकी क्षमता आज 222 गीगावॉट तक बढ़ गई है। उन्होंने बताया कि पीएम–कुसुम और पीएम सूर्य घर किसानों को ऊर्जादाता (ऊर्जा प्रदाता) बनने के लिए सशक्त बनाते हैं, साथ ही ट्रांसमिशन घाटे को भी कम करते हैं। उन्होंने बैंकों से वित्तपोषण प्रक्रियाओं को सरल बनाने का आग्रह किया, विशेष रूप से रूफटॉप सौर परियोजनाओं के लिए, और डिस्कॉम के लिए नवीकरणीय खरीद दायित्वों (आरपीओ) के समान, इस क्षेत्र के लिए समर्पित वित्तपोषण सुनिश्चित करने के लिए नवीकरणीय ऊर्जा वित्तपोषण दायित्व की शुरुआत करने का आह्वान किया।

पृष्ठ एक का शेष

झुमुइर बिनंदिनी : पीएम...

इससे पहले लोकप्रिय गोपीनाथ बरदलै अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे (एलजीबीआई) पर प्रधानमंत्री मोदी का मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने गर्मजोशी से स्वागत किया। मुख्यमंत्री ने परंपरागत असमिया गमछा भेंट कर प्रधानमंत्री का अभिनंदन किया। प्रधानमंत्री मोदी यहां आज सरुसोजाई स्टेडियम में झुमुइर बिनंदिनी कार्यक्रम का उद्घाटन करने के बाद संबोधित करेंगे। इसके बाद मोदी रात के समय खानापाड़ा स्थित एडवांटेज असम 2.0 के स्टाल का उद्घाटन करने पहुंचेंगे। प्रधानमंत्री यहां परिसर में लगे 226 स्टालों का अवलोकन भी करेंगे। प्रधानमंत्री आज रात्रि विश्राम गुवाहाटी में करेंगे। मंगलवार की सुबह प्रधानमंत्री एडवांटेज असम कार्यक्रम में हिस्सा लेंगे। प्रधानमंत्री मोदी के दौरे के मद्देनज़र राज्य में सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं। हवाई अड्डे पर राज्य सरकार के वरिष्ठ अधिकारी, मंत्रियों और भाजपा के कई प्रमुख नेता भी उपस्थित रहे।

पीएम मोदी की असम...

निवेश की उम्मीद करते हैं। शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी और विदेश मंत्री एस जयशंकर 400 विदेशी प्रतिनिधियों के साथ पारंपरिक नृत्य *झुमोर बिनंदिनी* देखेंगे, जो चाय जनजाति समुदाय के जीवन को दर्शाता है, जिसके बाद शिखर सम्मेलन होगा। उन्होंने कहा कि दोनों कार्यक्रम असम के लोगों के लिए बहुत गर्व का विषय हैं। मुझे उम्मीद है कि ये कार्यक्रम हमारी उम्मीदों के मुताबिक सुचारू रूप से संपन्न होंगे और हम सम्मेलन के दौरान महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर करने में सक्षम होंगे। समीक्षा के दौरान मुख्यमंत्री ने मंडपों और प्रदर्शनी स्थलों सहित प्रमुख सुविधाओं का निरीक्षण किया। प्रधानमंत्री मंगलवार को शिखर सम्मेलन का उद्घाटन करेंगे। कार्यक्रम में मुकेश अंबानी, गौतम अडानी, अनिल अग्रवाल, प्रशांत भुइयां और सज्जन जिंदल जैसे उद्योगपतियों के शामिल होने की उम्मीद है। जयशंकर के अलावा पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया, रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव, बंदरगाह मंत्री सर्बानंद सोनोवाल और पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी भी शिखर सम्मेलन में मौजूद रहेंगे। सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी वर्चुअल माध्यम से एक सत्र को संबोधित करेंगे। शर्मा ने कहा कि केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण बुधवार को समापन सत्र को संबोधित करेंगी, जहां सेमीकंडक्टर और नुमालीगढ़ रिफाइनरी की बायो रिफाइनरी पर दो प्रस्तुतियां दी जाएंगी। उन्होंने कहा कि विश्व बैंक, एशियाई विकास बैंक और अन्य अंतर्राष्ट्रीय वित्त पोषण एजेंसियों के प्रतिनिधि भी उपस्थित रहेंगे। विभिन्न विषयों पर विभिन्न सत्र आयोजित किए जाएंगे, जिनमें असम चाय के 200 वर्ष, एमएसएमई, एक जिला एक उत्पाद (ओडीओपी), पर्यटन, स्वास्थ्य, जैव विनिर्माण और जैव–ढलाई, स्टार्टअप पारिस्थितिकी तंत्र, अगरवुड प्रसंस्करण और मूल्य संवर्धन, अर्धचालक क्षितिज को आगे बढ़ाना, एयरोस्पेस और रक्षा विनिर्माण, और सड़क, रेलवे और नदी संबंधी बुनियादी ढांचा शामिल हैं।

मन की बात को ...

मोदी के आकाशवाणी द्वारा प्रसारित रेडियो कार्यक्रम के महत्व पर जोर दिया, जिसने सफलतापूर्वक 110 से अधिक एपिसोड पूरे कर लिए हैं। नमो केंद्र के पत्र में कहा गया है कि मन की बात का यह कार्यक्रम प्रेरणा, प्रोत्साहन और राष्ट्र निर्माण के विचारों का स्रोत रहा है। इसमें सामाजिक सुधार, युवा सशक्तिकरण, नवाचार, आत्मनिर्भरत भारत और भारत की सांस्कृतिक विरासत सहित कई महत्वपूर्ण विषयों को शामिल किया गया है। विकसित भारत के दृष्टिकोण के अनुरूप नरेंद्र मोदी अध्ययन केंद्र ने विश्वविद्यालय अनुदान आयोग से उच्च शिक्षा में मन की बात को अनिवार्य विषय बनाने का आग्रह किया है। अनुरोध में इस बात पर प्रकाश डाला गया है कि इस विषय का अध्ययन छात्रों को दृढ़ संकल्प और सफलता के वास्तविक जीवन के उदाहरणों से जुड़ने के लिए प्रेरित करेगा। नई शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 का हवाला देते हुए पत्र में कहा गया है कि हम उच्च शिक्षा में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का उद्बोधन मन की बात को अनिवार्य विषय बनाने की दृढ़ता से अनुशंसा करते हैं। इससे छात्रों को भारत के सामाजिक–आर्थिक परिवर्तन और राष्ट्र निर्माण में नेतृत्व की भूमिका के बारे में गहन जानकारी प्राप्त करने में मदद मिलेगी। नरेंद्र मोदी अध्ययन केंद्र का मानना है कि मन की बात को शैक्षणिक पाठ्यक्रम में शामिल करने से छात्रों में मूल्य–आधारित शिक्षा का संचार होगा और उनमें जिम्मेदारी और उद्देश्य की भावना का पोषण होगा।

काजीरंगा : जयशंकर समेत ...

को चारा खिलाते हुए देखा गया। असम के कृषि मंत्री अतुल बोरा, काजीरंगा से लोकसभा सदस्य कामाख्या प्रसाद तासा, काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान की निदेशक सोनाली घोष और डीएफओ अरुण विग्नेश सफारी के दौरान मेहमानों के साथ थे। जयशंकर राजनयिकों के साथ शाम को लगभग 9,000 कलाकारों द्वारा पेश किया जाने वाला झुमोर नृत्य देखने के लिए गुवाहाटी रवाना होंगे। वहां प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी मौजूद रहेंगे। ये राजनयिक मंगलवार को *एडवांटेज असम 2.0 अवसंरचना एवं निवेश शिखर सम्मेलन* के उद्घाटन सत्र में भी भाग लेंगे। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने सोशल मीडिया मंच *एक्स* पर अपने पोस्ट में कहा कि एक ऐतिहासिक यात्रा! कल रात विदेश मंत्री एस जयशंकर असम की ऐतिहासिक यात्रा पर 50 से अधिक मिशन प्रमुखों के साथ जोरहाट पहुंचे। इससे राज्य में विदेशी सहयोग के द्वार खुलेंगे। सभी का हार्दिक स्वागत है।

मुख्यमंत्री हिमंत ने दक्षिण...

को पीएम मोदी ने शुरू किया है। इसका उद्देश्य पूर्वोत्तर क्षेत्र का विकास करना है। उन्होंने कहा कि सरकार की कई नीतियां हैं जो पूर्वोत्तर क्षेत्र में औद्योगीकरण को केंद्रित और बढ़ावा दे रही हैं। सीएम ने कहा कि असम के पास लोकेशन का फायदा है। मैं आप सभी को आमंत्रित करना चाहूंगा कि कृपया 25 और 26 फरवरी को असम आएं। दो दिनों में एडवांटेज असम शिखर सम्मेलन आयोजित किया जाएगा। असम सरकार ने भारतीय उच्चायोग के साथ साझेदारी में लंदन में असम निवेश रोड शो की मेजबानी की। इससे पहले, राज्य ने दुबई में इसी तरह का निवेश रोड शो आयोजित किया था। वित्त वर्ष 2023 में, असम ने अपने सकल राज्य घरेलू उत्पाद (जीएसडीपी) में साल दर साल 19.5 प्रतिशत की शानदार वृद्धि दर्ज की।

भारत सबसे तेजी से ...

प्रशासन के बीच तालमेल का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि इस तालमेल ने प्रगति को गति दी है, जिससे मध्य प्रदेश घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय निवेशकों के लिए एक आकर्षक गंतव्य बन गया है। बीते दो दशकों में मध्य प्रदेश ने परिवर्तन का नया दौर देखा है। एक समय था जब यहां बिजली और पानी की बहुत सारी दिक्कतें थीं। कानून–व्यवस्था की स्थिति तो और भी खराब थी। ऐसी हालत में यहां इंडस्ट्री का विकास बहुत मुश्किल था। बीते दो दशक में मध्य प्रदेश के लोगों के सपोर्ट से यहां की भाजपा सरकार ने शासन पर फोकस किया। दो दशक पहले तक लोग मप्र में निवेश करने से डरते थे। आज मप्र निवेश के लिए देश के शीर्ष राज्यों में शामिल हो गया है। प्रधानमंत्री ने भारत की इलेक्ट्रिक वाहन क्रांति में मध्य प्रदेश की महत्वपूर्ण भूमिका का उल्लेख करते हुए कहा कि यह राज्य इस परिवर्तनकारी उद्योग में अग्रणी राज्यों में से एक है। उन्होंने निवेशकों को भरोसा दिलाया कि मध्य प्रदेश आकर्षक रिटर्न के लिए प्रचुर अवसर प्रदान करता है, जिससे व्यापार के अनुकूल माहौल को बढ़ावा मिलता है। प्रधानमंत्री ने मध्य प्रदेश सरकार की 18 नई नीतियों का भी अनावरण किया। इनका उद्देश्य राज्य में बड़े पैमाने पर निवेश आकर्षित करना है। मोदी ने कहा कि मजबूत प्रतिभा पूल और संपन्न उद्योगों के साथ, मध्य प्रदेश एक पसंदीदा व्यवसाय स्थल बन रहा है। पिछली सरकार ने एमएसएमई की क्षमता को कम करके आंका, जिससे भारत की स्थानीय आपूर्ति शृंखला के विकास में बाधा उत्पन्न हुई। अब हम एमएसएमई के नेतृत्व वाली स्थानीय आपूर्ति शृंखलाओं के विकास को प्राथमिकता दे रहे हैं। इसके लिए एमएसएमई की परिभाषा में भी सुधार किया गया है। एमएसएमई को ऋण से जुड़े प्रोत्साहन दिए जा रहे हैं।

चाय का असली ...

शर्मा को इतने विशाल आयोजन के लिए बधाई दी। उन्होंने याद किया कि जब वे 2023 में असम आए थे, तब 11 हजार नर्तकियों ने बिहू नृत्य का प्रदर्शन किया था। उन्होंने झुमुइर बिनंदिनी को असम की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का प्रतीक बताते हुए इसे ऐतिहासिक क्षण करार दिया।

चैंपियंस ट्रॉफी : विदेशी ...

शाखा है। भले ही अब तक इसको लेकर कोई पुष्ट जानकारी सामने नहीं आई है, लेकिन ऐसे संभावित खतरे को हल्के में नहीं लिया जाना चाहिए। भारत ने सुरक्षा कारणों का हवाला देकर ही पाकिस्तान जाने से मना किया था। इसको लेकर पाकिस्तानी मीडिया में काफी हल्ला भी मचा था और उन्होंने भारत की आलोचना की थी। हालांकि, भारत अपने मुकाबले दुबई में ही खेल रहा है, लेकिन अन्य सभी टीमें पाकिस्तान गई हैं। होस्ट पाकिस्तान पहले दो मैच लगातार हारने के बाद अब चैंपियंस ट्रॉफी से बाह होने की कगार पर है। बांग्लादेश और न्यूजीलैंड के बीच मुकाबला खेला जा रहा है।

मणिपुर में लोगों ने ...

पुलिस और सैन्यबलों को सौंपे। पुलिस ने सोमवार को बताया कि थौबल जिले के लोगों ने एसपी कार्यालय, थौबल थाना के अंतर्गत में एक एसएमजी कार्बाइन, मैगजीन, एक टीयर गैस गन, दो स्नाइपर राइफल, एक डबल बैरल गन,एक सिंगल बैरल गन, एक .38 मिमी पिस्टल, दो मोर्टार शेल (2 इंच), दो आईईडी (एक 2.100 किग्रा, दूसरा 1.070 किग्रा), सात हाई एक्सप्लोसिव हैंड ग्रेनेड (36 एचई), पांच हैंडहेल्ड रेडियो सेट (बाओफेंग) और एक पटका सौंपा।इसके अलावा इम्फाल ईस्ट जिला हिंगांग थाना के अंतर्गत एसपी, इम्फाल ईस्ट को एक एके–56 राइफल और मैगजीन, एक एमएएस सीरीज बोल्ट एक्शन स्नाइपर राइफल (2.3.01M7.62 मिमी) और मैगजीन, एक .303 राइफल और मैगजीन, पोरमपट थाना अंतर्गत एसपी, इम्फाल ईस्ट को दो हैंड ग्रेनेड (36 एचई), 30 .303 एम्युनेशन और 11 एके एम्युनेशन सौंपे गए। पुलिस के अनुसार, इम्फाल वेस्ट जिला एसपी कार्यालय इम्फाल थाना के अंतर्गत एक 9 मिमी कार्बाइन ए1सौंपी गई।

फतेहाबाद में आंगनबाड़ी वर्कर व हेल्परों ने किया प्रदर्शन

फतेहाबाद (हिंस)। जिलेभर के आंगनबाड़ी वर्कर व हेल्परों ने अपनी मांगों को लेकर सोमवार को उपायुक्त कार्यालय पर रोष प्रदर्शन किया। आंगनबाड़ी वर्कर्स एंड हेल्पर्स यूनियन के आह्वान पर वर्कर्स डीसी कार्यालय के बाहर पार्क में एकत्रित हुए और सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी करते हुए उनकी मांगों का जल्द समाधान की मांग की। इसके बाद आंगनबाड़ी वर्करों ने परियोजना अधिकारी को मांग पत्र भी सौंपा। प्रदर्शन की अध्यक्षता जिला सचिव माया पूनियां पीलीमंदौरी ने की वहीं संचालन पम्मी लालवास ने किया। मुख्य वक्ता के तौर पर सीटू जिला सचिव ओमप्रकाश अनेजा ने भाग लिया। वर्कर्स को संबोधित करते हुए ओमप्रकाश अनेजा व माया पूनियां ने कहा कि नए पोषण ट्रेकर में काम करने में वर्कर्स को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। इन परेशानियों को देखते हुए ट्रेकर पोषण एप को तुरंत बंद किया जाए। हड़ताल के दौरान बर्खास्त वर्करों और हैल्परों का मानदेय तुरंत प्रभाव से भुगतान किया जाए। आंदोलन के दौरान वर्करों व हैल्परों पर बने मुकदमें रद्द हों। आंगनबाड़ी केंद्रों में राशन बनाने के लिए इस्तेमाल होने वाली गैस का पूरा पैसा उन्हें नहीं दिया जाता। उनकी मांग है कि गैस सिलैण्डर भी विभाग द्वारा भरवा कर आंगनबाड़ी केंद्रों में भिजवाया जाए। वर्करों से सुपरवाइजरों की पदोन्नति के बारे में पत्र तुरंत जारी हो और हैल्पर व वर्कर्स के खाली पड़े पदों को भरा जाए। उन्होंने कहा कि आंगनबाड़ी केंद्र को यदि क्रेच में तबदील किया जाता है तो केवल क्रेच का ही काम रहे। आंगनबाड़ी वर्कर्स को तीसरे व हैल्पर को चौथे दर्जे का कर्मचारी घोषित किया जाए तथा तब तक उन्हें 26 हजार रुपए न्यूनतम वेतन दिया जाए।

असम का गौरव वैश्विक मंच पर चमका : दिलीप सैकिया

भाजपा सरकार असम की सांस्कृतिक धरोहर को संजोने के लिए प्रतिबद्ध

गुवाहाटी (हिंस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की असम यात्रा के दौरान समृद्ध चाय जनजाति एवं आदिवासी समुदाय के *झूमुर* नृत्य को विश्व मंच पर प्रस्तुत किया गया है, जो राज्य के लिए ऐतिहासिक उपलब्धि है। इस उत्सव के माध्यम से असम की सांस्कृतिक विविधता, एकता और भाईचारे को दर्शाया गया है। असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा एवं भाजपा नीत सरकार द्वारा इस ऐतिहासिक पहल को आगे बढ़ाने की प्रतिबद्धता दर्शाई गई है। इस अवसर पर प्रदेश भाजपा अध्यक्ष दिलीप सैकिया ने कहा कि भाजपा हर समुदाय के विकास के लिए संकल्पबद्ध है। प्रधानमंत्री मोदी के स्वागत में आयोजित *झूमुईर बिनंदिनि* कार्यक्रम पर अध्यक्ष सैकिया ने कहा कि यह असम की चाय संस्कृति के लिए स्वर्णिम क्षण है। प्रधानमंत्री की उपस्थिति से इस कार्यक्रम का महत्व बढ़ गया है। चाय जनजाति और आदिवासी समुदाय की संस्कृति को वैश्विक मंच पर लाने की यह पहल सराहनीय है। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा के इस दूरदर्शी प्रयास के लिए सैकिया आभार व्यक्त करते हैं। भारतीय जनता पार्टी सांस्कृतिक और भौगोलिक राष्ट्रवाद की पार्टी है, जो देश की सांस्कृतिक विरासत, आध्यात्मिक चिंतन और आर्थिक प्रगति के लिए निरंतर कार्य कर रही है। भाजपा सरकार के नेतृत्व में वंचित और विलुप्तप्राय समुदायों की सांस्कृतिक पहचान को राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर प्रमोट करने की परंपरा जारी रहेगी। *झूमुईर बिनंदिनि* इसका उत्कृष्ट उदाहरण है। अध्यक्ष सैकिया ने कहा कि हमारी सरकार असम के प्रत्येक समुदाय के उत्थान के लिए समान रूप से प्रतिबद्ध है। सांस्कृतिक संवर्धन के साथ-साथ हम इन समुदायों के आर्थिक विकास के लिए भी कार्य कर रहे हैं। बोड़ोलैंड टेरिटोरियल रीजन में जारी शांति और विकास, जिससे 35 लाख से अधिक लोग लाभान्वित हो रहे हैं, *ट्रिपल इंजन* सरकार की समावेशी विकास नीति का प्रमाण है। यह गति आगे भी बनी रहेगी। चाय जनजाति समुदायों के विकास के लिए भाजपा की पहलों को उजागर करते हुए सैकिया ने कहा कि हमारी सरकार ने चाय बागान मजदूरों की मजदूरी को 251 रुपए तक बढ़ाया, चाय बागान क्षेत्रों में 200 से अधिक सरकारी विद्यालय स्थापित किए, चाय जनजाति एवं आदिवासी उम्मीदवारों के लिए सरकारी नौकरियों के वर्ग 3 और वर्ग 1- पदों में 3 फीसदी आरक्षण दिया और आदिवासी उम्मीदवारों के साथ मिलकर ऐतिहासिक आदिवासी शांति समझौते पर हस्ताक्षर किए। इसके अतिरिक्त, 850 चाय बागानों में सड़क निर्माण के लिए एक करोड़ रुपए आवंटित किए गए हैं। जबकि शहीद दयाल दास पनिका योजना के तहत, चाय-जनजाति समुदायों के आठ हजार युवाओं को 25 हजार रुपए की वित्तीय सहायता प्रदान की गई है। इसके अलावा, मालती ओरांग के सम्मान में 15 लाख रुपए के अनुदान से प्रत्येक चाय बागान में सांस्कृतिक मंचों का निर्माण किया जा रहा है। ये कल्याणकारी उपाय चाय-जनजाति समुदायों के विकास और सशक्तिकरण के लिए भाजपा की ईमानदार प्रतिबद्धता को दर्शाते हैं। प्रधानमंत्री की यात्रा पर चर्चा करते हुए, अध्यक्ष दिलीप सैकिया ने कहा कि भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रम *झुमुईर बिनंदिनी* और हाई-प्रोफाइल निवेश शिखर सम्मेलन *एडवांटेज असम 2.0* में प्रधानमंत्री की भागीदारी न केवल असम के गौरव को बढ़ाती है, बल्कि राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय मंच पर राज्य के महत्व को भी बढ़ाती है।

पुष्प सज्जित वाहन में सवार होकर प्रधानमंत्री ने स्टेडियम में उपस्थित लोगों का अभिवादन स्वीकार किया

गुवाहाटी (हिंस)। गुवाहाटी के सरुसजाई स्टेडियम में पहुंचे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का गर्मजोशी के साथ स्वागत किया गया। विश्व रिकार्ड बनाने के लिए आयोजित झुमुइर बिनंदिनी ऐतिहासिक कार्यक्रम के आरंभ से पहले प्रधानमंत्री ने पूरे स्टेडियम का पुष्प सज्जित वाहन में सवार होकर चक्कर लगाते हुए उपस्थित लोगों का अभिवादन स्वीकार किया। प्रधानमंत्री के साथ वाहन पर असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा भी उपस्थित थे। प्रधानमंत्री ने हाथ हिलाकर भारी संख्या में उपस्थित लोगों का अभिवादन स्वीकार किया। उल्लेखनीय है कि वर्ष 2023 में भी बिहू नृत्य को वैश्विक पटल पर स्थापित करने के लिए इसी तरह का एक कार्यक्रम आयोजित किया गया था। प्रधानमंत्री ने इसी तरह से पूरे स्टेडियम का चक्कर लगाते हुए लोगों का अभिवादन स्वीकार किया। ज्ञात हो कि गुवाहाटी हवाई अड्डा से सरुसजाई स्टेडियम के लिए रवाना हुए प्रधानमंत्री का पूरे रास्ते में सड़क के किनारे खड़े लोगों ने हाथ हिलाकर स्वागत किया। प्रधानमंत्री ने भी प्रत्युत्तर में कार के अंदर से ही हाथ हिलाकर लोगों का अभिवादन स्वीकार किया।

गौरव गोगोई का भाजपा पर पलटवार आईएसआई कनेक्शन के आरोपों को बताया झूठ

गुवाहाटी (हिंस)। कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई ने खुद पर लगे पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई से जुड़े होने के आरोपों को बेबुनियाद और राजनीतिक रूप से प्रेरित करार दिया है। उन्होंने भाजपा पर जनता को गुमराह करने के लिए झूठ और दुष्प्रचार का सहारा लेने का आरोप लगाया। सोमवार को मीडिया से बातचीत करते हुए गोगोई ने कहा कि भाजपा दो बैसाखियों-झूठ और गलत जानकारी-पर टिकी हुई है। उनका काम प्रोपेगेंडा फैलाना है, जबकि हमारा काम लोगों तक सच पहुंचाना है। उन्होंने खुद और अपनी पत्नी पर लगे आरोपों को खारिज किया। चुनावी माहौल के बीच यह विवाद गहरा गया है। कांग्रेस नेता का कहना है कि इस तरह के आरोप जनता का ध्यान असल मुद्दों से भटकाने की कोशिश हैं। इस बीच, असम पुलिस की सीआईडी ने पाकिस्तानी नागरिक अली तौकीर शेख के खिलाफ कथित विदेशी हस्तक्षेप को लेकर जांच शुरू की है। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने बताया कि शेख के संबंध गौरव गोगोई की पत्नी एलिजाबेथ गोगोई से रहे हैं, जो पाकिस्तान में *लीड पाकिस्तान* संगठन के साथ जलवायु परिवर्तन परियोजनाओं पर काम कर चुकी हैं। शेख के पाकिस्तानी अधिकारियों से संपर्क को लेकर चिंता जताई गई है। राजनीतिक गरमागरमी के बीच भाजपा ने अभी तक गोगोई के बयान पर आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं दी है।

नव निर्मित शिव मंदिर का उद्घाटन

कोकराझाड़ (हिंस)। धुबड़ी-कोकराझाड़ जिले की सीमा से सटे बिलासीपारा सबडिविजन के फुटुकीबाड़ी ग्राम पंचायत के अंतर्गत पश्चिम मेधिपाड़ा में, कामतापुर स्वायत्त परिषद के 2022-23 वित्तीय वर्ष के तहत स्वीकृत 5 लाख रुपए की राशि से निर्मित शिव मंदिर का आज उद्घाटन किया गया। मंदिर का उद्घाटन कामतापुर स्वायत्त परिषद (केएसी) के मुख्य कार्यकारी पार्षद जीवेश राय ने पूरे विधि-विधान एवं मंत्रोच्चारण की बीच किया। इस अवसर पर केएसी के पार्षद मुकुल बरुवा समेत क्षेत्र के कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। मंदिर के उद्घाटन के मौके पर पूरे इलाके में भक्ति का परिवेश देखा गया।

अखिल गोगोई की पत्नी पर बदरुद्दीन अजमल की टिप्पणी से विवाद, शिकायत दर्ज

गुवाहाटी (हिंस)। असम में एआईयूडीएफ प्रमुख और सांसद बदरुद्दीन अजमल के एक बयान से विवाद खड़ा हो गया है। राइजर दल की महिला शाखा जातीई नारी वाहिनी की महासचिव मोमी रॉय चौधरी ने उनके खिलाफ बंगाईगांव थाने में शिकायत दर्ज कराई है। अजमल ने शिवसागर के विधायक अखिल गोगोई की पत्नी और प्रोफेसर गीतेश्री तामुली को लेकर विवादित टिप्पणी की थी। उन्होंने मीडिया से बातचीत में कहा कि अखिल गोगोई की पत्नी बूढ़ी हैं, इसलिए इस बारे में कुछ कहने का सवाल ही नहीं उठता। हां, अगर वह जवान होतीं तो कुछ कहने लायक होता। वह बूढ़ी हैं, तो मैं क्या कहूं? जातीय नारी वाहिनी ने अजमल के बयान की कड़ी निंदा करते हुए इसे अपमानजनक और अस्वीकार्य बताया। मोमी रॉय चौधरी ने कहा कि अजमल असम की राजनीति में फिर से सक्रिय होने के लिए *चालाक लोमड़ी* की तरह कोशिश कर रहे हैं। इस विवाद के चलते राइजर दल और एआईयूडीएफ के बीच संबंधों में और तनाव बढ़ गया है। अजमल को उनकी टिप्पणी के लिए तीखी आलोचना झेलनी पड़ रही है।

फकीराग्राम महाविद्यालय में राज्य स्तरीय वाद-विवाद प्रतियोगिता

कोकराझाड़ (हिंस)। कोकराझाड़ जिला के फकीराग्राम महाविद्यालय में छात्र एकता सभा और महाविद्यालय की आंतरिक गुणवत्ता निर्धारण समिति के सहयोग से आज महाविद्यालय के प्रेक्षागृह में राज्य स्तरीय वाद-विवाद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। *सोशल मीडिया का युवाओं पर सकारात्मक प्रभाव पड़ता है* विषय पर प्रतियोगिता आयोजित की गई। इस प्रतियोगिता में बीटीआर (बोड़ोलैंड टेरिटोरियल रीजन) के साथ-साथ अन्य कई महाविद्यालयों के छात्र-छात्राओं ने भाग लिया।

डबका में सड़क हादसा, ई-रिक्शा चालक की मौत

होजाई (हिंस)। होजाई जिलांतर्गत डबका में आज सुबह हुए एक भयावह सड़क हादसे में एक व्यक्ति की मौत हो गयी। हादसा तेज रफ्तार डंपर (एएस-09एसी-2090) की ठोकर लगने से हुआ। यह दुर्घटना डबका के बूढ़ीगांव में तड़के हुआ। हादसे में ई-रिक्शा चालक फैजुल हक की मौत हो गई। हादसे में मारे गए फैजुल हक डबका के पूर्वी बूढ़ीगांव के रहने वाले बताए गए हैं। हादसे के बाद डंपर छोड़कर चालक मौके से फरार हो गया। उल्लेखनीय है कि डंपर ई-रिक्शा को टक्कर मारने के बाद अनियंत्रित होकर सड़क के किनारे चल गया। हादसे में ई-रिक्शा पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया। घटना की जानकारी मिलते ही डबका पुलिस मौके पर पहुंची और मृतक के शव को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज दिया। पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है।

पूसीरे ने बेहतर दक्षता के लिए संशोधित समय के साथ दो प्रमुख ट्रेनों की गति बढ़ाई

गुवाहाटी (हिंस)। पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे (पूसीरे) ने 26 फरवरी से संशोधित समय के साथ दो ट्रेनों की गति बढ़ाने का निर्णय लिया है। ट्रेन संख्या 15658 (कामाख्या-दिल्ली) ब्रह्मपुत्र मेल की गति में एक घंटे की बढ़ोतरी की जाएगी, जबकि ट्रेन संख्या 15815 (गुवाहाटी-डेकारगांव) इंटरसिटी एक्सप्रेस की समय-सारणी में दस मिनट का समायोजन किया जाएगा। गतिशीलता और यात्री सुविधा को बढ़ाने के लिए मार्ग के सभी ठहरावों पर अद्यतन समय-सारणी स्थायी रूप से लागू की जाएगी। पूसीरे के सीपीआरओ कपिंजल किशोर शर्मा ने आज एक बयान में बताया है कि ब्रह्मपुत्र मेल कामाख्या स्टेशन से 16:55 बजे रवाना होगी। यह ट्रेन रंगिया जंक्शन 17:30 बजे पहुंचेगी और 17:35 बजे रवाना होगी। इसी तरह, ट्रेन न्यू बंगाईगांव स्टेशन 19:25 बजे पहुंचेगी और 19:30 बजे रवाना होगी, न्यू अलीपुरद्वार स्टेशन 21:15 बजे पहुंचेगी और 21:20 बजे रवाना होगी, न्यू जलपाईगुड़ी 00:05 बजे पहुंचेगी और 00:15 बजे रवाना होगी, मालदा टाउन 04:25 बजे पहुंचेगी और 04:35 बजे रवाना होगी, भागलपुर 08:16 बजे पहुंचेगी और 08:26 बजे रवाना होगी, अभयपुर 09:56 बजे पहुंचेगी और 09:58 बजे रवाना होने के बाद अपना अंतिम गंतव्य दिल्ली पहुंचेगी। ट्रेन की समय-सारणी सभी निर्दिष्ट ठहरावों पर भी संशोधित किए गए हैं। इसके अलावा, इंटरसिटी एक्सप्रेस गुवाहाटी स्टेशन से संशोधित समय 16:55 बजे रवाना होगी। यह ट्रेन कामाख्या स्टेशन पर 17:10 बजे पहुंचेगी और 17:12 बजे रवाना होगी। बुनियादी संरचना की निरंतर उन्नति के साथ पूसीरे ने अपने ट्रेन परिचालन की गति और दक्षता में उल्लेखनीय सुधार किया है। परिणामस्वरूप, अब तेज गति से ट्रेनें चल रही है, जिससे यात्रियों को अधिक सहज, आरामदायक और सुरक्षित यात्रा का अनुभव मिल रहा है। ये सुधार न केवल यात्रा समय को कम करते हैं बल्कि समय की पाबंदी में भी सुधार लाते हैं। इससे यात्रियों के लिए अधिक विश्वसनीय और सुविधाजनक यात्रा सुनिश्चित होती है। नई समय सारणी से पूसीरे पर बेहतर ट्रेन परिचालन में मदद मिलने की उम्मीद है। यात्रियों से अनुरोध है कि वे अपनी यात्रा आरंभ करने से पहले नेशनल ट्रेन इनक्वायरी सिस्टम (एनटीईएस) पर वास्तविक समय के आधार पर ट्रेन की स्थिति और समय-सारणी की जांच अवश्य कर लें।

पुलिस ने गुप्त अभियान चलाकर 12 किलो गांजा सहित एक को किया गिरफ्तार

रंगिया (विभास)। एक गुप्त सूचना पर कार्रवाई करते हुए सोमवार को रंगिया एवं तुलसीबाड़ी पुलिस ने संयुक्त अभियान चलाकर सफलता हासिल की है। रंगिया थाने के नगर परिदर्शक बिष्णु ज्योति बोरा और तुलसीबाड़ी पुलिस चौकी के प्रभारी सब इंस्पेक्टर डी सोनोवाल के नेतृत्व में पुलिस द्वारा तामुलपुर की ओर जाने वाले एक स्विफ्ट वाहन, पंजीयन नंबर एएस 06 एल 5983 को राष्ट्रीय राजमार्ग मार्ग स्थित तोरोनी में रोककर तलाशी अभियान चलाया गया। इस दौरान पुलिस ने वाहन से 12 किलोग्राम संदिग्ध गांजा बरामद किया और साथ ही मौके पर उपरोक्त वाहन और एक मोबाइल फोन जब्त किया गया। अभियान में गिरफ्तार चालक ड्रग तस्कर फारुक खान उम्र 29 वर्ष जोकि तामुलपुर थाने के अंतर्गत मेला बाजार का निवासी है को जब्त सामग्रियों के साथ एनडीपीएस अधिनियम के अनुसार कानूनी कार्रवाई शुरू करने के लिए थाने लाया गया है।

रंगिया में लोकनृत्य की कार्यशाला 21 मार्च से

रंगिया (विभास)। रंगिया के सांस्कृतिक शिक्षण संस्थान *लोक कृष्टि कला केंद्र* द्वारा हरवर्ष की तरह इसबार भी रंगाली बिहू के मौके पर लोकनृत्य की कार्यशाला का आयोजन किया गया है। पिछले ग्यारह वर्षों की सफलता के साथ इसबार इसका आयोजन आगामी 21 मार्च से 30 मार्च तक 10 दिवसीय कार्यक्रम के साथ किया जाएगा। रंगिया के बीचों बीच स्थित संगम संघ मैदान प्रांगण में आयोजित होने वाली इस कार्यशाला में आमंत्रित अभिज्ञ प्रशिक्षकों द्वारा बिहू हुसोरी, बिहू नृत्य और जेंग बिहू का प्रशिक्षण दिया जाएगा जिसमें मुख्य प्रशिक्षक राष्ट्रीय स्तर के लोक कलाकार बोर बिहुवा गौतम दास, बिहुवा रूपम डेका, कंदर्प दास, रंग बसंत रानी-2022 तथा नामोनी बोआरी-2024 अनन्या फूकन, बिहूवती डिंपी हालोई, दीपिका रॉय सहित सह-प्रशिक्षक देवाशीष दास, राहुल नाथ, रक्तिम कश्यप, हेमंत राजवंशी उपस्थित रहेंगे। बताया गया है कि कार्यशाला के अंतर्गत रोजाना दोपहर 3.30 बजे प्रशिक्षण दिया जाएगा जिसमें 6 वर्ष व इससे अधिक आयु के प्रशिक्षार्थी भाग ले सकेंगे। आयोजकों द्वारा कार्यशाला में शामिल होने के लिए इक्षुक प्रशिक्षार्थियों को शीघ्र ही प्र-पत्र संग्रह कर उसे जल्द से जल्द जमा करने का आग्रह किया गया है। जानकारी दी गई है कि प्रपत्र रंगिया बाजार शिव मंदिर के पास स्थित रंगरूप नामक प्रतिष्ठान से सुबह 10 बजे से संग्रह किया जा सकेगा। वहीं कार्यक्रम के बारे में अधिक जानकारी के लिए आयोजकों द्वारा मोबाईल नंबर- 9707823954, 9954241847, 8724037267 पर सम्पर्क करने का आग्रह किया गया है।

कामरूप जिले के 1,10,577 लाभार्थियों को *मिला प्रधानमंत्री कृषक सम्मान निधि* योजना का लाभ

रंगिया (विभास)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बिहार के भागलपुर से लाइव वेबकास्ट के माध्यम से पात्र लाभार्थी किसानों को *प्रधानमंत्री कृषक सम्मान निधि* (पीएम-किसान) योजना के तहत अनुदान की 19वीं किस्त सौंपी। प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने अप्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण के माध्यम से लगभग 11 करोड़ लाभार्थी किसानों के खातों में 22.5 हजार करोड़ रुपए से अधिक हस्तांतरित किए। इस मौके पर एकीकृत जिला आयुक्त कार्यालय के बैठक कक्ष में कामरूप जिला कृषि विभाग द्वारा आयोजित केंद्रीय कार्यक्रम के लाइव प्रसारण में मुख्य अतिथि के रूप में भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष था दरंग-उदालगुड़ी के सांसद दिलीप सैकिया और गुवाहाटी की सांसद बिजुली कलिता मेधी ने अपने भाषण में कहा कि वर्ष 2014 से लेकर अबतक मोदी सरकार ने अप्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण योजनाओं के माध्यम से किसानों को लाभ पहुंचाया है। इसके अलावा कृषि विकास अधिकारियों के सहयोग से कृषि विज्ञान केंद्र, कामरूप और जिले के 13 विकास क्षेत्रों में प्रधानमंत्री कृषक सम्मान निधि की 19वीं किस्त के शुभारंभ का सीधा प्रसारण की व्यवस्था की गई है। कार्यक्रम में जिला आयुक्त देव प्रसाद मिश्र सहित जिला विकास आयुक्त सुशांत कुमार दत्त, जिला कृषि अधिकारी स्वप्नाली बरुवा, महकमा कृषि अधिकारी और पीएम किसान के नोडल अधिकारी ज्योतिप्रसाद दास, महकमा कृषि अधिकारी गिरीन शर्मा और मानस प्रतिम मोहंता, वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी रमणी शर्मा, कृषि विकास अधिकारी कंकना मेधी, प्रियंबी सैकिया और अधिकारी-कर्मचारियों के साथ सैकड़ों किसानों ने भाग लिया। उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री ने कामरूप जिले के कुल 1,10,577 पात्र लाभार्थियों को प्रधानमंत्री कृषक सम्मान निधि की 19वीं किस्त सीधे प्रसारण के माध्यम से डीबीटी के माध्यम से हस्तांतरित की। कार्यक्रम के संयोजन में किसानों की उपज की एक प्रदर्शनी भी आयोजित की गई। इसके अलावा जिले के 10 किसानों को स्प्रेयर तथा 2 किसानों को प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना के उपकरण वितरित किए गए।

जंगली हाथी के हमले में एक छात्रा की मौत

कोकराझाड़ (हिंस)। जिला के गोसाईगांव में दर्दनाक घटना सामने आई है। गोसाईगांव के मैनागुरी डुमरुगुड़ी गांव में जंगली हाथी के हमले में एक छात्रा की मौत हो गई। वन विभाग से मिली जानकारी के अनुसार गोसाईगांव सब-डिविजन के कचुगांव फॉरेस्ट डिवीजन के तहत आने वाले मैनागुरी गांव के डुमरुगुड़ी इलाके में आज तड़के एक जंगली हाथी ने हायर सेकेंडरी स्कूल की छात्रा फुंजा मुसाहारी पर हमला कर दिया। स्वप्न मुसाहारी की बेटी फुंजा की हाथी के हमले में मौके पर ही मौत हो गई। गौरतलब है कि इससे पहले 13 फरवरी को बनगांव गांव में जंगली हाथी के हमले में सत्यवती बसुमतारी नामक एक बुजुर्ग महिला की भी हाथी के हमले में मौत हो गई थी। स्थानीय लोगों का कहना है कि इलाके में जंगली हाथियों का आतंक दिन-ब-दिन बढ़ता जा रहा है, बावजूद रायमोना नेशनल पार्क की सुरक्षा के लिए कोई ठोस कदम नहीं उठाए गए हैं। स्थानीय लोगों ने यह भी बताया कि जंगली हाथी अक्सर रायमोना नेशनल पार्क से भोजन की तलाश में बाहर आ जाते हैं, जिसके चलते ग्रामीणों को लगातार जान-माल का नुकसान हो रहा है।

भारत सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था बना रहेगा : प्रधानमंत्री

नई दिल्ली, (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को मध्य प्रदेश के भोपाल में आयोजित ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट-2025 में कहा कि विश्व बैंक ने भरोसा जताया है कि भारत आने वाले वर्षों में दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था बना रहेगा। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत के इतिहास में ऐसा अवसर पहली बार आया है जब पूरी दुनिया भारत के लिए इतनी आशावादी है। पूरी दुनिया में चाहे सामान्य जन हो, अर्थनीति के विशेषज्ञ हो, विभिन्न देश हो या फिर संस्थान इन सभी को भारत से बहुत आशाएं हैं। उन्होंने कहा, ह्लकुछ दिन पहले ही विश्व बैंक ने कहा है कि भारत आने वाले वर्षों में ऐसे ही दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था बना रहेगा। कुछ ही दिन पहले जलवायु परिवर्तन पर संयुक्त राष्ट्र की एक संस्था ने भारत को सोलर पावर का सुपरपॉवर कहा था। इस संस्था ने ये भी कहा कि जहां कई देश सिर्फ बातें करते हैं, वहीं भारत नतीजे लाकर दिखाता है। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत के विकसित भविष्य में टेक्सटाइल, पर्यटन और प्रौद्योगिकी क्षेत्रों की बहुत बड़ी भूमिका रहने वाली है। ये तीनों क्षेत्र, करोड़ों नए रोजगार पैदा करने वाले हैं। भारत का टेक्सटाइल सेक्टर करोड़ों लोगों को रोजगार देता है। भारत के पास टेक्सटाइल से जुड़ी एक पूरी परंपरा, कौशल और उद्यमिता है। प्रधानमंत्री ने कहा कि मध्य प्रदेश तो एक प्रकार से भारत की कपास राजधानी है। भारत की करीब 25 प्रतिशत ऑर्गेनिक कपास सप्लाई मध्य प्रदेश से ही होती है। प्रधानमंत्री ने कहा कि विकसित मध्य प्रदेश से विकसित भारत की यात्रा में आज का यह कार्यक्रम बहुत अहम है। उन्होंने कहा कि भारत वैश्विक एयरोस्पेस फर्मों के लिए शीर्ष आपूर्ति श्रृंखला के रूप में उभर रहा है। कपड़ा, पर्यटन और प्रौद्योगिकी क्षेत्र आने वाले वर्षों में करोड़ों नौकरियां पैदा करेंगे। प्रधानमंत्री ने राज्य में विकास की तेज गति का श्रेय डबल इंजन सरकार को दिया। उन्होंने राज्य और केंद्र प्रशासन के बीच तालमेल का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि इस तालमेल ने प्रगति को गति दी है, जिससे मध्य प्रदेश घरेलू और अंतरराष्ट्रीय निवेशकों के लिए एक आकर्षक गंतव्य बन गया है। बीते दो दशकों में मध्य प्रदेश ने परिवर्तन का नया दौर देखा है। एक समय था जब यहां बिजली और पानी की बहुत सारी दिक्कतें थीं। कानून-व्यवस्था की स्थिति तो और भी खराब थी। ऐसी हालत में यहां इंडस्ट्री का विकास बहुत मुश्किल था। बीते दो दशक में मध्य प्रदेश के लोगों के सपोर्ट से यहां की भाजपा सरकार ने शासन पर फोकस किया। दो दशक पहले तक लोग मप्र में निवेश करने से डरते थे। आज मप्र निवेश के लिए देश के शीर्ष राज्यों में शामिल हो गया है। प्रधानमंत्री ने भारत की इलेक्ट्रिक वाहन क्रांति में मध्य प्रदेश की महत्वपूर्ण भूमिका का उल्लेख करते हुए कहा कि यह राज्य इस परिवर्तनकारी उद्योग में अग्रणी राज्यों में से एक है। उन्होंने निवेशकों को भरोसा दिलाया कि मध्य प्रदेश आकर्षक रिटर्न के लिए प्रचुर अवसर प्रदान करता है, जिससे व्यापार के अनुकूल माहौल को बढ़ावा मिलता है। प्रधानमंत्री ने मध्य प्रदेश सरकार की 18 नई नीतियों का भी अनावरण किया। इनका उद्देश्य राज्य में बड़े पैमाने पर निवेश आकर्षित करना है। मोदी ने कहा कि मजबूत प्रतिभा पूल और संपन्न उद्योगों के साथ, मध्य प्रदेश एक पसंदीदा व्यवसाय स्थल बन रहा है। पिछली सरकार ने एमएसएमई की क्षमता को कम करके आंका, जिससे भारत की स्थानीय आपूर्ति श्रृंखला के विकास में बाधा उत्पन्न हुई। अब हम एमएसएमई के नेतृत्व वाली स्थानीय आपूर्ति श्रृंखलाओं के विकास को प्राथमिकता दे रहे हैं। इसके लिए एमएसएमई की परिभाषा में भी सुधार किया गया है। एमएसएमई को ऋण से जुड़े प्रोत्साहन दिए जा रहे हैं।

2026 विधानसभा चुनाव से पहले ग्रामीण सड़कों पर नजर, ममता सरकार ने किया बड़ा बजट आवंटन

कोलकाता, (हि. स.)। 2026 के विधानसभा चुनाव को ध्यान में रखते हुए पश्चिम बंगाल सरकार ने ग्रामीण सड़कों के रख-रखाव के लिए 1000 करोड़ रुपये आवंटित किए हैं। राज्य के पंचायत विभाग ने यह राशि स्वीकृत की है, जिसका उद्देश्य प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना (पीएमजीएसवाई) और ग्रामीण अवसंरचना विकास निधि (रिड्फ) के तहत बनी पुरानी सड़कों का रख-रखाव करना है। आम तौर पर इस मद में हर साल 200 से 250 करोड़ रुपये का बजट रखा जाता है, लेकिन इस बार एकमुश्त 750 से 800 करोड़ रुपये की वृद्धि की गई है, जिसे अभूतपूर्व माना जा रहा है। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि चुनाव से पहले तृणमूल कांग्रेस सरकार ने यह बड़ा कदम ग्रामीण मतदाताओं को लुभाने के लिए उठाया है, क्योंकि खराब सड़कों की वजह से चुनाव में सत्ताधारी पार्टी को नुकसान उठाना पड़ सकता है। पीएमजीएसवाई के तहत बनने वाली सड़कों के लिए 60 प्रतिशत राशि केंद्र सरकार देती है, जबकि 40 प्रतिशत राज्य सरकार को वहन करना पड़ता है। हालांकि, इस योजना के तहत बनी सड़कों के रख-रखाव की कोई स्पष्ट नीति केंद्र की ओर से नहीं है, जिससे यह जिम्मेदारी राज्य सरकार पर आ जाती है। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि इसी कारण तृणमूल सरकार ने चुनाव से पहले इन सड़कों की मरम्मत और रख-रखाव के लिए विशेष बजट का प्रावधान किया है। राज्य सरकार का मानना है कि यदि इन सड़कों का समय पर रख-रखाव नहीं किया गया, तो ग्रामीण परिवहन व्यवस्था प्रभावित होगी, जिससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था और आम लोगों के दैनिक जीवन पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है। इसलिए चुनाव से पहले इन कार्यों को पूरा करना सरकार के लिए प्राथमिकता बन गया है। वहीं, विपक्ष ने इस फैसले को चुनावी राजनीति करार दिया है। विपक्षी दलों का कहना है कि लंबे समय से राज्य सरकार इन सड़कों की मरम्मत को नजरअंदाज करती आई है, लेकिन चुनाव से ठीक पहले अचानक इतने बड़े बजट का आवंटन तृणमूल के वोटबैंक को मजबूत करने की कोशिश है। विशेषज्ञों का मानना है कि ग्रामीण सड़कों के सुधार का सीधा प्रभाव मतदाताओं पर पड़ेगा। तृणमूल सरकार पहले से ही विभिन्न सामाजिक योजनाओं जैसे लक्ष्मी भंडार, कन्याश्री, रूपश्री, कृषक बंधु और 'द्वारे सरकार' के जरिए ग्रामीण मतदाताओं तक पहुंच बनाने की कोशिश कर रही है। अब सड़कों के रखरखाव के लिए भारी भरकम बजट आवंटित कर सरकार चुनाव से पहले अपनी विकास योजनाओं को और मजबूत करना चाहती है। हालांकि, यह बजट सही तरीके से खर्च होगा या नहीं, यह देखने वाली बात होगी। विपक्ष पहले ही इस पर नजर बनाए हुए है और सुनिश्चित करने की कोशिश करेगा कि धनराशि का सही उपयोग हो। 2026 के विधानसभा चुनावों में इस फैसले का क्या प्रभाव पड़ेगा, यह तो समय ही बताएगा। लेकिन राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि तृणमूल सरकार के लिए यह एक महत्वपूर्ण रणनीति हो सकती है, जो ग्रामीण मतदाताओं को प्रभावित करने में कारगर साबित हो सकती है।

पंजाब के आंदोलनकारी किसानों ने दिल्ली कूच का फैसला वापस लिया

चंडीगढ़, (हि.स.)। पंजाब के शंभू व खनौरी बॉर्डर पर आंदोलन कर रहे किसानों ने मंगलवार को होने वाले दिल्ली कूच का ऐलान फिलहाल वापस ले लिया है।किसान नेता सरवन सिंह पंधेर ने सोमवार को अमृतसर में राज्य सरकार को चेतावनी दी है कि किसानों की जमीनों पर जबरदस्ती कब्जे न करें। उन्हें उचित मुआवजा दें। अभी हमारा ध्यान केंद्र की तरफ है। पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने कहा कि अगर किसी भी जिले में जबरदस्ती जमीन अधिग्रहित की गई तो पंजाब सरकार की नाक में दम कर देंगे। सरवन सिंह पंधेर ने सरकार से सोमवार को शुरू हुए सत्र को लंबा करने की मांग भी रखी। उन्होंने कहा कि विदेश से लौटे युवाओं को गलत तरीकों से बाहर भेजने वाले एजेंटों के खिलाफ, नशे के खिलाफ और पंजाब के अन्य मुद्दों को लेकर चर्चा की जाए। इसके साथ ही सीएम भगवंत मान के समक्ष मांग रखी कि उनकी 12 मांगों को लेकर सत्र में पास करके केंद्र को भेजा जाए। इस दौरान मंडी प्राइवेटाइजेशन को लेकर केंद्र में पास किये गए बिल के खिलाफ भी मत पास कर केंद्र को भेजकर मंडियों को प्राइवेट हाथों में जाने से रोका जाए।

संयुक्त राष्ट्र शांति स्थापना मिशनों में महिलाओं की मौजूदगी दीर्घकालिक शांति समझौते में अधिक प्रभावी : राष्ट्रपति

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने सोमवार को राष्ट्रपति भवन में वैश्विक दक्षिण की महिला शांति सैनिकों के सम्मेलन की प्रतिभागियों से मुलाकात की। इस अवसर पर राष्ट्रपति ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र शांति स्थापना मिशनों में महिलाओं की अधिक मौजूदगी हिंसा को कम करने और दीर्घकालिक शांति समझौते हासिल करने में अधिक प्रभावी होती है। प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए राष्ट्रपति ने कहा कि शांति स्थापना मिशन में महिलाओं की मौजूदगी इसे और अधिक विविधतापूर्ण और समावेशी बनाती है। महिला शांति रक्षकों की अक्सर स्थानीय समुदायों तक बेहतर पहुंच होती है और वे महिलाओं और बच्चों के लिए रोल मॉडल के रूप में काम कर सकती हैं। वे लिंग आधारित हिंसा से निपटने, विश्वास बनाने और संवाद को बढ़ावा देने के लिए बेहतर ढंग से सुसज्जित हैं। राष्ट्रपति ने कहा कि महिला कर्मियों के उच्च प्रतिशत वाले शांति मिशन हिंसा को कम करने और दीर्घकालिक शांति समझौते हासिल करने में अधिक प्रभावी रहे हैं। इसलिए यह आवश्यक है कि हम संयुक्त राष्ट्र शांति मिशनों में अधिक महिलाओं को शामिल करें। राष्ट्रपति ने संयुक्त राष्ट्र शांति स्थापना में भारत के योगदान के गौरवशाली इतिहास को याद किया, जिसमें 2,90,000 से अधिक भारतीय शांति सैनिकों ने 50 से अधिक संयुक्त राष्ट्र शांति मिशनों में सेवा की है। आज, अंतरराष्ट्रीय शांति और सुरक्षा के लिए, अक्सर प्रतिकूल परिस्थितियों में तैनात 9 सक्रिय मिशनों में 5000 से अधिक भारतीय शांति सैनिक हैं। उन्हें यह जानकर खुशी हुई कि भारतीय महिला शांति सैनिक कर्तव्य की पुकार में सबसे आगे रही हैं। आज छह चल रहे संयुक्त राष्ट्र मिशनों में 154 से अधिक भारतीय महिला शांति सैनिक तैनात हैं। 1960 के दशक में कांगो से लेकर 2007 में लाइबेरिया में पुलिसिंग तक, हमारी महिला शांति सैनिकों ने व्यावसायिकता और आचरण की उच्चतम परंपराओं का प्रदर्शन किया है।

महिला शांति सैनिक नई दिल्ली में शांति स्थापना में महिलाएं: वैश्विक दक्षिण का परिप्रेक्ष्य विषय पर आयोजित सम्मेलन में भाग लेने के लिए आई हैं। इस सम्मेलन का आयोजन भारत सरकार के विदेश मंत्रालय द्वारा रक्षा मंत्रालय और संयुक्त राष्ट्र शांति स्थापना केंद्र, नई दिल्ली के साथ साझेदारी में किया जा रहा है। इस सम्मेलन का उद्देश्य वैश्विक दक्षिण की महिला अधिकारियों को एक साथ लाना है ताकि शांति स्थापना के लिए समकालीन प्रासंगिकता के मुद्दों और शांति स्थापना मिशनों के सामने आने वाली विभिन्न चुनौतियों पर चर्चा की जा सके।

पीडीपी ने जम्मू-कश्मीर विधानसभा की प्रक्रिया के नियमों को जारी करने में देरी पर चिंता जताई

श्रीनगर, (हि.स.)। पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) ने जम्मू-कश्मीर विधानसभा की प्रक्रिया के नियमों को जारी करने में देरी पर चिंता जताई है। पार्टी ने यह भी कहा कि वह अस्थायी मजदूरों के नियमितीकरण सहित तीन विधेयक पेश करेगी। एक्स के माध्यम से एक पोस्ट में पीडीपी की युवा शाखा ने कहा कि जम्मू-कश्मीर विधानसभा में प्रक्रिया और व्यवसाय के संचालन के नियमों को पढ़कर खुशी होती लेकिन स्पीकर ने अभी तक इसे जारी नहीं किया है यहां तक कि निर्वाचित विधायकों को भी नहीं। एक अन्य ट्वीट में पार्टी ने कहा कि वह विधानसभा में तीन विधेयक पेश करेगी। पार्टी ने कहा कि वह अस्थायी मजदूरों के नियमितीकरण के अलावा शराबबंदी और भूमिहीन लोगों को भूमि स्वामित्व देने के लिए भी विधेयक लाएगी। शराबबंदी विधेयक को लेकर पार्टी खास तौर पर मुखर है। पार्टी नेता इल्तिजा मुफ्ती ने पहले कहा था कि शराब और ड्रग्स जम्मू-कश्मीर में जीवन और परिवारों को बर्बाद कर रहे हैं और हमें बहुत देर होने से पहले इसे खत्म करने के लिए एक साथ आना चाहिए।

कुपवाड़ा से पीडीपी विधायक फैयाज अहमद मीर द्वारा प्रस्तावित विधेयक में जम्मू-कश्मीर में मादक पेय पदार्थों के विज्ञापन, बिक्री, खरीद, खपत और निर्माण पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने की मांग की गई है। नियमों में देरी को लेकर पीडीपी की आलोचना उस दिन भी हुई जब स्पीकर अब्दुल रहीम राथर ने कुछ विधायकों द्वारा विधानसभा में पेश किए गए नोटिसों को प्रचारित करने पर नाराजगी जताई। इस संबंध में विधानसभा द्वारा जारी एक विज्ञप्ति में कहा गया है कि अध्यक्ष ने कहा है कि संसदीय परंपरा उपयोग और स्थापित परंपरा तथा इस सदन के प्रचलित नियमों के अनुसार सदन की कार्यवाही से जुड़े प्रश्नों विधेयकों प्रस्तावों और अन्य समान मामलों की सूचनाओं को अनुचित प्रचार देना अनुचित है।

दिल्ली विधानसभा - मंत्री विधायकों ने ली सदस्यता की शपथ, विजेन्द्र गुप्ता बने अध्यक्ष

अजय त्यागी

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सरकार बनने का बाद आज से नवनिर्वाचित दिल्ली विधानसभा का तीन दिवसीय सत्र शुरू हुआ। आठवीं विधानसभा के पहले सत्र के पहले दिन आज मुख्यमंत्री, मंत्रियों एवं नवनिर्वाचित विधायकों ने सदस्यता की शपथ ली। शपथ ग्रहण के बाद सर्वसम्मति से वरिष्ठ भाजपा नेता विजेन्द्र गुप्ता को दिल्ली विधानसभा का अध्यक्ष निर्वाचित किया गया। विधानसभा सत्र के शुरू होने से उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने प्रोटेम स्पीकर के तौर पर वरिष्ठ भाजपा विधायक अरविंदर सिंह लवली को शपथ दिलाई। इसके बाद विधानसभा में अरविंदर सिंह लवली ने एक-एक कर मुख्यमंत्री, मंत्रियों और विधायकों को सदस्यता की शपथ दिलाई। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने सबसे पहले शपथ ली। इसके बाद उनके छह कैबिनेट मंत्रियों प्रवेश वर्मा, आशीष सूद, मनजिंदर सिंह सिरसा, रविंदर इंद्राज सिंह, कपिल मिश्रा और पंकज कुमार सिंह ने शपथ ली। इसके शेष सभी विधायकों ने क्रमानुसार शपथ ली। शपथ ग्रहण के बाद सदन की कार्यवाही दोबारा शुरू होने पर दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने विजेन्द्र गुप्ता को सदन का अध्यक्ष बनाए जाने का प्रस्ताव रखा। इस प्रस्ताव का मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा और अन्य सदस्यों ने समर्थन किया। विजेन्द्र गुप्ता के अलावा किसी अन्य का अध्यक्ष बनाने का प्रस्ताव नहीं आया। इसके बाद प्रस्ताव पर सदन की सहमति ली गई और उन्हें अध्यक्ष निर्वाचित घोषित किया गया। अध्यक्ष चुने जाने के बाद परंपरागत तौर पर सत्ता पक्ष और विपक्ष के नेता यानी मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता और आम आदमी पार्टी की नेता आतिशी ने निर्वाचित अध्यक्ष को विधानसभा अध्यक्ष के आसन तक पहुंचाया। इसके बाद कुछ विधानसभा सदस्यों ने विजेन्द्र गुप्ता को अध्यक्ष बनाए जाने के बधाई प्रस्ताव पर अपना पक्ष रखा। मुख्यमंत्री ने उनके नेतृत्व की प्रशंसा की। इसके बाद नेता विपक्ष की आतिशी ने भी उनके तीन कार्यकाल के दौरान उनके व्यवहार की प्रशंसा की और उन्हें बधाई दी। इसी बीच बधाई प्रस्ताव पर चर्चा के दौरान विपक्षी नेता आतिशी ने मुख्यमंत्री कार्यालय से बाबा साहेब भीम राव आम्बेडकर और सरदार भगत सिंह के चित्र हटाए जाने का मुद्दा उठाया। उन्होंने इसे दलित और सिख विरोधी बताया। विधानसभा अध्यक्ष विजेन्द्र गुप्ता ने उन्हें रोककर निंदा करते हुए कहा कि बधाई प्रस्ताव के दौरान इस तरह की राजनीति नहीं होनी चाहिए। इसी बीच हंगामा जारी रहने पर सदन की कार्यवाही को 15 मिनट के लिए स्थगित करना पड़ा। दोबारा शुरू होने पर भी विपक्ष के नेताओं का विरोध जारी रहा है। इसी बीच कार्यवाही को दिनभर के लिए स्थगित कर दिया गया। उल्लेखनीय है कि मंगलवार को विधानसभा में सुबह उपराज्यपाल का अभिभाषण होगा और बाद में सीएजी रिपोर्ट विधानसभा के पटल पर पेश की जाएगी।

सुरक्षाबलों ने पुंछ में नियंत्रण रेखा के पास कई स्थानों पर चलाया तलाशी अभियान

पुंछ, (हि.स.)। सुरक्षाबलों ने सोमवार को जम्मू-कश्मीर के पुंछ जिले में नियंत्रण रेखा के पास कई स्थानों पर तलाशी अभियान चलाया, ताकि उन आतंकवादियों को मार गिराया या पकड़ा जा सके, जो पिछले साल सीमा पार से इस तरफ घुसने में कामयाब रहे हैं। माना जाता है कि वे ऊंचे इलाकों में घने जंगलों में छिपे हुए हैं। अधिकारियों ने बताया कि संदिग्ध गतिविधि की सूचना मिलने पर स्थानीय पुलिस के विशेष अभियान समूह और केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल के जवानों ने गुरसाई में फमरनार, कीकर मोड़, जबदान गली और हरनी तथा मेंढर में ब्रेला और कस्बालारी और सुरनकोट में बाफलियाज जंगल की संयुक्त रूप से घेराबंदी की। उन्होंने बताया कि अंतिम रिपोर्ट मिलने तक तलाशी अभियान जारी था।

बंगाल राशन घोटाला : ईडी ने दायर की नई पूरक चार्जशीट

कोलकाता, (हि.स.)। पश्चिम बंगाल में करोड़ों रुपये के राशन वितरण घोटाले से जुड़े मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने सोमवार को एक नई पूरक चार्जशीट दाखिल की है। ईडी ने यह पांचवीं पूरक चार्जशीट कोलकाता स्थित धनशोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) की विशेष अदालत में पेश की है। सूत्रों के अनुसार, इस चार्जशीट में ईडी अधिकारियों ने पूर्व खाद्य एवं आपूर्ति मंत्री ज्योतिप्रिय मल्लिक के निजी चार्टर्ड अकाउंटेंट शांतनु भट्टाचार्य का नाम शामिल किया है। ज्योतिप्रिय मल्लिक को ईडी ने दो साल पहले इस घोटाले में गिरफ्तार किया था। हालांकि, पिछले महीने उन्हें विशेष पीएमएलए अदालत ने जमानत दे दी थी। ईडी की इस पांचवीं पूरक चार्जशीट में दो अन्य व्यक्तियों, सुब्रत घोष और हितेश चंदक का भी नाम शामिल है, जो दोनों चावल मिल के मालिक हैं। ईडी अधिकारियों ने चार्जशीट में विस्तार से बताया है कि कैसे इस घोटाले से अर्जित अवैध धन को आरोपियों के बैंक खातों के माध्यम से घुमाया गया। पहले भी ईडी अधिकारियों ने दावा किया था कि शांतनु भट्टाचार्य मुख्य रूप से पूर्व मंत्री के वित्तीय लेनदेन में हेरफेर करने में शामिल थे।

अब नई चार्जशीट में इस संबंध में विस्तृत जानकारी दी गई है। गौरतलब है कि इस महीने की शुरूआत में ईडी अधिकारियों ने इस मामले में पश्चिम बंगाल के तीन स्थानों–हावड़ा जिले के श्यामपुर और जगतबल्लभपुर तथा दक्षिण 24 परगना जिले के संतोषपुर में छापेमारी की थी। इनमें से एक स्थान एक स्थानीय व्यवसायी का घर था, जो एक सहकारी समिति का प्रभारी भी था। यह समिति किसानों से अनाज खरीदने का काम करती थी। ईडी की जांच में कई ऐसी सहकारी समितियां संदेह के घेरे में आई हैं, जो दोहरे लाभ के लिए काम कर रही थीं। पहला तरीका यह था कि वे किसानों से न्यूनतम समर्थन मूल्य से भी कम कीमत पर अनाज खरीदती थीं। दूसरा तरीका यह था कि वे इस अनाज का एक हिस्सा खुले बाजार में ऊंचे दामों पर बेच देती थीं, बजाय इसे राज्य सरकार के खाद्य एवं आपूर्ति विभाग को सार्वजनिक वितरण प्रणाली के तहत आपूर्ति करने के।

रक्षा मंत्रालय ने तेजस एमके-1ए का उत्पादन सुचारू करने के लिए बनाई कमेटी

- पांच सदस्यीय समिति एक माह में एलसीए कार्यक्रम में बाधाओं की पहचान करके करेगी सिफारिश

नई दिल्ली, (हि.स.)। बेंगलुरु में 'एयरो इंडिया' के दौरान वायु सेना प्रमुख की नाराजगी के बाद स्वदेशी हल्के लड़ाकू विमान (एलसीए) तेजस एमके-1ए का उत्पादन सुचारू करने के लिए रक्षा मंत्रालय ने एक कमेटी का गठन किया है। रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह की अध्यक्षता में बनी यह समिति एलसीए के उत्पादन में निजी क्षेत्र की भागीदारी बढ़ाने के मुद्दे पर काम करेगी, क्योंकि सरकार वायु सेना के लड़ाकू स्क्वाड्रनों को बढ़ावा देना चाहती है। पांच सदस्यीय समिति को एलसीए कार्यक्रम में बाधाओं की पहचान करने और उत्पादन में तेजी लाने के उपायों की सिफारिश करने का काम सौंपा गया है। दरअसल, वायु सेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल एपी सिंह ने बेंगलुरु में 'एयरो इंडिया' के दौरान एलसीए विमान की आपूर्ति में देरी को लेकर नाराजगी जताई थी। बेंगलुरु में एक विमान का निरीक्षण करते समय एयर चीफ को हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड के अधिकारियों से यह कहते हुए सुना गया था कि उन्हें सरकारी एयरोस्पेस कंपनी पर 'कोई भरोसा नहीं' है। एक वीडियो में एपी सिंह को यह कहते हुए सुना गया, "मैं आपको केवल यह बता सकता हूं कि हमारी आवश्यकताएं और हमारी चिंताएं क्या हैं। फिलहाल, मुझे एचएएल पर भरोसा नहीं है, जो बहुत गलत बात है।" इसी के बाद रक्षा मंत्रालय ने स्वदेशी हल्के लड़ाकू विमान (एलसीए) एमके-1ए के उत्पादन और आपूर्ति में देरी को दूर करने के लिए एक उच्चस्तरीय समिति का गठन किया है। परिचालन स्क्वाड्रनों की संख्या में लगातार गिरावट को लेकर चिंताओं के बीच भारतीय वायुसेना अपने लड़ाकू जेट बेड़े को मजबूत करना चाहती है।रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह की अध्यक्षता वाली पांच सदस्यीय समिति को एलसीए कार्यक्रम में बाधाओं की पहचान करने और उत्पादन में तेजी लाने के उपायों की सिफारिश करने का काम सौंपा गया है। उच्चस्तरीय समिति को लड़ाकू जेट बनाने में निजी क्षेत्र की भूमिका बढ़ाने की भी जिम्मेदारी दी गई है। अधिकारियों ने बताया कि समिति को अपनी रिपोर्ट सौंपने के लिए एक महीने की समयसीमा दी गई है। समीक्षा में विमान निर्माण में निजी क्षेत्र की भागीदारी बढ़ाने के तरीकों की खोज की जाएगी, ताकि डिलीवरी में तेजी लाई जा सके। वायु सेना अगले दशक और उसके बाद एमके-1, एमके-1ए और एमके-2 सहित लगभग 350 एलसीए वेरिएंट संचालित किए जाने की उम्मीद है। एलसीए कार्यक्रम सरकार की 'आत्मनिर्भर भारत' पहल के तहत रक्षा निर्माण में आत्मनिर्भरता का प्रयास है। समिति की सिफारिशों से भारतीय वायुसेना की परिचालन आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए समय पर डिलीवरी सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने की उम्मीद है।

प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में मप्र सरकार विकास में लगातार बढ़ रही आगे : मुख्यमंत्री मोहन यादव

- मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट को किया संबोधित

भोपाल, (हि.स.)। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल के इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मानव संग्रहालय में सोमवार से दो दिवसीय ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट-2025 का शुभारंभ हो गया है। समिट को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि भोपाल देश की स्वच्छतम राजधानियों में से एक है। यहां आप सभी का स्वागत है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में प्रदेश सरकार विकास में लगातार आगे बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने सबका साथ, सबका विकास सबका विश्वास की अवधारणा दी है। जो दशार्ता है हर क्षेत्र में विकास की असीम संभावनाएं हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि भविष्य में निवेश की बड़ी संभावनाओं के साथ प्रदेश सरकार केंद्र के साथ कदम से कदम मिलाकर चल रही है। पर्यटन के सेक्टर में यहां का ईको सिस्टम भी पर्यटकों को आकर्षित कर रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि भोपाल की पहचान गैस त्रासदी से होती थी। आज के बाद भोपाल ग्लोबल रूप से नई पहचान बनाने जा रहा है। मध्य प्रदेश में संपदा भरपूर है। हमने पांच वर्ष में अर्थव्यवस्था को दोगुना करने का लक्ष्य रखा है।

पर्यटन के क्षेत्र में अपार संभावनाएं - मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि एक वर्ष पूर्व औद्योगिक विकास की यात्रा रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव प्रारंभ की। मुंबई, कोयंबटूर, दिल्ली में कार्यक्रम किए। निवेश नीति पर हम काम कर रहे हैं। 18 नई नीतियां लेकर आए हैं। नियम प्रक्रियाओं को सरल बनाया गया है। 2025 को उद्योग एवं रोजगार वर्ष बना रहे हैं। प्रदेश में निवेश के लिए बहुत सकारात्मक वातावरण है। नए औद्योगिक पार्क बना रहे हैं। पर्यटन के क्षेत्र में अपार संभावनाएं हैं।

मप्र की 11 विशेषताओं का डिजिटल अनुभव - ग्लोबल इन्वेस्टर समिट में पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के सपने को साकार करती मध्य प्रदेश की नदी जोड़ो परियोजना, धार का पीएम मित्र पार्क और कूनो में चीतों के कुनबा सहित प्रदेश की 11 विशेषताओं का डिजिटल अनुभव किया जा सकेगा। जीआईएस में सात विभागीय सम्मेलन होंगे, जिनमें आईटी प्रौद्योगिक, नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा, पर्यरण, खनन, एमएसएमई, स्टार्टअप, नगरीय विकास और प्रवासी महाकुंभ होगा। जीआईएस के लिए 31,659 पंजीयन हुए है।

राजस्थान विधानसभा में गतिरोध बरकरार निलंबित विधायकों की बहाली पर अनिश्चितता

जयपुर (हिंस)। राजस्थान विधानसभा में सरकार और विपक्ष के बीच बीते चार दिनों से जारी गतिरोध बरकरार है, निलंबित कांग्रेस विधायकों की बहाली को लेकर विवाद एक बार फिर गहरा गया है। निलंबित किए गए सभी छह कांग्रेस विधायक अब भी सदन से बाहर हैं, जबकि कांग्रेस विधायकों की नारेबाजी के बीच बजट पर चर्चा प्रारंभ हो गई है। इससे पूर्व, सरकार और विपक्ष के बीच गतिरोध समाप्त होने की सहमति बन चुकी थी, और निलंबित विधायकों की बहाली का रास्ता भी लगभग साफ हो गया था। हालांकि इसके पश्चात माफी मांगने के मुद्दे पर मतभेद उभर आए। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने घटनाक्रम पर खेद तो व्यक्त किया, किंतु व्यक्तिगत रूप से माफी मांगने से इंकार कर दिया। इस पर

विधानसभा अध्यक्ष ने उनसे आग्रह किया कि वे सदन की गरिमा को बनाए रखते हुए अपनी टेबल तक पहुंचने की घटना पर खेद जताएं। किंतु, डोटासरा ने पहले मंत्री से माफी मंगवाने की शर्त रख दी, जिससे स्थिति पुन: जटिल हो गई। नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने इस पूरे घटनाक्रम पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि सदन में जो कुछ भी हुआ, वह नहीं होना चाहिए था। उन्होंने पक्ष और विपक्ष से अपील की कि वे एकजुट होकर राजस्थान के विकास पर चर्चा करें। उन्होंने यह भी कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी पर की गई टिप्पणी के कारण उत्पन्न गतिरोध अब समाप्त किया जाना चाहिए। संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल ने विधानसभा अध्यक्ष से अनुरोध किया कि वे इस गतिरोध को समाप्त करने में पहल करें। वहीं गोविंद सिंह डोटासरा ने कहा कि गतिरोध को समाप्त करने के लिए अध्यक्ष ने व्यापक उदारता का परिचय दिया है। गौरतलब है कि 21 फरवरी को विधानसभा में प्रश्नकाल के दौरान सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री अविनाश गहलोत की एक टिप्पणी के विरोध में कांग्रेस विधायकों ने वेल में आकर प्रदर्शन किया था। अविनाश गहलोत ने अपने उत्तर में कहा था कि वर्ष 2023-24 में एक योजना का नाम पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के नाम पर रखा गया था। इस टिप्पणी को लेकर कांग्रेस विधायकों ने कड़ी आपत्ति जताई और विरोध प्रदर्शन किया। संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल ने स्थिति को स्पष्ट करते हुए कहा था कि *दादी* शब्द सम्मानसूचक है, किंतु उनके बयान के दौरान ही हंगामा और बढ़ गया। कांग्रेस विधायक इस दौरान स्पीकर की टेबल तक पहुंच गए, जिसके कारण सदन की कार्रवाई को आधे घंटे के लिए स्थगित करना पड़ा। इस मुद्दे पर जारी गतिरोध के कारण सदन की कार्रवाई चार बार स्थगित करनी पड़ी। बाद में मुख्य सचेतक जोगेश्वर गर्ग ने कांग्रेस विधायकों के निलंबन का प्रस्ताव सदन में रखा, जिसे स्पीकर वासुदेव देवनानी ने स्वीकार कर लिया। इसके तहत गोविंद सिंह डोटासरा, उप नेता प्रतिपक्ष रामकेश मीणा, अमीन कागजी, जाकिर हुसैन गैसावत, हाकम अली खान और संजय कुमार को बजट सत्र की शेष अवधि के लिए निलंबित कर दिया गया।

बीकानेर के 20 गांवों के किसानों ने हिसार में लिया मशरूम का प्रशिक्षण

हिसार (हिंस)। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी, प्रशिक्षण एवं शिक्षा संस्थान में प्रदेश व देशभर के किसानों को आत्मनिर्भर बनाने तथा उनकी आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ करने के लिए प्रशिक्षण दिए जा रहे हैं। इन प्रशिक्षण कार्यक्रमों से प्रतिभागी लाभान्वित हो रहे हैं। इसी कड़ी में राजस्थान के बीकानेर जिले के किसानों के लिए पांच दिवसीय मशरूम उत्पादन पर प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. बलवान सिंह मंडल ने सोमवार को बताया कि यह प्रशिक्षण राजस्थान सरकार के कृषि विभाग की आत्मा स्कीम के तहत विश्वविद्यालय में आयोजित किया गया। प्रशिक्षण में बीकानेर जिले के 20 गांवों के 36 किसानों ने भाग लिया। मशरूम उत्पादन एक पर्यावरण अनुकूल प्रक्रिया होने के साथ-साथ युवाओं एवं किसानों की आमदनी बढ़ाने और खाद्य सुरक्षा का एक बेहतर विकल्प है। मशरूम एक ऐसा व्यवसाय है जिसे भूमिहीन युवा एवं किसान कम लागत से स्वरोजगार के रूप में स्थापित कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि मशरूम उत्पादन के अलावा इसके प्रसंस्करण, मूल्य संवर्धित उत्पाद तैयार करने से भी अच्छी आमदनी प्राप्त की जा सकती है। संस्थान के सह-निदेशक डॉ. अशोक कुमार गोदारा ने बताया कि मशरूम एक संतुलित आहार है जिसमें विभिन्न प्रकार के खनिज, विटामिन, अमीनो एसिड्स, प्रोटीन प्रचुर मात्रा में उपलब्ध होने के साथ-साथ कई तरह के औषधीय गुण भी मौजूद

होते हैं। मुख्य अतिथि ने सभी प्रशिक्षणार्थियों को प्रमाण-पत्र प्रदान किए। प्रशिक्षण के संयोजक डॉ. सतीश कुमार मेहता ने बताया कि वर्ष 2023-24 में राजस्थान 21 हजार 440 मीट्रिक टन मशरूम उत्पादन करके आठवें स्थान पर रहा। प्रशिक्षण के दौरान किसानों को बटन, ढींगरि, दूधिया, शीटाके, कीड़ा-जड़ी, गेनोडर्मा मशरूम की उत्पादन विधि, प्रसंस्करण जैसे कैनिंग, आचारीकरण आदि विभिन्न मशरूम उत्पाद का आर्थिक विशेषण, जैविक-अजैविक समस्याओं के अलावा इनकी मार्केटिंग के बारे में भी विस्तार से जानकारी दी गई। प्रशिक्षण के दौरान डॉ. अनिल कुमार यादव, डॉ. अनिल वत्स, डॉ. भूपेंद्र, डॉ. कविता दुआ जाधव, डॉ. ओमप्रकाश बिश्नोई, डॉ. विकास कम्बोज, डॉ. राकेश चुघ, डॉ. पवित्रा, डॉ. सरदूल मान, डॉ. जितेंद्र भाटिया, डॉ. अंजू सहरावत ने अलग-अलग विषयों पर मशरूम से संबंधित किसानों को जानकारी दी गई। डॉ. डीके शर्मा ने सभी का धन्यवाद किया।

पंजाब के आंदोलनकारी किसानों ने दिल्ली कूच का फैसला वापस लिया

चंडीगढ़ (हिंस)। पंजाब के शंभू व खनौरी बॉर्डर पर आंदोलन कर रहे किसानों ने मंगलवार को होने वाले दिल्ली कूच का ऐलान फिलहाल वापस ले लिया है। किसान नेता सरवन सिंह पंधेर ने सोमवार को अमृतसर में राज्य सरकार को चेतावनी दी है कि किसानों की जमीनों पर जबरदस्ती कब्जे न करें। उन्हें उचित मुआवजा दें। अभी हमारा ध्यान केंद्र की तरफ है। पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने कहा कि अगर किसी भी जिले में जबरदस्ती जमीन अधिग्रहित की गई तो पंजाब सरकार की नाक में दम कर देंगे। सरवन सिंह पंधेर ने सरकार से सोमवार को शुरू हुए सत्र को लंबा करने की मांग भी रखी। उन्होंने कहा कि विदेश से लौटे युवाओं को गलत तरीकों से बाहर भेजने वाले एजेंटों के खिलाफ, नशे के खिलाफ और पंजाब के अन्य मुद्दों को लेकर चर्चा की जाए। इसके साथ ही सीएम भगवंत मान के समक्ष मांग रखी कि उनकी 12 मांगों को लेकर सत्र में पास करके केंद्र को भेजा जाए। इस दौरान मंडी प्राइवेटाइजेशन को लेकर केंद्र में पास किये गए बिल के खिलाफ भी मत पास कर केंद्र को भेजकर मंडियों को प्राइवेट हाथों में जाने से रोका जाए।

प्रताप बाजवा का दावा, आपा के कई विधायक कांग्रेस के संपर्क में

चंडीगढ़ (हिंस)। पंजाब विधानसभा में सोमवार को दो दिवसीय सत्र शुरू हुआ। सत्र में कांग्रेस व आम आदमी पार्टी के बयानबाजी का दौर तेज हो गया। नेता प्रतिपक्ष प्रताप बाजवा ने दावा किया कि आम आदमी पार्टी के कई विधायक कांग्रेस के संपर्क में हैं। इस पर आम आदमी पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष एवं कैबिनेट मंत्री अमन अरोड़ा ने कहा कि प्रताप बाजवा जल्द भारतीय जनता पार्टी में शामिल हो सकते हैं। सदन की कार्रवाई शुरू होने से पहले प्रताप बाजवा ने कहा कि जैसे दिलजीत के शो की टिकटें एडवांस में बुक हो जाती हैं, ऐसे ही कांग्रेस के पास भी आआपा के विधायकों की बुकिंग चल रही है। आप के कई विधायक कांग्रेस के साथ अपना भविष्य देख रहे हैं। इस पर पलटवार करते हुए आम आदमी पार्टी के पंजाब प्रधान अमन अरोड़ा ने कहा कि बाजवा का भाजपा में शामिल होना लगभग तय है। उन्होंने भाजपा में अपनी एडवांस बुकिंग करा ली है। अरोड़ा ने कहा कि वह राहुल गांधी से कहना चाहते हैं कि वह प्रताप बाजवा से पूछें कि कुछ दिन पहले जब वह बेंगलुरू गए थे, तो उन्होंने क्या किया और बाजवा ने भाजपा के किन बड़े नेताओं से मुलाकात की। आम आदमी पार्टी के प्रवक्ता नील गर्ग ने कहा कि प्रताप सिंह बाजवा 12 सीढ़ियां चढ़ चुके हैं और अब सिर्फ दरवाजा खोलना बाकी रह गया है। गर्ग ने दावा किया कि प्रताप सिंह बाजवा बीते दिनों बेंगलुरू होकर आए हैं, जहां पर उन्होंने बीजेपी के नेताओं के साथ मुलाकात भी की थी।

पंजाब विधानसभा में पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह को दी गई श्रद्धांजलि

चंडीगढ़ (हिंस)। पंजाब विधानसभा का विशेष दो दिवसीय सत्र सोमवार को शुरू हुआ। सत्र का प्रारंभ पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह समेत कई दिवंगत नेताओं को श्रद्धांजलि दी गई। इस दौरान विपक्षी दल कांग्रेस ने मनमोहन सिंह को भारत रत्न दिए जाने का प्रस्ताव पारित करने की मांग की। विधानसभा की कार्रवाई शुरू होते ही स्पीकर कुलतार सिंह संधवां ने पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह, लुधियाना के पूर्व विधायक गुरप्रीत सिंह गोगी, पूर्व विधायक धर्मपाल सभरवाल, अजैब सिंह मुखमैलपुर, एचएस हंसपाल, जोगिंदरपाल जैन, सुखविंदर सिंह बुट्टर, जरनैल सिंह चित्रकार समेत कई दिवंगतों को श्रद्धांजलि दी। नेता प्रतिपक्ष प्रताप सिंह बाजवा ने कहा कि सदन की यह परंपरा रही है कि स्पीकर के बाद सदन के नेता और नेता प्रतिपक्ष दिवंगतों को श्रद्धांजलि देते हैं लेकिन आज सदन में ऐसा नहीं हुआ है। भविष्य में इसका ख्याल रखा जाए। नेता प्रतिपक्ष ने पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह को पंजाब से जोड़ते हुए कहा कि सदन में सर्वसम्मति से प्रस्ताव पारित करके केंद्र सरकार से मांग की जाए कि मनमोहन सिंह को भारत रत्न से अलंकृत किया जाए।

पंजाब में कोरोना काल में लगे 41 आक्सीजन प्लांट बंद

विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष ने उठाया मुद्दा

चंडीगढ़ (हिंस)। पंजाब में कोरोना काल के दौरान लगाए गए आक्सीजन प्लांट के मुद्दे पर नेता प्रतिपक्ष प्रताप बाजवा ने आम आदमी पार्टी की सरकार को घेरा। प्रताप बाजवा ने सोमवार को सदन में प्रश्नकाल के दौरान गुरदासपुर में लगाए गए आक्सीजन प्लांट का मुद्दा उठाया। जिसके लिए उन्होंने बतौर सांसद एक करोड़ से अधिक की राशि दी थी। बाजवा ने जब यह मुद्दा उठाया तो स्पीकर कुलतार सिंह संधवा ने भी फरीदकोट अस्पताल में लगाए गए आक्सीजन प्लांट के बंद होने की बात कही। इसके जवाब में स्वास्थ्य मंत्री बलबीर सिंह ने कहा कि प्रदेश में 41 आक्सीजन प्लांट बंद पड़े हुए हैं। इन प्लांट में आक्सीजन गुणवत्ता 95 प्रतिशत तक ही है। अब सरकार लिक्विड आक्सीजन की आपूर्ति की तरफ ध्यान दे रही है। उन्होंने बाजवा के सवाल के जवाब में कहा कि मार्च माह तक यह प्लांट चालू कर दिया जाएगा। विधानसभा में विधायक हमरीत सिंह पठानमाजरा ने सरकारी स्कूलों को बिजली फ्री देने का मुद्दा उठाया। बिजली मंत्री हरभजन सिंह ईटीओ ने कहा कि स्कूलों को मुफ्त बिजली देने की कोई योजना नहीं है। इस सवाल के जवाब में नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री अमन अरोड़ा ने हस्तक्षेप करते हुए कहा कि प्रदेश सरकार अभी तक 4200 स्कूलों में सोलर प्लांट लगा चुकी है, जबकि 2400 स्कूलों पर काम चल रहा है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में कुल 19 हजार 110 स्कूलों समेत 53 हजार इमारतों में सोलर एनर्जी से बिजली पहुंचाने में लगे हैं। लोगों को किसी तरह की दिक्कत नहीं उठानी है। दो साल में सभी स्कूल सोलर एनर्जी से रोशन होंगे। शिरोमणि अकाली दल के विधायक मनप्रीत अयाली ने सीएनजी प्लांटों का मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा कि कमेटी बनाकर इस मामले का हल किया जाए। इसी मामले को विधायक सुखविंदर कोटली ने भी उठाया। उन्होंने कहा कि आजकल बहुत प्रेशर पुलिस व प्रशासन की तरफ से बनाया जा रहा है। जबकि यह मामला गंभीर है। इस मौके आमदन सर्टिफिकेट से जुड़े एक मुद्दे पर कैबिनेट मंत्री अमन अरोड़ा ने सदन से ही अधिकारियों को नसीहत दी कि सरकारी सीटों पर बैठकर लोगों को गुमराह न करें।

हरियाणा सरकार किसान कल्याण में अग्रणी : सुमित्रा चौहान

सोनीपत (हिंस)। हरियाणा राज्य समाज कल्याण बोर्ड की चेयरपर्सन सुमित्रा चौहान ने कहा कि हरियाणा का किसान देश में सबसे खुशहाल है। मुख्यमंत्री नायब सैनी के नेतृत्व में हरियाणा सरकार किसानों के कल्याण के लिए अनेक योजनाएं चला रही है। सोमवार को उन्होंने कहा कि हरियाणा देश का एकमात्र राज्य है जहां 24 फसलों की न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर खरीद की जा रही है, जिससे किसान निरंतर खुशहाली की ओर अग्रसर हैं। गोहाना के सेक्टर-7 स्थित कम्युनिटी हॉल में आयोजित किसान सम्मान समारोह का शुभारंभ सुमित्रा चौहान ने मुख्य अतिथि के रूप में किया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना

किसानों के लिए अत्यंत लाभकारी है। माध्यम से छोटे और सीमांत किसानों को आर्थिक सुदृढ़ता मिली है। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बिहार में आयोजित कार्यक्रम में इस योजना की 19वीं किस्त जारी की, जिसके लिए उन्होंने प्रधानमंत्री को धन्यवाद दिया। सुमित्रा चौहान ने इस योजना को क्रांतिकारी बताते हुए कहा कि इसके तहत पात्र किसानों को प्रति वर्ष तीन किस्तों में 6000 रुपए सीधे उनके बैंक खातों में जमा किए जाते हैं। केंद्र और राज्य सरकारों ने गरीब, किसान और मजदूर वर्ग के लिए कई कल्याणकारी योजनाएं लागू की हैं, जिससे इन्हें प्रत्यक्ष लाभ मिला है। भाजपा जिलाध्यक्ष जसबीर दोदवा ने कहा कि किसानों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। खाद और बीज उधार नहीं लेना पड़ता। चार महीने की एक किस्त सीधे किसानों के बैंक खातों में डाली जा रही है।

केंद्रीय मंत्री अर्जुनराम मेघवाल ने दुबई में हल्दीराम ग्रुप के पहले अंतर्राष्ट्रीय आउटलेट का किया उद्घाटन

बीकानेर (हिंस)। केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुनराम मेघवाल ने आज दुबई में हल्दीरामग्रुप के रेस्टोरेंट का उद्घाटन किया। दुबई में खुलने वाला ये आउटलेट हल्दीराम ग्रुप का पहला अंतराष्ट्रीय आउटलेट है। इस अवसर पर हल्दीराम ग्रुप के शिवकिशन अग्रवाल, शिवरतन अग्रवाल, मनोहर अग्रवाल, मधु अग्रवाल, राजीव वर्मा, तेजाराम मेघवाल, भाजयुमो महामंत्री पंकज अग्रवाल, रमेश अग्रवाल, राजेंद्र गिदवानी, रवि अग्रवाल, विनोद भोजक के साथ हल्दीराम और बीकाजी परिवार उपस्थित रहा।

किसानों तक शोध, अनुसंधान का लाभ पहुंचाने की कड़ी के रूप में काम करें कृषि विवि : राज्यपाल

बीकानेर (हिंस)। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने कहा कि जनसंख्या लगातार बढ़ रही है, लेकिन कृषि योग्य भूमि सीमित है। इसे ध्यान रखते हुए इनका समुचित उपयोग किया जाना जरूरी है। राज्यपाल बागडे सोमवार को स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय के 21वें दीक्षांत समारोह को संबोधित कर रहे थे। राज्यपाल ने कहा कि देश की आजादी के समय हमारे देश की जनसंख्या और उत्पादन कम था। आज जनसंख्या बढ़ी है और उत्पादन बढ़ा है, लेकिन अब जमीन और पानी सीमित है। इसके मद्देनजर अब इनके समुचित उपयोग की जरूरत है। उन्होंने कहा कि राजस्थान जैसे प्रदेश में पानी की बहुत कमी है। ऐसे में पानी को रोकना बहुत जरूरी है। इससे भूजल स्तर सुधरेगा और भूमि की उर्वरा शक्ति बढ़ेगी। राज्यपाल ने कहा कि कृषि और पशुपालन हमारी आजीविका का आधार रहा है। खेती और पशुपालन का विकास ही राष्ट्र के विकास की धुरी है। राज्यपाल ने कहा कि *हर खेत को पानी, हर हाथ को काम* की अवधारणा को साकार करना आज की सबसे बड़ी जरूरत है। राज्यपाल ने कहा कि डिग्री प्राप्त करने

वाले कृषि विद्यार्थियों को शुभकामनाएं दी और कहा कि कृषि विश्वविद्यालय कृषि की नई तकनीकें इजाद करें और किसानों तक इन्हें पहुंचाएं। उन्होंने स्वामी केशवानंद कृषि विश्वविद्यालय द्वारा किए जा रहे नवाचारों की सराहना की। कुलपति डॉ. अरुण कुमार ने स्वागत उद्बोधन दिया। उन्होंने विश्वविद्यालय की उपलब्धियों के बारे में बताया। कुलपति ने कहा कि विश्वविद्यालय द्वारा 40 उन्नत किस्मों, 15 से अधिक नवीनतम कृषि तकनीकों का विकास किया गया है। दीक्षांत अतिथि डॉ. मंगला राय ने कहा कि चने की नई किस्मों पर शोध, बीज उपलब्धता सहित विभिन्न शोध कार्यों के लिए स्वामी केशवानंद विश्विद्यालय के वैज्ञानिक बधाई का पात्र है। कृषि विश्वविद्यालयों को नये शोध और अनुसंधान कार्य करने का आह्वान करते हुए श्री मंगला राय ने कहा कि वैश्विक जनसंख्या की बढ़ती आहार आवश्यकता, घटती खेती योग्य जमीन, उर्वरा शक्ति का क्षरण, पानी की कमी, कृषि लागतों में बढ़ोतरी जैसे विषय भविष्य की गंभीर चुनौतियां होंगी। विशिष्ट अतिथि के रूप में पूर्व कुलपति डॉ. एनएस राठौड़ ने विद्यार्थियों से अपनी दक्षता बढ़ाने के लिए सदैव तत्पर रहने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि वर्तमान और भविष्य की आवश्यकताओं तथा जलवायु परिवर्तन जैसी चुनौतियों को देखते हुए उच्च कृषि शिक्षा की गुणवत्ता बढ़ाने तथा शिक्षण, अनुसंधान के लिए कृषि विश्वविद्यालयों में निवेश बढ़ाने की जरूरत है। दीक्षांत समारोह में राज्यपाल एवं कुलाधिपति द्वारा कृषि संकाय, सामुदायिक विज्ञान संकाय और आईएबीएम के कुल 1480 विद्यार्थियों को उपाधि प्रदान की गई। जिसमें कृषि संकाय के अंतर्गत स्नातक (यूजी) के 1346, स्नातकोत्तर (पीजी) के 114 और विद्या वाचस्पति (पीएचडी) के 20 विद्यार्थी शामिल हैं। उन्होंने 13 विद्यार्थियों को स्वर्ण पदक और 02 विद्यार्थियों को कुलाधिपति स्वर्ण पदक से सम्मानित किया। मानवजीत सिंह को स्नातक बीएससी कृषि में तथा उर्मिला भादू को स्नातकोत्तर (कृषि) में कुलाधिपति पदक से सम्मानित किया गया। राज्यपाल ने भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के पूर्व महानिदेशक एवं कृषि अनुसंधान डॉ. मंगला राय को कृषि के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए राज्यपाल द्वारा डॉक्टर ऑफ साइंस (कृषि) की मानद उपाधि प्रदान की। राज्यपाल द्वारा विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों द्वारा विभिन्न विषयों पर आधारित 9 प्रकाशनों का विमोचन किया गया। स्व. रामनारायण चौधरी कृषि महाविद्यालय, मंडावा के भवन और छात्रावास भवन का किया लोकार्पण इससे पहले राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने पट्टिका का अनावरण कर स्व. रामनारायण चौधरी कृषि महाविद्यालय, मंडावा (झुंझुनू) के महाविद्यालय भवन, छात्रावास भवन का लोकार्पण किया। राज्यपाल ने विश्वविद्यालय परिसर में प्रारम्भ किए गए *आपणो कृषि बाजार* का लोकार्पण भी किया गया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि इस बाजार का किसानों को प्रत्यक्ष लाभ मिलेगा। साथ ही खाद्य प्रसंस्करण और विश्विद्यालय द्वारा उत्पादित प्रोडेक्ट भी आमजन को इस बाजार के माध्यम से आसानी से उपलब्ध हो सकेगे। इस अवसर पर महाराजा गंगासिंह विश्वविद्यालय के कुलपति आचार्य मनोज दीक्षित, संभागीय आयुक्त डॉ. रवि कुमार सुरपुर, जिला कलेक्टर नम्रता वृष्णि और पुलिस अधीक्षक कावेंद्र सागर, विश्वविद्यालय रजिस्ट्रार निकया गोएन, वित्त नियंत्रक पवन कस्वां सहित विश्वविद्यालय के डीन, डायरेक्टर, विद्या परिषद सदस्य सहित अनेक लोग मौजूद रहे।

आईफा 2025 : राजस्थान पर्यटन विभाग ने लांच की पोज लाइक ए स्टार सोशल मीडिया प्रतियोगिता

जोधपुर (हिंस)। ऐतिहासिक धरोहरों और समृद्ध संस्कृति के लिए मशहूर राजस्थान अब भारतीय सिनेमा के उत्सव में नई चमक जोड़ने जा रहा है। आईफा-2025 के तहत राजस्थान पर्यटन विभाग ने रोमांचक सोशल मीडिया प्रतियोगिता पोज लाइक ए स्टार लांच की है, जिसमें भाग लेकर सिनेमा प्रेमियों को आईफा 2025 का टिकट जीतने का सुनहरा अवसर मिलेगा। इस अनूठी प्रतियोगिता में प्रतिभागियों को राजस्थान के किसी प्रसिद्ध किले, महल, गलियों या सांस्कृतिक स्थलों पर बॉलीवुड के किसी प्रसिद्ध दृश्य या पोज को रीक्रिएट करना होगा। इस तस्वीर या वीडियो को अपने इंस्टाग्राम प्रोफाइल पर पोस्ट करना आवश्यक होगा। साथ ही, कैप्शन में रीक्रिएटिंग इंडियन सिनेमा मैजिक इन राजस्थान लिखना होगा। इस प्रतियोगिता में

पांच विजेताओं को आईफा 2025 का टिकट जीतने का अवसर मिलेगा। विजेताओं का चयन उनके पोज की उत्कृष्टता, ऐतिहासिक स्थलों के रचनात्मक उपयोग और सोशल मीडिया पर लाइक्स, कमेंट्स एवं शेयर की संख्या के आधार पर किया जाएगा। राजस्थान, अपनी ऐतिहासिक विरासत और स्वर्णिम रेतीली भूमि के कारण न केवल पर्यटन के लिए बल्कि फिल्म शूटिंग के लिए भी एक आदर्श स्थल है। यहां के भव्य महल, किले और सांस्कृतिक स्थल कई प्रसिद्ध फिल्मों और वेब सीरीज का हिस्सा बन चुके हैं। यह प्रतियोगिता *पोज लाइक ए स्टार* प्रतियोगिता राजस्थान को वैश्विक स्तर पर नई पहचान देने के साथ-साथ भारतीय सिनेमा के प्रशंसकों को जश्न मनाने का अनूठा अवसर प्रदान करेगी।

दो दिवसीय *मेटलेब* कार्यशाला ऑन आर्टिफिशियल

हिसार (हिंस)। गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग विभाग द्वारा डिजाइनटेक सिस्टम्स प्राइवेट लिमिटेड के सहयोग से दो दिवसीय *मेटलेब* कार्यशाला ऑन आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और मशीन लर्निंग (एमएल) का शुभारंभ हुआ। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. नरसी राम बिश्नोई ने सोमवार को कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और मशीन लर्निंग तकनीकों का तेजी से बढ़ता उपयोग तकनीकी क्षेत्र में नए अवसर प्रदान कर रहा है। इस कार्यशाला का उद्देश्य विद्यार्थियों व शोधार्थियों को नवीनतम तकनीकों से अवगत कराना और उन्हें व्यावहारिक ज्ञान से सशक्त बनाना है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि यह कार्यशाला प्रतिभागियों को अपने ज्ञान और कौशल को और अधिक विकसित करने में मदद करेगी। कुलसचिव डॉ. विजय कुमार ने भी कार्यशाला के सफल आयोजन के लिए विभाग को बधाई दी तथा कहा कि यह प्रतियोगिता प्रतिभागियों के लिए अत्यंत उपयोगी सिद्ध होगी। विश्वविद्यालय के कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग विभाग में शुरु हुई इस कार्यशाला में डीन एकेडमिक अफेयर्स प्रो. योगेश चाबा मुख्यातिथि जबकि डीन एफईटी प्रो. संदीप आर्य विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। डिजाइनटेक सिस्टम्स प्राइवेट लिमिटेड के मनोज मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहे। प्रो. योगेश चाबा ने मुख्य रूप से गूगल सर्च इंजन व मेटलेब टूल्स के बारे में बताया। उन्होंने बताया कि मेटलेब आने वाले समय से मुख्य उपकरण के रूप में उपयोग हो रहा है। इससे विद्यार्थियों व शोधार्थियों को शोध के समय में काफी बचत होगी। इससे डाटा का विश्लेषण आसान हो जाएगा। मुख्य वक्ता मनोज ने बताया कि यह कार्यशाला आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और मशीन लर्निंग के महत्वपूर्ण सिद्धांतों को समझने का एक बेहतरीन अवसर प्रदान करेगी, जिसमें मेटलेब टूल्स के माध्यम से व्यावहारिक ज्ञान भी दिया जाएगा।

शिव रात्रि 26 को : संतों और जनप्रतिनिधियों को न्यौता

जोधपुर (हिंस)। हरिओम सत्संग समिति की ओर से 26 फरवरी को महाशिवरात्रि पर शिव बारात निकाली जाएगी। दिव्यांग खींची ने बताया कि समिति की ओर से लगातार 11वें वर्ष शिव बारात निकाली जा रही है। इसकी तैयारियां जोर-शोर से जारी है। आयोजन समिति के पदाधिकारियों ने अध्यक्ष प्रमोद सोलंकी के नेतृत्व में शहर के प्रमुख संतों व जनप्रतिनिधियों को न्यौता दिया। महामंत्री नितिन फूलवानी, वरिष्ठ उपाध्यक्ष डॉ. हितेश जैन, मुकेश शर्मा, हिमांशु लाडनूवाला, संयोजक अनुराग सिंह ने बताया कि इस मौके पर पूर्व जेडीए चेयरमैन महेंद्र सिंह राठौड़ ने शिव बारात संबंधी बैनर का भी विमोचन किया। अध्यक्ष प्रमोद सोलंकी ने बताया कि भव्य व दिव्य शिव बारात को लेकर समिति पदाधिकारी घर-घर जाकर पीले चावल बांट शिव बारात का न्यौता दे रहे हैं। इस मौके संरक्षक प्रदीप सांखला, विजयसिंह परिहार, मदन सैन, पंकज मेहरा, सुरेंद्र प्रजापत, नारायण खत्री, पंकज खींची, अजय मेघवाल, शुभम मेहरा, प्रभात मेहरा, नमन सिंह, भव्यदीप सिंह, अभिषेक सांखला, महेश सोनी, यश चंदेल, रोहित गूंद आदि मौजूद थे।

संपादकीय

पर्यटन परिसर, महज होटल नहीं

हिमाचल पर्यटन विकास निगम को घाटे से उबारने तथा निजी होटलों की प्रतिस्पर्धा में निखारने के लिए तरुण श्रीधर कमेटी की रिपोर्ट पर गौर फरमाएं, तो अपनी क्षमता का सदुपयोग सार्वजनिक क्षेत्र कर सकता है। कमेटी निगम के बोझ को हल्का करने के लिए इसके ट्रांसपोर्ट व इंजीनियरिंग विंग को अलविदा कहने के अलावा आउटसोर्स भर्तियों की नालायकी को भी अव्यावसायिक मान रही है। मोटे तौर पर देखें तो यह 55 सरकारी होटलों के ढर्रे और ढांचे पर सवाल उठा रही है। बेशक कार्यप्रणाली में सुधार के पहले भी प्रयत्न हुए और अब भी श्रीधर कमेटी इस दिशा में अनेक उपायों की सिफारिश कर रही है। समझना यह होगा कि होटल चलाना साधारण व्यवसाय नहीं और न ही यह विभागीय तौर-तरीकों से चल सकते हैं, लिहाजा यहां प्रोफेशनल को विशेष अनुबंध पर नियुक्त करना होगा। सभी होटलों को जगह, सेवा, स्कोप और भविष्य की दृष्टि से वर्गीकृत करते हुए, सैलानियों, सामाजिक और घरेलू मांग के आधार पर विकसित किया जा सकता है। उदाहरण के लिए जोगिंद्रनगर में पर्यटन निगम की संपत्ति को वेडिंग जोन की तरह इस्तेमाल करना चाहिए ताकि वहां वैवाहिक समारोह आयोजित किए जा सकें, लेकिन इसके साथ मार्केटिंग का वर्तमान ढर्रा भी बदलना होगा। एचपीटीडीसी को बड़े भोज में स्थानीय स्तर पर वेंडर्स से तालमेल बनाना होगा। राज्य स्तरीय दृष्टि से अगर प्रदेश के वेंडर्स व रसोइयों का पैनल बनाकर पर्यटन निगम अपनी शहरी संपत्तियां में बड़े आयोजनों की मेहमाननवाजी का सफल किरदार अख्तियार करे, तो कितने परिसर महज होटल नहीं रहेंगे। सरकारी होटलों को अपने काम, प्रदर्शन, व्यवहार और उपयोगिता की कतार बदलनी है। ऐसा क्यों नहीं होता कि प्रदेश के प्रमुख हाईवे या फोरलेन के मध्य एचपीटीडीसी के गार्डन रेस्तरां, फ्लोटिंग रेस्तरां, रिवाल्विंग रेस्तरां व ट्री टॉप रेस्तरां की एक श्रृंखला का विकास किया जाए। निगम अपने स्तर पर कृत्रिम झीलें, घाट व मनोरंजन स्थल विकसित करके रेस्तरां को पिकनिक स्पॉट बना दे। ऊना-चिंतपूर्णी के बीच 'बाम्बे पिकनिक स्पॉट' ने अपने चार दशक के वजूद को उस सडक़ से गुजरते हर सैलानी का डेस्टिनेशन बना दिया, लेकिन एचपीटीडीसी आज तक ऊना, हमीरपुर, मंडी या बैजनाथ से गुजरते पर्यटकों के ठहराव को अपने आतिथ्य में चिन्हित नहीं कर पाया। इस दौरान पर्यटन का सलीका और सैलानियों का वर्ग बदल गया। हिमाचल में युवा पर्यटक सबसे अधिक रुचि के साथ आ रहे हैं, तो उन्हें हॉस्टल या टैंट कालोनियों में जगह चाहिए। ऐसे में ट्रैकिंग, पैराग्लाइडिंग व रिवर राफ्टिंग साइट्स के करीब इस तरह की सुविधाएं बढ़ानी चाहिएं। कई सरकारी होटलों को पर्यटक छात्रावास के रूप में पेश करने की जरूरत है। दूसरी ओर कुछ होटलों को व्यावसायिक जरूरतों के अनुरूप कारपोरेट गतिविधियों के अनुरूप स्तरोन्नत करना होगा। बीबीएन में इस तरह के होटल की जरूरत है, तो राजधानी समेत कुछ बड़े शहरों में भी इसी लक्ष्य से कुछ होटल चिन्हित करने पड़ेंगे। प्रदेश के पांच सबसे अहम पर्यटक स्थलों में स्थित निगम के होटलों को नए अवतार में पेश करने की जरूरत है, तथा हर शहर में बैंक्वेट हाल जोडऩा चाहिए।

मोटे तौर पर देखें तो यह 55 सरकारी होटलों के ढर्रे और ढांचे पर सवाल उठा रही है। बेशक कार्यप्रणाली में सुधार के पहले भी प्रयत्न हुए और अब भी श्रीधर कमेटी इस दिशा में अनेक उपायों की सिफारिश कर रही है। समझना यह होगा कि होटल चलाना साधारण व्यवसाय नहीं और न ही यह विभागीय तौर-तरीकों से चल सकते हैं, लिहाजा यहां प्रोफेशनल को विशेष अनुबंध पर नियुक्त करना होगा। सभी होटलों को जगह, सेवा, स्कोप और भविष्य की दृष्टि से वर्गीकृत करते हुए, सैलानियों, सामाजिक और घरेलू मांग के आधार पर विकसित किया जा सकता है। उदाहरण के लिए जोगिंद्रनगर में पर्यटन निगम की संपत्ति को वेडिंग जोन की तरह इस्तेमाल करना चाहिए ताकि वहां वैवाहिक समारोह आयोजित किए जा सकें, लेकिन इसके साथ मार्केटिंग का वर्तमान ढर्रा भी बदलना होगा। एचपीटीडीसी को बड़े भोज में स्थानीय स्तर पर वेंडर्स से तालमेल बनाना होगा। राज्य स्तरीय दृष्टि से अगर प्रदेश के वेंडर्स व रसोइयों का पैनल बनाकर पर्यटन निगम अपनी शहरी संपत्तियां में बड़े आयोजनों की मेहमाननवाजी का सफल किरदार अख्तियार करे, तो कितने परिसर महज होटल नहीं रहेंगे।

दुनिया में बढ़ती समस्याओं को देखते हुए आज सामाजिक न्याय की जितनी जरूरत है उतनी पहले शायद पहले नहीं थी

सामाजिक न्याय की पिच पर नई सोशल इंजीनियरिंग अपेक्षित

ललित गर्ग

अधिक न्यायसंगत, अधिक समान, अधिक मानवीय समाज बनाने की आवश्यकता की याद दिलाना। इसका उद्देश्य हमें यह पहचानने में मदद करना है कि मनुष्य के रूप में हमने जितनी भी प्रगति की है, उसके बावजूद कई बाधाएं अधिसंख्य लोगों को एक निष्पक्ष एवं समानतापूर्ण जीवन जीने से रोकती हैं। इस दिवस की 2025 की थीम है 'समावेश को सशक्त बनाना : सामाजिक न्याय के लिए अंतराल को पाटना'। थीम प्रणालीगत असमानता को दूर करने में समावेशी नीतियों, निरंतर सीखने और सामाजिक सुरक्षा की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर देती है

विश्व सामाजिक न्याय दिवस सामाजिक न्याय को बढ़ावा देने की आवश्यकता को पहचानने वाला एक अंतरराष्ट्रीय दिवस है, जिसमें गरीबी, लैंगिक असमानता, महंगाई, महिला अत्याचार, बेरोजगारी, मानवाधिकार और सामाजिक सुरक्षा जैसे मुद्दों से निपटने के प्रयास शामिल हैं। अधिक न्यायसंगत, अधिक समान, अधिक मानवीय समाज बनाने की आवश्यकता की याद दिलाना। इसका उद्देश्य हमें यह पहचानने में मदद करना है कि मनुष्य के रूप में हमने जितनी भी प्रगति की है, उसके बावजूद कई बाधाएं अधिसंख्य लोगों को एक निष्पक्ष एवं समानतापूर्ण जीवन जीने से रोकती हैं। इस दिवस की 2025 की थीम है 'समावेश को सशक्त बनानाः सामाजिक न्याय के लिए अंतराल को पाटना'। थीम प्रणालीगत असमानता को दूर करने में समावेशी नीतियों, निरंतर सीखने और सामाजिक सुरक्षा की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर देती है। इसे पहली बार साल 2009 में मनाया गया था। दुनिया में बढ़ती समस्याओं को देखते हुए आज सामाजिक न्याय की जितनी जरूरत है उतनी पहले शायद पहले नहीं थी। दुनिया में राजनैतिक विभाजन पहले से अधिक हो रहा है एवं समुदायों में असुरक्षा ज्यादा बढ़ती दिख रही है। हम सब मिलकर जाति-धर्म, गरीबी- अमीरी, वंश-वर्ग आदि सारे भेदभाव को भुलाकर एक स्वस्थ एवं आदर्श समाज की स्थापना करें और मानव अधिकारों का सम्मान करें, यही इस दिवस का मूल उद्देश्य है। सामाजिक न्याय की पिच पर ही नई सोशल इंजीनियरिंग तैयार हो सकती है। यह संयुक्त राष्ट्र (यूएन) द्वारा निष्पक्षता को बढ़ावा देने के लिए आयोजित एक वार्षिक कार्यक्रम है, जो आज अधिक प्रासंगिक है। इस संदर्भ में निष्पक्षता का अर्थ है शिक्षा, रोजगार, स्वास्थ्य सेवा, न्याय और अन्य के समान मानकों तक समान पहुंच। सभी की इन चीजों के समान मानकों तक समान पहुंच होनी चाहिए, चाहे उनकी जाति, धर्म, लैंगिकता, लिंग या वर्ग कुछ भी हो। विश्व सामाजिक न्याय का मतलब है, ऐसा समाज बनाना जहां सभी लोगों को समान अधिकार, अवसर और व्यवहार मिलें। सामाजिक न्याय के ज़रिए समाज की आर्थिक और सामाजिक विषमताओं को कम करने की कोशिश की जाती है और सभी नागरिकों को सामाजिक समानता देने के प्रयास किये जाते हैं। समाज की सामान्य भलाई के लिए दूसरों की

देखभाल एवं सहायता करने की ज़िम्मेदारी और सभी को अपनी ज़िंदगी में सुधार करने के लिए समान अवसर मिले, इसके लिये यह दिवस एक आह्वान है। सामाजिक न्याय की आकांक्षा, यह सुनिश्चित करती है कि हर कामकाजी पुरुष और महिला को अपने योगदान के मुताबिक उचित हिस्सा मिले, जो सामाजिक न्याय, सामाजिक एकजुटता, आर्थिक विकास, और मानव प्रगति के लिए ज़रूरी है। विश्व सामाजिक न्याय दिवस को सफल बनाने के लिए कई देश एक साथ मिलकर बेरोजगारी, गरीबी, जाति भेदभाव, लिंग और धर्म के नाम पर बंटे लोगों को एकजुट करने की कोशिश करते हैं। भारत में भी सदियों से लोगों को समान अधिकार देने का विधान रहा है। इसके लिए भारतीय संविधान में सामाजिक असमानता को खत्म करने के लिए कई प्रावधान हैं। समाज में यह जागरूकता फैलाने की जरूरत है कि सभी एक हैं और किसी में भी कोई भेदभाव नहीं देखना चाहिए। भारत सरकार भी कई योजनाएं चला रही हैं। एक विचार के रूप में सामाजिक न्याय की बुनियाद सभी मनुष्यों को समान मानने के आग्रह पर आधारित है। इसके मुताबिक किसी के साथ सामाजिक, धार्मिक और सांस्कृतिक पूर्वाग्रहों के आधार पर भेदभाव नहीं होना चाहिए। हर किसी के पास इतने न्यूनतम संसाधन होने चाहिए कि वे 'उत्तम जीवन' की अपनी संकल्पना को धरती पर उतार पाएँ। विकसित हों या विकासशील, दोनों ही तरह के देशों में राजनीतिक सिद्धांत के दायरे में सामाजिक न्याय की इस अवधारणा और उससे जुड़ी अभिव्यक्तियों का प्रमुखता से प्रयोग किया जाता है। भारत जैसे देश में सामाजिक न्याय का नारा वंचित समूहों की राजनीतिक गोलबंदी का एक प्रमुख आधार रहा है। उदारतावादी मानकीय राजनीतिक सिद्धांत में उदारतावादी-समतावाद से आगे बढ़ते हुए सामाजिक न्याय के सिद्धांतीकरण में कई आयाम जुड़ते गये हैं। मसलन, अल्पसंख्यक अधिकार, बहुसंस्कृतिवाद, मूल निवासियों के अधिकार आदि। इसी तरह, नारीवाद के दायरे में स्त्रियों के अधिकारों को लेकर भी विभिन्न स्तरों पर सिद्धांतीकरण हुआ है और स्त्री-सशक्तीकरण के मुद्दों को उनके सामाजिक न्याय से जोड़ कर देखा जाने लगा है। अनेक असमानताओं, आग्रहों, समस्याओं के बावजूद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भारत में सामाजिक न्याय के उल्लेखनीय उपक्रम किये हैं, नयी-नयी योजनाओं को लागू किया है। मोदी सरकार का सामाजिक न्याय का तरीका समाज में विभेद करने का नहीं है, बल्कि समाज को जोड़ने का है। उन्होंने सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय को समाज के वंचित एवं हाशिए पर पड़े वर्गों जैसे अनुसूचित जाति, पिछड़ा वर्ग, विकलांग व्यक्ति, वरिष्ठ नागरिक तथा नशीली दवाओं के दुरुपयोग के शिकार लोगों आदि के कल्याण, सामाजिक न्याय एवं सशक्तिकरण का दायित्व सौंपा गया है। मोदी ने कहा भी है कि सामाजिक न्याय, तुष्टिकरण से नहीं, संतुष्टिकरण से आता है। सरकार के द्वारा कई योजनाएं के अंतर्गत लोगों को समान अधिकार देने की कोशिश की जा रही है। साथ ही समाज में व्याप्त असमानता, भेदभाव, ऊंचनीच को जड़ से समाप्त करते हुए इससे समस्त समाज का एकसाथ विकास का प्रयास हो रहा है। हम जिस लोकतंत्र में जी रहे हैं वह लोक-समानता का लोकतंत्र है या लोक-विभेद का? हम जो स्वतंत्रता भोग रहे हैं वह समानता की स्वतंत्रता है या अराजक एवं असमानता की? हमने आचरण की पवित्रता एवं पारदर्शिता की बजाय कदाचरण एवं अनैतिकता की कालिमा का लोकतंत्र बना रखा है। ऐसा लगता है कि धनतंत्र एवं सत्तातंत्र ने जनतंत्र को बंदी बना रखा है। हमारी न्याय-व्यवस्था कितनी भी निष्पक्ष, भव्य और प्रभावी हो, फ्रांसिस बेकन ने ठीक कहा था कि 'यह ऐसी न्याय-व्यवस्था है जिसमें एक व्यक्ति की यंत्रणा के लिये दस अपराधी दोषमुक्त और रिहा हो सकते हैं।' रोमन दार्शनिक सिसरो ने कहा था कि 'मनुष्य का कल्याण ही सबसे बड़ा कानून है।' लेकिन हमारे देश के कानून एवं शासन व्यवस्था को देखते हुए ऐसा प्रतीत नहीं होता, आम आदमी सजा का जीवन जीने को विवश है।

दृष्टि कोण

प्रदेश में वित्तीय अनुशासन की जरूरत

वर्तमान में हिमाचल प्रदेश एक छोटा सा पहाड़ी राज्य, जिसके पास आय के बहुत सीमित साधन हैं, देश के सबसे ज्यादा कर्ज लेने वाले राज्यों में शुमार हो चुका है। यह स्थिति राज्य के गंभीर आर्थिक संकट को उजागर करती है, जहां पिछले कुछ वर्षों में लिया गया कर्ज केवल प्रदेश के विकास के लिए नहीं, बल्कि चुनावी लाभ प्राप्त करने के लिए खर्च किया गया है। यह एक ऐसी समस्या बन चुकी है, जिसका समाधान न तो सत्ता और विपक्ष के राजनीतिक टकरावों में है, न ही कर्ज के आंकड़ों को बढ़ाकर राजनीतिक फायदा हासिल करने में। प्रदेश के वित्तीय असंतुलन ने यह स्पष्ट कर दिया है कि हिमाचल अब एक कर्जदार राज्य नहीं, बल्कि कर्ज के जाल में फंसा हुआ राज्य बन चुका है। विधानसभा के बजट सत्र में सरकार और विपक्ष के बीच हो रहे आरोप-प्रत्यारोप से कहीं अधिक महत्वपूर्ण यह सवाल है कि हम अपनी वित्तीय स्थिति को कैसे सुधारें और राज्य की आर्थिक प्रगति के लिए स्थायी उपाय क्या हो सकते हैं। वर्तमान में, राज्य का राजकोषीय उत्तरदायित्व और कर्ज की सीमा दोनों ही बढ़ रही हैं। अगर इस कर्ज को चुकाने की क्षमता में वृद्धि नहीं होती, तो यह स्थिति प्रदेश के लिए बेहद खतरनाक साबित हो सकती है। इसके आलावा राज्य सरकारों को चुनावी राजनीति के लिए फ्रीबीज से बचना चाहिए। हाल ही में सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव के वक्त की जाने वाली मुफ्त की योजनाओं पर सख्त टिप्पणी की, जो कि कहीं न कहीं सरकारों के लिए एक चेतावनी है। हमारे मार्गदर्शक और हिमाचल प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री श्री शांता कुमार भी कई बार सरकारों द्वारा फ्रीबीज और मुफ्त की रेवडियां बांटने की संस्कृति से होने वाले नुकसान पर अपनी चिंता व्यक्त कर चुके है। पिछले दो वर्षों में राज्य ने 25000 करोड़ का कर्ज लिया है और पुराने कर्ज को चुकाने के लिए लगभग 7000 करोड़ की अतिरिक्त उधारी उठानी पड़ी है। अब तक हिमाचल ने लगभग 98000 करोड़ का ऋण लिया है, और कर्ज लेने की प्रक्रिया में निरंतरता बनी हुई है। यह कर्ज न केवल एक भारी आर्थिक बोझ बन चुका है, बल्कि भविष्य में यह हमारे आर्थिक संतुलन को और भी बिगाड़ सकता है। कर्ज का बढऩा असमानता और आर्थिक असंतुलन को बढ़ावा देगा, जो प्रदेश के विकास में रुकावट पैदा करेगा। राज्य के बोर्ड और निगम घाटे में चल रहे हैं, और इसके बावजूद सरकार का ध्यान कर्ज जुटाने पर केंद्रित है। सुधार की दिशा में कोई ठोस कदम नहीं उठाए जा रहे हैं। स्थिति इतनी खराब हो चुकी है कि अब कर्मचारियों के वेतन के लिए भी कर्ज लिया जा रहा है। यह स्थिति दर्शाती है कि क्या राज्य सरकार के पास खर्चों को नियंत्रित करने और वित्तीय अनुशासन लागू करने का कोई उपाय नहीं है। राज्य सरकार को चाहिए कि वह केंद्र सरकार की विनिवेश नीति से कुछ सीखें और घाटे में चल रहे बोर्ड और निगमों से अपनी हिस्सेदारी खत्म करे। केंद्र सरकार कई सरकारी उपक्रमों की बिक्री करके अपने बजट घाटे को पूरा कर रही है, वहीं हिमाचल को भी अपने घाटे को कम करने के लिए ऐसे कदम उठाने चाहिए। लेकिन अफसोस, राज्य सरकार की प्राथमिकताएं फिजूलखर्ची और नए कार्यालयों के निर्माण पर केंद्रित हैं, जबकि प्रदेश की वित्तीय स्थिति को सुधारने के लिए कोई गंभीर प्रयास नहीं हो रहे हैं। हिमाचल के लिए यह अत्यंत आवश्यक है कि वह अपनी आर्थिक नीति को निष्ठा और अनुशासन के साथ लागू करे। कृषि क्षेत्र को मजबूत करने के लिए सिंचाई सुविधाओं का विस्तार करना आवश्यक है। साथ ही, पर्यटन क्षेत्र में भी हमें अधिक ध्यान देने की आवश्यकता है। सैलानियों की संख्या बढ़ाकर इस क्षेत्र से अधिक राजस्व जुटाया जा सकता है। हवाई सेवाओं को सुधारकर और पर्यटन को बढ़ावा देकर राज्य की आय में वृद्धि हो सकती है। इसके अलावा, हिमाचल प्रदेश को अपने प्राकृतिक संसाधनों का बेहतर उपयोग करना चाहिए, विशेषकर जलविद्युत क्षेत्र में। हिमाचल में जलविद्युत उत्पादन की अपार संभावनाएं हैं, लेकिन उनका पूर्ण उपयोग नहीं किया जा रहा है। यदि सरकार इस क्षेत्र में निवेश बढ़ाए और निजी क्षेत्र को साथ लेकर चले, तो यह राज्य के लिए एक बड़ा राजस्व स्रोत बन सकता है। इसके साथ ही स्थानीय उद्योगों को प्रोत्साहित करना और रोजगार के अवसर बढ़ाने की दिशा में भी ठोस कदम उठाए जाने चाहिए। यदि सरकार इन ठोस कदमों को उठाती है, तो आने वाले समय में राज्य की आर्थिक स्थिति में सुधार संभव है। लेकिन यह तभी संभव है जब हम राजनीतिक गुटबंदी और आरोप-प्रत्यारोप की बजाय राज्य की समृद्धि के लिए ठोस और प्रभावी निर्णय लें। कुल मिलाकर, हिमाचल प्रदेश को अपने वित्तीय संकट से उबारने के लिए एक ठोस, पारदर्शी और दीर्घकालिक वित्तीय नीति की आवश्यकता है। केवल कर्ज लेकर हम न तो प्रदेश का विकास कर सकते हैं और न ही आने वाली पीढियों के लिए एक स्थिर आर्थिक ढांचा बना सकते हैं।

कुछ अलग

जादुई छड़ी कहां है...

मसला बहुत सीरियस है। आतंकवाद, भ्रष्टाचार और रिश्वतखोरी से भी सीरियस। सरकार कह रही है कि 'मंहगाई रोकने के लिए उसके पास कोई जादुई छड़ी नहीं है।' विपक्ष कह रहा है कि जादुई छड़ी सरकार के पास ही है, लेकिन सरकार इस छड़ी को इस्तेमाल नहीं कर रही। सरकार और विपक्ष के बयानों में विरोधाभास से पूरे मुल्क में कन्फ्यूजन पैदा हो गई है। गली, मोहल्लों, कूचों से लेकर सरकारी दफ्तरों और दारू के ठेकों तक में अगर किसी करंट टापिक को लेकर चर्चा है तो बस यही कि जादुई छड़ी आखिर गई कहां? मुल्क में बाहर से कोई लुटेरा भी नहीं आया और न ही किसी थाने में जादुई छड़ी गुम होने की एफआईआर दर्ज है। फिर कहां गई जादुई छड़ी? क्या सरकार में बैठी किसी पुण्यात्मा ने इसे अपने लॉकर में छिपा दिया है या फिर आतंकवादियों ने जादुई छड़ी किडनैप कर ली है? चर्चाएं तरह-तरह की हैं। जितने मुंह, उतनी बातें। अब कहने वालों का कोई मुंह थोड़े ही पकड़ा जा सकता है? कोई कह रहा है कि जादुई छड़ी गायब या किडनैप नहीं हुई, बल्कि सरकार ने मल्टीनेशनल कंपनियों व देश के बड़े औद्योगिक घरानों के पास इसे गिरवी रखकर लोन लिया हुआ है ताकि सरकार चलाई जा सके। कोई कह रहा है कि सरकार ने जादुई छड़ी गिरवी नहीं रखी बल्कि मुनाफाखोरों और जमाखोरों को बेच दी है। बातों-बातों में कुछ लोग यह कहने से भी नहीं चूक रहे कि इस सरकार के पास ले-देकर एक जादुई छड़ी ही थी, जिसकी हिफाजत भी सरकार नहीं कर पाई। लिहाजा यह खेद का विषय है। इन तमाम चर्चाओं के बीच एक सज्जन सरकार का पक्ष लेते हुए कह रहे हैं कि 'सरकार का काम जादुई छड़ी की हिफाजत करना नहीं बल्कि सरकार में बैठे अपने लोगों के हितों की हिफाजत करना होता है।' सरकार के हिमायती एक और सजन फरमा रहे हैं कि 'सरकार बहुत बड़ी पावर होती है। वह अपने पास कोई छड़ी-वड़ी नहीं बल्कि लाठी रखती है जिससे गरीब आदमी को हांका जाता है।' एक अन्य सज्जन उसकी बात काटते हुए कहते हैं, 'लाठी सरकार के पास नहीं बल्कि गुंडों, लठैतों और बाहुबलियों के पास होती है जिससे वे मुल्क को हांकते हैं।' तीसरे सज्जन की दलील है कि लाठी सरकार और बाहुबलियों दोनों के पास होती है क्योंकि दोनों का काम हांकना है। एक चौथे सज्जन फरमाते हैं कि सरकार के पास छड़ी या लाठी नहीं बल्कि चाबुक होता है, जिसके दम पर वह लोकतंत्र के छकड़े को ठेलती है। विषय से विषयांतर कर रहे लोगों को हडक़ाते हुए पांचवें सज्जन ने कहा- 'बात जादुई छड़ी को लेकर हो रही थी, इसमें लाठी और चाबुक जैसी दो कौड़ी की आइटमें कहां से आ गई?' छठे सज्जन का कहना है कि महंगाई लाठी या चाबुक से नहीं बल्कि जादुई छड़ी से ही रुक सकती है और जादुई छड़ी चूंकि सरकार के पास है नहीं, इसलिए महंगाई पर हाय-तौबा मचाना फिजूल है। सातवें सज्जन ने सुझाव दिया कि मुल्कवासियों को अपने सारे धंधे छोडक़र जादुई छड़ी ढूंढने में लग जाना चाहिए। इस पर तैश में आकर आठवें सज्जन ने कहा कि लोग अपने धंधे क्यों छोड़ें? सरकार को अपने धंधे छोडक़र जादुई छड़ी ढूंढनी चाहिए। नौवें सज्जन का कहना है कि सरकार को यह काम सीबीआई को सौंप देना चाहिए।

देश दुनीया से

भारत-अमरीका आर्थिक रिश्तों का नया दौर

हाल ही में 17 फरवरी को भारतीय स्टेट बैंक के द्वारा प्रकाशित की गई एक रिपोर्ट के मुताबिक भले ही अमरीका भारत के उत्पादों पर 15 से 20 फीसदी का उच्च टैरिफ लगाए, लेकिन इसके बावजूद अमरीका को होने भारतीय निर्यात में कुल गिरावट केवल 3 से 3.5 फीसदी के आसपास ही रहने का अनुमान है। जबकि इसके दूसरी ओर भारत-अमरीका की द्विपक्षीय वार्ता से अब भारत-अमरीका के आर्थिक रिश्तों का जो नया दौर शुरू होगा, वह भारत के लिए कुल निर्यात बढ़ाने और अन्य वैश्विक कारोबार में भी लाभप्रद होगा। गौरतलब है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमरीका के राष्ट्रपति डोनॉल्ड ट्रंप के बीच व्हाइट हाउस में हुई द्विपक्षीय वार्ता के दौरान राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप एक हाथ से देने और दूसरे हाथ से लेने में अच्छी तरह से कामयाब दिखाई दे रहे हैं। इसमें कोई दो मत नहीं है कि द्विपक्षीय वार्ता के दौरान रणनीतिक रूप से राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने निष्पक्ष, मुक्त, पारस्परिक व्यापार के लिए एक योजना के तहत आगे बढ़े हैं और यह स्पष्ट दिखाई दे रहा है कि अमरीका अब भारत की ओर से बहुत ज्यादा टैरिफ वसूले जाने को बर्दाश्त नहीं करेगा तथा रेसिप्रोकल टैरिफ यानी पारस्परिक समान टैरिफ से व्यापार असंतुलन की चिंताओं को कम करेगा। ट्रंप ने सभी देशों पर रेसिप्रोकल टैरिफ यानी प्रतिस्पर्धात्मक शुल्क लगाने का ऐलान किया। ट्रंप ने कहा कि जो देश अमरीका पर जितना टैरिफ लगाता है, उस पर अमरीका भी उतना ही टैरिफ लगाएगा। गौरतलब है कि द्विपक्षीय वार्ता में भारत और अमरीका दोनों देशों ने व्यापार निवेश, प्रौद्योगिकी, ऊर्जा और रक्षा क्षेत्र में कारोबार तथा वैश्विक व्यापक रणनीतिक साझेदारी को मजबूत बनाने पर सहमति जताई है। दोनों देशों ने अमरीका के व्यापार घाटे को कम करने, व्यापार पर गतिरोध के बीच टैरिफ को कम करने, अधिक अमरीकी तेल, गैस और लड़ाकू विमानों की खरीदी के बारे में बात करने और रियायतों पर भी सहमति व्यक्त की है।

दोनो देशों ने द्विपक्षीय बातचीत के दौरान भारत और अमरीका के बीच वर्ष 2030 तक द्विपक्षीय व्यापार के लिए 500 अरब डॉलर का लक्ष्य निर्धारित किया है। ट्रंप ने कहा कि अमरीका अरबों डॉलर की सैन्य आपूर्ति बढ़ाने के तहत भारत को एफ-35 लड़ाकू विमान उपलब्ध कराने का मार्ग प्रशस्त कर रहा है। ट्रंप ने कहा कि भारत और अमरीका भारत-मध्य पूर्व-यूरोप आर्थिक गलियारे (आईएमईसी) के निर्माण के लिए मिलकर काम करने पर सहमत हुए हैं। निश्चित रूप से प्रधानमंत्री मोदी और ट्रंप के बीच हुई अत्यधिक उत्साहजनक और सकारात्मक द्विपक्षीय वार्ता के बाद भारत और अमरीका के बीच टैरिफ संबंधी चुनौतियों के बावजूद कारोबार के नए ऐतिहासिक अध्यायों की डगर आगे बढने की संभावनाएं उभरकर दिखाई दे रही हैं। क्योंकि ट्रंप भारत की ओर से अमरीकी उत्पादों पर बहुत ज्यादा टैरिफ लगाने की शिकायत करते हुए भारत पर भी टैरिफ लगाने की बात लगातार कहते आए हैं, अब उनके द्वारा घोषित रेसिप्रोकल टैरिफ की नीति से भारत के भी अधिक टैरिफ वसूली की सीमा में आने की आशंका है। भारत ने पहले से ही इस बात को समझा है कि ट्रंप एक हाथ से लेने व दूसरे हाथ से देने में विश्वास करते हैं। यही कारण है कि भारत ने देखते ही देखते अपने यहां कुछ अमरीकी सामान पर टैरिफ कम करना शुरू कर दिया। एक फरवरी को पेश वर्ष 2025-26 के बजट में भारत ने अमरीका से आने वाली वस्तुओं जैसे महंगी मोटरसाइकिल, सैटेलाइट के लिए ग्राउंड इंस्टॉलेशन और सिंथेटिक फ्लेवरिंग एसेंस जैसे कुछ सामानों पर शुल्क घटा दिए हैं। साथ ही अब द्विपक्षीय वार्ता के आधारों पर दोनों देश एक-दूसरे के लिए उपयुक्त टैरिफ की डगर पर आगे बढ़ेंगे।

निसंदेह ट्रंप ने अपने दूसरे कार्यकाल में वैश्वीकरण की जगह 'मेरा अमरीका प्रथम' की धारणा को उच्च प्राथमिकता देते हुए अमरीका की आत्मनिर्भरता की डगर पर बढऩा शुरू कर दिया है। यह भी उल्लेखनीय है कि पिछले दिनों जहां एक फरवरी को अमरीकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कनाडा और मैक्सिको पर 25 फीसदी और चीन पर एक्स्ट्रा 10 फीसदी टैरिफ का ऐलान किया, वहीं 4 फरवरी को चीन ने पलटवार करते हुए अमरीका पर 15 फीसदी टैरिफ लगा दिया है। इससे अमरीका और चीन के बीच ट्रेड वार का नया दौर शुरू हो गया है। यह ट्रेड वार भारत के लिए नए अवसर खोल सकता है। ऐसी अनुकूलता के बावजूद भी भारत के सामने नई द्विपक्षीय वार्ता से निर्मित चुनौतियों से निपटने की चिंताएं हैं। यह बात महत्त्वपूर्ण है कि व्हाइट हाउस की ओर से रेसिप्रोकल टैरिफ पर जारी एक फैक्टस शीट में कहा गया है कि अमरीका जिन देशों को मोस्ट फेवर्ड नेशन (एमएफएन) का दर्जा देता है, उनके कृषि उत्पादों पर औसतन 5 फीसदी टैरिफ लगाता है, लेकिन भारत जिन देशों को मोस्ट फेवर्ड नेशन (एमएफएन) का दर्जा देता है, उनके कृषि उत्पादों पर भारी टैरिफ लगाता है। ट्रंप दोनों तरफ से बराबर टैरिफ चाहते हैं। यह बात महत्त्वपूर्ण है कि अगर ट्रंप प्रोडक्ट के ऊपर रेसिप्रोकल टैरिफ लगाएंगे, तो भारत पर अधिक असर नहीं पड़ेगा क्योंकि अमरीका जो प्रोडक्ट भारत निर्यात करता है भेजता है, वो कई प्रोडक्ट भारत अमरीका को नहीं भेजता है। लेकिन अगर अमरीका सेक्टर के तहत टैरिफ लगाता है, तो हो सकता है कि भारत को कुछ उत्पादों के निर्यात में मुश्किल का सामना करना पड़े और ऐसे में अमरीका के रेसिप्रोकल टैक्स से काफी असर पड़ सकता है। बहुत सारे उत्पाद जैसे टेक्सटाइल और कृषि उत्पादों में भारत का आयात शुल्क ज्यादा है, अगर अमरीका भी वैसे आयात शुल्क उन्हीं सेक्टर के अलग-अलग प्रोडक्ट में लगाने लगे, तो भारत के लिए काफी मुश्किल हो जाएगी। रेसिप्रोकल टैरिफ से भारत का निर्यात प्रभावित होगा। टैरिफ के अलावा अमरीका ने द्विपक्षीय वार्ता में कहा है कि भारत को अमरीका से ज्यादा तेल मंगाना होगा। ऐसे में इस समय सबसे अधिक तेल कम मूल्यों पर रूस से स्थानीय मुद्रा रूबल के भुगतान से प्राप्त हो रहा है, वह अधिक मात्रा में अमरीका से लेने पर डॉलर में भुगतान करना होगा।

आप का नजरीया

एमएसपी की गारंटी या नहीं

आखिर केंद्र सरकार और आंदोलित किसानों के बीच सहमति कब बनेगी? केंद्र सरकार स्पष्ट कब करेगी कि वह न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) की कानूनी गारंटी देगी अथवा नहीं? सरकार और किसानों के बीच बीसियों बैठकें हो चुकी हैं। मौजूदा दौर की यह छठी वार्ता थी, जो बेनतीजा ही रही। अब केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान हैं। उनसे पहले नरेन्द्र तोमर इस संवैधानिक पद पर थे। उन्होंने भी किसानों के अलग प्रतिनिधियों के साथ कई दौर की बेनतीजा बैठकें की थीं। अब संयुक्त किसान मोर्चा (गैर राजनीतिक) की अगुआई में 13 फरवरी, 2024 से किसान आंदोलित हैं और शंभु बॉर्डर तथा हरियाणा में जींद से सटे खनौरी बॉर्डर पर धरना दिए हुए हैं। 70 साल के बुजुर्ग, कैंसर के मरीज, किसान नेता जगजीत सिंह डल्लेवाल बीती 26 नवंबर से आमरण अनशन पर हैं। अन्न का दाना भी नहीं खा रहे, अलबत्ता मेडिकल ऐड जरूर ले रहे हैं, ताकि जिंदा रहकर आंदोलन जारी रख सकें। कृषि मंत्री समेत अन्य मंत्रियों ने भी अनशन समाप्त करने का अनुरोध किया, लेकिन किसान नेता की एक ही बुनियादी मांग है कि सरकार फसलों के एमएसपी की कानूनी गारंटी दे। पहले दिल्ली बॉर्डर पर भी किसान आंदोलन करीब 378 दिन चला था और अब भी 374 दिन बीत चुके हैं। दिल्लीवाला आंदोलन प्रधानमंत्री मोदी के इस आश्वासन के बाद वापस लिया गया था कि सरकार एमएसपी को प्रभावी बनाएगी। क्या प्रधानमंत्री के आश्वासन की कोई कीमत नहीं होती? एक कमेटी जरूर बनाई गई थी, जिसकी 6 बड़ी बैठकें हो चुकी हैं। छोटी बैठकें तो कई हुई हैं, लेकिन बैठकों के निष्कर्ष क्या रहे, आजतक उनका सार्वजनिक खुलासा नहीं किया गया। आखिर बातचीत के ढोंग कब तक किए जाते रहेंगे? एमएसपी का मुद्दा 1966 में पहली बार सामने आया था, जब इंदिरा गांधी देश की प्रधानमंत्री थीं। उनके बाद मोरारजी देसाई, चरण सिंह, फिर इंदिरा गांधी, राजीव गांधी, वीपी सिंह, चंद्रशेखर, पीवी नरसिम्हा राव, अटल बिहारी वाजपेयी, देवगौड़ा, इंद्रकुमार गुजराल, फिर वाजपेयी, डॉ. मनमोहन सिंह प्रधानमंत्री रहे। बेशक उनके कार्यकालों के दौरान एमएसपी का मुद्दा उठता रहा होगा। यदि सुलझ नहीं सकता, तो मुद्दे को दफना देना चाहिए था। आंदोलन तो होते रहते हैं। अब नरेन्द्र मोदी बीते 11 सालों से प्रधानमंत्री हैं। उनके दौर में ही एमएसपी की कानूनी गारंटी का मुद्दा पुरजोर उठाया जाता रहा है। आखिर यह मुद्दा कितना पेचीदा है, जो सुलझ ही नहीं पा रहा है और लटका हुआ है। प्रधानमंत्री मोदी का किसान की आय 2022 तक दोगुनी करने का वायदा भी खोखला साबित हुआ। किसानों पर 21 लाख करोड़ रुपए का कर्ज है। मनमोहन सरकार में कर्ज माफ करने के बावजूद आज भी कर्ज है। इसका जवाब भी सरकार को ही देना पड़ेगा। जाहिर है कि किसान की आमदनी पर्याप्त नहीं है, लिहाजा वह कर्ज लेने को विवश है। कृषि मंत्री मानते हैं कि खेती की आत्मा किसान ही हैं और कृषि देश की अर्थव्यवस्था की रीढ़ है। कृषि ने ही कोरोना महामारी के दौर में देश की अर्थव्यवस्था को बचाए रखा और विकास दर करीब 3.5 फीसदी रही। कृषि मंत्री की मान्यता के बावजूद किसानों को उनकी मेहनत, फसलों की माकूल कीमत क्यों नहीं मिल पा रही है।

वर्ष 2060 में धरती पर कोई बड़ा परिवर्तन होगा : भविष्यवाणी

लंदन

महान वैज्ञानिक सर आइजैक न्यूटन ने भविष्यवाणी की थी कि वर्ष 2060 में धरती पर कोई बड़ा परिवर्तन होगा। न्यूटन ने ने 300 साल पहले यह अनुमान लगाया था कि धरती का अंत कब होगा। हालांकि, उन्होंने 'अंत' शब्द की बजाय 'रिसैट' शब्द का इस्तेमाल किया, जिससे यह संकेत मिलता है कि या तो धरती का विनाश होगा या फिर एक नई दुनिया की शुरुआत होगी। न्यूटन, जो विज्ञान के साथ-साथ धार्मिक मान्यताओं में भी गहरी रुचि रखते थे, ने बाइबल की 'बुक ऑफ डेनियल' से गणना कर इस भविष्यवाणी को तैयार किया था। उन्होंने बाइबल में दर्ज तारीखों और ऐतिहासिक घटनाओं के आधार पर इस निष्कर्ष पर पहुंचे कि 2060 में दुनिया में कोई महत्वपूर्ण परिवर्तन होगा।

हैलिफ़ैक्स स्थित यूनिवर्सिटी ऑफ किंग्स कॉलेज के प्रोफेसर स्टीफन स्नोबेलन के अनुसार, न्यूटन की यह भविष्यवाणी केवल चेतावनी थी, न कि निश्चित रूप से दुनिया के विनाश की घोषणा। न्यूटन ने अपने पत्र में लिखा कि यह दुनिया प्लेग जैसी महामारी या भीषण युद्ध के कारण खत्म हो सकती है। उन्होंने 3 राजाओं के काल (800 ई. से 1260 ई.) की अवधि को जोड़कर 2060 की तारीख निकाली। हालांकि, उन्होंने यह भी कहा कि यह समय आगे भी बढ़ सकता है, क्योंकि उन्हें दुनिया के जल्दी खत्म होने का कोई ठोस कारण नहीं दिखता। न्यूटन ने 'द बुक ऑफ डेनियल एंड रिवेलेशन्स' में दर्ज 1260, 1290 और 2300 जैसे संख्यात्मक संकेतों की व्याख्या की, जो संभावित सर्वनाश के संकेतक माने जाते हैं।

ऐतिहासिक दृष्टि से, उन्होंने देखा कि 800 ई. में चर्च के प्रभाव को चुनौती मिलने लगी थी, जबकि 1260 ई. के बाद विश्व में महत्वपूर्ण बदलाव होने शुरू हुए। हो सकता है कि 2060 में कोई वैज्ञानिक, सामाजिक या प्राकृतिक परिवर्तन हो, जो दुनिया की संरचना को नया रूप दे। सच्चाई क्या होगी, यह तो 2060 के आने पर ही पता चलेगा। उनकी गणना के अनुसार, 2060 में एक और बड़ा बदलाव संभव है। हालांकि, न्यूटन की यह भविष्यवाणी सच होगी या नहीं, यह तो समय ही बताएगा। लेकिन उनकी गणना और बाइबिल के आधार पर निकाले गए निष्कर्षों को पूरी तरह नकारना भी संभव नहीं है।

न्यूज ब्रीफ

जर्मनी के आम चुनाव में फ्रेडरिक मर्ज की पार्टी की जीत

बर्लिन। जर्मनी के आम चुनाव में रविवार को विपक्षी नेता फ्रेडरिक मर्ज की पार्टी क्रिश्चियन डेमोक्रेटिक यूनियन ने जीत दर्ज की। इसी के साथ मर्ज का जर्मनी का नया चांसलर बनने का रास्ता साफ हो गया। 69 वर्षीय फ्रेडरिक मर्ज को रूढ़िवादी नेता माना जाता है। जर्मनी के समाचार पत्र बिल्ड ने चुनाव में फ्रेडरिक मर्ज की पार्टी के जीत दर्ज करने की पुष्टि की है। उनकी पार्टी ने आम चुनाव में सबसे बड़ा वोट शेयर हासिल किया है। उन्होंने ओलाफ स्कोल्ज की वाम सोशल डेमोक्रेटिक पार्टी (एसपीडी) को शिकस्त दी है। जर्मन ब्रॉडकास्टर एआरडी के अनुसार, मर्ज के नेतृत्व वाले ब्लॉक (क्रिश्चियन डेमोक्रेटिक यूनियन (सीडीयू) और क्रिश्चियन सोशल यूनियन (सीएसयू) ने 28.5 प्रतिशत मत हासिल किया है। जर्मनी की दूसरी पार्टी अल्टरनेटिव फॉर जर्मनी ने 20.7 प्रतिशत वोट प्राप्त किया है। 11 नवंबर, 1955 को जर्मनी के ब्रिलोन में जन्मे मर्ज का परिवार कानून के क्षेत्र से जुड़ा रहा है। मर्ज ने भी कानून की पढ़ाई की है। वह 1972 में राजनीति में आए।1981 में चार्लोट से शादी की। चार्लोट जज हैं। उनके तीन बच्चे हैं। 1989 में मर्ज यूरोपीय संसद के लिए चुने गए। 1994 में उन्होंने होचसॉएरलैंडक्रेइस निर्वाचन क्षेत्र से जीतने के बाद जर्मन संघीय संसद बुंडेस्टाग में प्रवेश किया।

सूडान में हैजा से 83 लोगों की मौत, सैकड़ों अस्पताल में भर्ती

खार्तून। गैर-सरकारी संगठनों (एनजीओ) ने सूडान के व्हाइट नाइल राज्य में हैजा से मौत को लेकर आंकड़ा साझा किया है। इसके मुताबिक पिछले 72 घंटों में हैजा से 83 लोगों की मौत हो चुकी है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक व्हाइट नाइल में हैजा फैलने से 83 लोगों की मौत हो गई है, जबकि 1,197 लोग इससे पीड़ित हैं, जिनमें से 259 लोग ठीक हो चुके हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक नेटवर्क ने स्वास्थ्य अधिकारियों से आग्रह किया कि वे अस्पताल में बिस्तरों की कमी और बीमारों की बढ़ती संख्या को देखते हुए अतिरिक्त केंद्र खोलें। नेटवर्क ने स्थानीय प्राधिकारियों से जागरूकता अभियान तेज करने, बाजारों को संक्रमण मुक्त करने, पारंपरिक तरीकों से पेयजल वितरण को रोकने और जल नेटवर्क की कमी वाले क्षेत्रों में क्लोरीन वितरित करने का भी आह्वान किया है। इस बीच स्थानीय स्वयंसेवी समूह ने चेतावनी दी कि व्हाइट नाइल राज्य के प्रमुख शहर कोस्टी में स्वास्थ्य स्थिति बहुत खतरनाक है। जहां 800 से ज्यादा हैजा के मामले सामने आए हैं और कई लोगों की मौत हुई है। एक अन्य गैर सरकारी संगठन ने भी पुष्टि की कि बड़ी संख्या में लोगों की मृत्यु हो गई है, और 800 से अधिक लोग दस्त, डिहाइड्रेशन, उल्टी आदि के लक्षणों के चलते अस्पताल में इलाज करा रहे हैं। पहले 100 मरीज बुधवार रात को उपचार केंद्र पहुंचे और शुक्रवार दोपहर तक यह संख्या 800 से अधिक हो गई। स्थानीय प्राधिकारियों ने हैजा के प्रकोप से निपटने के लिए कई कदम उठाए हैं, जिनमें नदी से पानी एकत्र करने पर प्रतिबंध लगाना, जल वितरण प्रणाली में क्लोरीनीकरण बढ़ाने का निर्देश देना और राज्य में बाजार और अधिकांश रेस्तरां बंद करना शामिल है। शनिवार को ही सूडान के स्वास्थ्य मंत्रालय ने व्हाइट नाइल में हैजा टीकाकरण अभियान शुरू करने की घोषणा की, जिसका लक्ष्य कोस्ती और रबाक शहरों में एक वर्ष और उससे अधिक आयु के नागरिकों को टीका लगाना है।

अगर हमने भारत को नहीं हराया तो मेरा नाम बदल देना,पाक के पीएम शहबाज ने दी चुनौती तो यूजर्स लेने लगे मजे

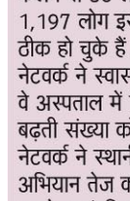

इस्लामाबाद। पाकिस्तान अकसर भारत से अपनी तुलना करते हैं। वहीं पाकिस्तानी पीएम शहबाज शरीफ ने एक कार्यक्रम में कहा कि अगर हमने भारत को नहीं हराया तो मेरा नाम बदल देना। शहबाज शरीफ की ये चुनौती किसी युद्ध को लेकर नहीं, बल्कि तरक्की को लेकर थी लेकिन उनकी इस चुनौती को लेकर सोशल मीडिया पर यूजर उनके कान खींचने लगे हैं। कई यूजर ने उनकी इस चुनौती को चैपिंयन ट्राफी में होने वाले भारत और पाकिस्तान के मैच से जोड़ दिया है। बता दें शहबाज शरीफ ने रैली को संबोधित करते हुए कहा कि अगर पाकिस्तान तरक्की के मामले में भारत से आगे नहीं निकलता है, तो मेरा नाम शहबाज शरीफ नहीं। शहबाज ने डेरा गाजी खान में एक बड़ी भीड़ को संबोधित करते हुए यह टिप्पणी की। इस दौरान उन्होंने कई डेवलपमेंटर प्रोजेक्ट्स लॉन्च किए और पाकिस्तान को मौजूदा चुनौतियों से बाहर निकालकर उसे एक महान राष्ट्र बनाने की कसम खाई है।

नेपाल में अवैध रूप से रह रहे सात बांग्लादेशी गिरफ्तार

काठमांडू

नेपाल पुलिस ने काठमांडू के विभिन्न इलाकों में अवैध रूप से रह रहे बांग्लादेश के सात नागरिकों को रविवार की देर शाम गिरफ्तार किया है। यह लोग वीजा की अवधि समाप्ति या अवैध रूप से नेपाल में घुस कर रह रहे थे। काठमांडू जिले के क्राइम ब्रांच के एसएसपी रमेश बस्नेत ने सोमवार को बताया कि चोरी छिपे काठमांडू के विभिन्न इलाकों में बांग्लादेशी नागरिकों के अवैध रूप से रहने और संदिग्ध गतिविधियों में शामिल होने की जानकारी मिली थी। इसके बाद पुलिस ने विभिन्न इलाकों से बांग्लादेश के सात नागरिकों को गिरफ्तार किया। एसएसपी बस्नेत ने बताया कि गिरफ्तार बांग्लादेश के तीन नागरिकों के वीजा की अवधि को समाप्त हुए एक साल हो गया जबकि चार के पासपोर्ट पर वीजा ही नहीं है। उन्होंने आशंका जताई कि सभी अवैध रूप से भारत के रास्ते नेपाल के घुसे होंगे। पुलिस ने इनकी पहचान मोहम्मद अकुल इस्लाम (26), मोहम्मद आलममुल्ला (40), मोहम्मद जहांगीर आलम (37), मोहम्मद अमीनुल हक (36), मोहम्मद अब्दुल अहक (39), मोहम्मद नसरुद्दीन (28) और मोहम्मद मोहसार हुसैन (46) के रूप में की है।

पुलिस ने बताया कि पकड़े गए सभी बांग्लादेशी नागरिकों के संदिग्ध गतिविधियों में लिप्त होने की सूचना मिली है। बस्नेत ने कहा कि ये सभी यहां के मेनपावर कंपनियों के साथ सेटिंग कर बांग्लादेशियों को यहां से खाड़ी देशों में भेजने का धंधा चला रहे थे। इसके एवज में यह लोग लाखों रुपये की वसूली भी करते थे।

तुर्की में बर्फीले तूफान से 18 प्रांतों की सड़कें बंद, कई गांवों से संपर्क टूटा

अंकारा। बर्फीले तूफानों से तुर्की के 18 प्रांतों में जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। एक रिपोर्ट के मुताबिक 2,173 सड़कें बंद हो गई हैं। पूर्वी वान प्रांत क्षेत्र के महानगरों के 19 इलाकों और 35 छोटे गांवों का संपर्क टूट गया है। रिपोर्ट के मुताबिक एरसिस जिले में बर्फ 40 सेंटीमीटर तक जम गई है, जहां सड़कें साफ करने का काम जारी है। पूर्वी मुस प्रांत में प्रशासन बर्फबारी से लोगों को होने वाली परेशानी के लिए काम कर रहा है, लेकिन अब भी 46 गांवों की सड़कें बंद हैं। दक्षिण पूर्वी बिटलिस प्रांत में भी हालात गंभीर हैं। यहां 50 गांवों की सड़कें पूरी तरह से अवरुद्ध हैं। पूर्वी हक्कारी में पिछले दिनों हुई भारी बर्फबारी से 34 बस्तियों का संपर्क टूट गया था, जिनमें से 32 को फिर से जोड़ा गया है। शेमदीनली जिले के एलन गांव और युकसेकोवा जिले के अक्टोपरेक छोटे गांव में हिमस्खलन के खतरे के कारण रास्ते खोलने का काम नहीं हो सका है। काला सागर क्षेत्र में ऊंचाई वाले गांवों में बर्फबारी का ज्यादा असर पड़ा है। कस्तामोनु में पहाड़ी इलाकों में यातायात प्रभावित हुआ है, जबकि सीनोप में 282 गांवों की सड़कें बर्फ से ढक गई हैं। सीनोप प्रांतीय प्रशासन ने चेतावनी दी है कि सोमवार दोपहर तक बर्फबारी और ठंड के हालात बने रहने की संभावना है।

बिल्ली के ठाट: फेसबुक पर 6 हजार से अधिक फॉलोवर्स, रेलवे ने दिया मुफ्त यात्रा का पास

वाशिंगटन

यहां टिली नाम की बिल्ली बेहद लोकप्रिय है और 6 हजार से अधिक लोग उसे फेसबुक पर फॉलो कर रहे हैं। टिली की लोकप्रियता की कई वजह है एक तो ये कि यह बिल्ली ट्रेन और बस में सफर करने की शौकीन है। हाल ही में उसने ट्रेन में 27 किमी का सफर किया है जिसके कारण रेलवे ने उसे जीवन भर के लिए मुफ्त पास जारी किया है। बिल्ली मालिक को उसे ढूंढने कोई दिक्कत न हो इसके लिए उसके गले में एयर टैग है जिससे उसे आसानी से ट्रैक किया जा सकता है।

एक बिल्ली की इन दिनों काफी चर्चा है जिसने ट्रेन से 27 किलोमीटर का सफर अकेले ही कर डाला। अजीब बात ये है कि बिल्ली के मालिक को उसे वापस लाने के लिए इतना ही सफर खुद कार से तय करना पड़ा तब कहीं जाकर वह उससे मिला और उसे वापस लेकर लौट सकता। लेकिन हैरानी की बात ये है कि अब रेलवे विभाग ने इस बिल्ली को जीवन भर ट्रेन से सफर करने का मुफ्त पास दे दिया है। इस अनोखी बिल्ली का नाम टिली है जिसकी उम्र केवल दो साल है। बिल्ली ने 17 मील यानी करीब 27 किलोमीटर से भी अधिक का सफर, यूके के सरी के वेब्रिज स्टेशन से लंदन क वाटरलू स्टेशन तक का सफर अकेले ही किया था।

मजेदार बात ये रही कि इसके मालिक 52 साल के माइकल हार्डी को उसे वापस लाने के लिए खुद भी लंदन तक का सफर कार से ड्राइव कर करना पड़ा। इस पूरी घटना का दक्षिण पश्चिम रेलवे ने संज्ञान लिया। टिली ने इसी रेलवे के मार्ग से अपना सफर किया था। अब रेलवे ने टिली को उसका अपना स्मार्टकार्ड बना कर दिया है जिससे भविष्य में वह मुफ्त में ट्रेन का सफर कर सकती है और दक्षिण पश्चिम के नेटवर्क का कोई भी सफर कर सकती है। दक्षिण पश्चिम रेलवे के प्रवक्ता ने बताया कि हमारी मूछों वाली यात्री फिर से अपने रोमांचक सफर पर निकलना चाहे तो अब उसके लिए हमने उसका खुद का ही कैट2गो स्मार्ट कार्ड जारी किया है।

पोप फ्रांसिस की हालत नाजुक, दोनों फेफड़ों में संक्रमण

वयोवृद्ध पोप फ्रांसिस की हालत गंभीर बनी हुई है। वह कुछ समय से अस्वस्थ हैं। ताजा रक्त परीक्षण में गुर्दे की विफलता के हल्के लक्षण दिखाई दे रहे हैं। उन्होंने रविवार सुबह जेमेली अस्पताल की 10वीं मंजिल पर स्थापित अपार्टमेंट से पवित्र मास में भाग लिया। खबर में वेटिकन के हवाले से यह जानकारी दी गई। वेटिकन ने रविवार को जारी बयान में कहा कि 88 वर्षीय पोप अपने दोनों फेफड़ों में निमोनिया के संकट से जूझ रहे हैं। उन्हें एक सप्ताह पहले अस्पताल में भर्ती कराया गया था। उन्हें लगातार ऑक्सीजन दी जा रही है। वेटिकन ने कहा कि उनकी स्थिति दिन-प्रतिदिन जटिल हो रही है। फ्रांसिस दोनों फेफड़ों में निमोनिया के निदान के बाद अस्पताल में रहेंगे। ऑरलैंडो हेल्थ मेडिकल ग्रुप यूरोलॉजी के डॉ. जैमिन ब्रह्मभट्ट ने कहा है कि उनकी हालत अभी भी काफी गंभीर है। उल्लेखनीय है कि 14 फरवरी को पोप फ्रांसिस के अस्पताल में भर्ती होने के बाद 15 फरवरी को जयंती समारोह रद्द कर दिया गया था।

सफल होने का भी गुरुमंत्र है बर्न टोस्ट थ्योरी

एडिलेड

सोशल मीडिया पर इन दिनों यही संदेश दिया जा रहा है जिसे बर्न टोस्ट थ्योरी कहते हैं। यह सफल होने का भी गुरुमंत्र है। ऑस्ट्रेलिया की द यूनिवर्सिटी ऑफ एडिलेड ने स्टूडेंट्स की हेल्थ और वेलनेस के लिए बर्न टोस्ट थ्योरी बनाई।

इसमें कहा गया कि जला हुआ टोस्ट जिंदगी बचा सकता है। इसके लिए उदाहरण दिया गया कि एक स्टूडेंट कॉलेज के लिए निकलने वाला है। वह लेट हो रहा है लेकिन इससे पहले वह ब्रेकफास्ट में टोस्ट बनाता है जो जल जाता है। वह दूसरा टोस्ट बनाता है। इस वजह से वह देरी से टैक्सी लेता है। इसी बीच उसे खबर मिलती है कि वह जिस समय पर निकलने की सोच रहा था, उसी समय उसी के रूट पर एक कार एक्सिडेंट हुआ। वह उसी समय पर हुआ जब उसका टोस्ट जला और वह कोस रहा था कि इस वजह से वह लेट हो गया। अगर वह पहले निकला होता तो शायद यह हादसा उसके साथ हो सकता था। मनोचिकित्सक मुस्कान गर्ग कहती हैं कि एक बहुत ही मशहूर कहावत है-'जो होता है अच्छे के लिए होता है'। इसमें वाकई सच्चाई है। बर्न टोस्ट थ्योरी इसी कहावत को बयां करती है।

अक्सर लोग इस बात से परेशान रहते हैं कि मेरे साथ गलत हो गया लेकिन उसके दूसरे पहलू को नहीं देखते कि यह उनकी भलाई के लिए हुआ है। बर्न टोस्ट थ्योरी पॉजिटिव सोच को बढ़ावा देती है। इस थ्योरी के अनुसार जिंदगी बहुत छोटी-सी है इसलिए पुरानी बातों या नेगेटिव चीजों को याद करके परेशान नहीं होना चाहिए। ब्रेकफास्ट का जलना, ट्रेन का छूट जाना, इंटरव्यू में फेल हो जाना, जिंदगी का हिस्सा है। बुरे हालात में भी अच्छा सोचना चाहिए क्योंकि हर चीज किसी कारण से होती है।

शराब में मिला देते हैं कटा हुआ अंगूठा, फिर भी मजे लेकर पीते हैं लोग

ओटावा

सॉरडग सलून नाम का रेस्टोरेंट है, जो डाउनटाउन होटल में है। यह होटल उत्तरी कनाडा के डॉसन शहर में स्थित है। होटल के इस बार में आप इंसानी पैर का अंगूठा (या उंगली) मिली ड्रिंक का 'आनंद' उठा सकते हैं। इस स्पेशल ड्रिंक को सॉरटो कॉकटेल कहा जाता है। डाउनटाउन होटल स्थित बार में यह खास ड्रिंक लगभग 50 साल से भी अधिक समय से पिलाई जा रही है।

बता दें कि इसकी कहानी भी बड़ी दिलचस्प है। अंगूठे की कहानी 1920 के दशक में शुरू होती है। उस दौरान लुई और ओट्टो नाम के दो भाई शराब की तस्करी करते थे। तस्करी के दौरान ही एक बार दोनों भाई बर्फीले तूफान में फंस गए। भारी ठंड के बीच लुई के पैर का एक अंगूठा शीतदंश का शिकार हो गया। उसमें घाव बनने लगा और वह बर्फ की वजह से गलने लगा। ओट्टो अपने भाई की ऐसी हालत देखकर परेशान हो गया। उसे लगा कि अंगूठा से होते हुए पूरे पैर में संक्रमण फैल जाएगा। ऐसे में उसने अपने भाई लुई के पैर के अंगूठे को काटकर अलग कर दिया। जिंदा वापस लौटने के बाद दोनों भाइयों ने उस अंगूठे को प्रिजर्व करने का फैसला किया। इसलिए उसे शराब में डालकर रख दिया, जिससे अंगूठा बिल्कुल सुरक्षित था।

जहाज में सालों से ये अंगूठा यूं ही रखा रहा। किसी को भी इस बात की जानकारी नहीं थी। लुई और ओट्टो की मौत भी हो गई। लेकिन तकरीबन 50 साल बाद कैप्टन डिक स्टीवेंसन को कैबिन की सफाई करते वक्त वह अंगूठा मिल गया। वे उसे डाउनटाउन होटल लेकर आ गए। उसके बाद से ही शराब में अंगूठा मिलाकर पीने का चलन शुरू हो गया। हालांकि, इस बात की ठीक-ठीक जानकारी नहीं है कि कैसे ये सब शुरू हुआ और चलन बन गया। लेकिन लोगों के बीच इस तरह से शराब पीने का क्रेज बढ़ता गया। लेकिन कई बार ये अंगूठे चोरी भी हो गए। हालांकि, इसके बावजूद होटल के पास अंगूठे की कभी कमी नहीं हुई। प्रतिबंध के बावजूद अगर कोई शराब के साथ अंगूठे को मुंह में ले लेता था, तो होटल ने उन लोगों पर जुर्माना लगाना शुरू कर दिया। शुरुआत में तो उसे निगलने पर 500 कनाडाई डॉलर (करीब 30 हजार रुपए) का फाइन लगाया गया। लेकिन 2013 में होटल मालिकों को बड़ी हैरानी हुई, जब एक ग्राहक ने ड्रिंक खत्म किया, अंगूठे को जानबूझकर निगला और शांति से 500 कनाडाई डॉलर फाइन देकर चला गया। हालांकि, इस घटना के बाद फाइन बढ़ाकर 2500 कनाडाई डॉलर (लगभग 1.50 लाख रुपयों के बराबर) कर दिया गया। हालांकि, साल 2017 में एक शख्स इस अंगूठे को ही चुरा लिया। बाद में पुलिस ने उसकी तलाश भी की। हालांकि, वो अंगूठा मिला या नहीं, इसकी जानकारी उपलब्ध नहीं है। लेकिन होटल के पास रिजर्व में अंगूठा होने के कारण सॉरटो कॉकटेल जारी है। इतना ही नहीं, जो कस्टमर ड्रिंक में मिले पैर के अंगूठे को होंठों से छू लेते हैं, उन्हें होटल एक प्रमाणपत्र भी देता है।

सामाजिक सांस्कृतिक व आध्यात्मिक परिवर्तन का महाकुंभ : एकनाथ शिंदे

-जय भवानी जय शिवाजी के जयकारों के बीच एकनाथ शिंदे ने संगम में लगाई डुबकी

महाकुंभनगर, (हि.स.)। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने सोमवार को जय भवानी जय शिवाजी के जयकारों के बीच प्रयागराज के त्रिवेणी संगम में सपरिवार पवित्र स्नान किया। उनके साथ महाराष्ट्र सरकार के कई मंत्रियों व पार्टी कार्यकताओं ने भी संगम में पवित्र स्नान किया। बमरौली एयरपोर्ट पर उतरने पर उत्तर प्रदेश सरकार की ओर मंत्री नंद गोपाल नंदी ने उनका स्वागत किया। संगम स्नान के बाद एकनाथ शिंदे ने कहा कि यह महाकुंभ सामाजिक स-ांस्कृतिक व आध्यात्मिक परिवर्तन का महाकुंभ है। यह दुनिया का सबसे बड़ा महाकुंभ है। यहां करोड़ों करोड़ लोग आये न कोई छोटा न कोई बड़ा है। प्रयागराज पवित्र स्थल है। यहां गंगा यमुना सरस्वती का संगम होता है। प्रयागराज का यह महाकुंभ 144 साल बाद आया है। यह दुनिया का सबसे बड़ा आध्यात्मिक समागम है। सब लोग आये हैं। उन्होंने महाकुंभ में इतनी अच्छी व्यवस्था के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और विशेष रूप से उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और उनकी पूरी टीम का आभार जताया। एकनाथ शिंदे ने कहा कि यहां पर सफाई से लेकर पीने का पानी और गाड़ियों की व्यवस्था कर रखी है। ऐसी व्यवस्था कोई नहीं कर सकता। अपने आप में रिकॉर्ड है। महाकुंभ में आने का अनुभव अदभुत है।

राहुल गांधी के खिलाफ मानहानि मामले में अगली सुनवाई छह मार्च को

- भाजपा नेता विजय मिश्रा ने कराया है वाद दायर

सुलतानपुर, (हि.स.)। कांग्रेस नेता और रायबरेली सांसद राहुल गांधी के मानहानि मामले में सोमवार को एमपी एमएलए की विशेष कोर्ट में सुनवाई हुई। अगले गवाह से राहुल गांधी के अधिवक्ता को जिरह करनी थी, लेकिन गवाह की ओर से परिवादी के अधिवक्ता ने हाजरी माफी लगा दी। अब इस मामले में छह मार्च को मामले में सुनवाई होगी। कोतवाली देहात के हनुमानगंज निवासी भाजपा नेता विजय मिश्रा ने वर्ष 2018 में राहुल गांधी के विरुद्ध मानहानि का परिवाद एमपीएमएलए कोर्ट में दर्ज कराया था। उन्होंने आरोप लगाया था कि 2018 में कर्नाटक चुनाव के दौरान राहुल गांधी ने अभद्र टिप्पणी की थी। इससे वह वह खासे आहत हुए। कोर्ट में पांच साल लंबी प्रक्रिया चली, लेकिन राहुल गांधी हाजिर नहीं हुए तो दिसंबर 2023 में तत्कालीन जज ने वारंट जारी कर उन्हें तलब किया था। तब फरवरी 2024 को राहुल गांधी ने कोर्ट में सरेंडर कर दिया था। अदालत ने राहुल गांधी को 25-25 के दो मुचलकों पर जमानत दे दी थी। इसके बाद राहुल गांधी को कोर्ट ने बयान दर्ज करने के लिए बुलाया। कई तारीख पड़ने के बाद बीते 26 जुलाई को राहुल कोर्ट में पहुंचे और उन्होंने अपना बयान दर्ज कराया था। उन्होंने स्वयं को निर्दोष बताते हुए कहा था कि मेरे खिलाफ राजनीतिक साजिश हो रही है। इसके बाद कोर्ट ने वादी को साक्ष्य प्रस्तुत करने के निर्देश हुए। इस वर्ष दो जनवरी को जिरह पूरी नहीं होने पर कोर्ट ने 10 जनवरी व 22 जनवरी की तारीख नियत की थी, लेकिन इन दोनों ही तारीखों पर अधिवक्ताओं की हड़ताल के चलते सुनवाई पुनः टल गई थी। उसके बाद 30 जनवरी को तिथि नियत हुई तो राहुल गांधी के अधिवक्ता काशी शुक्ला के अस्वस्थ होने के चलते जिरह नहीं हो सकी थी। 11 फरवरी को कोर्ट में जिरह पूर्ण करने के लिए सुनवाई की तिथि नियत की गई थी, जिसमें राहुल गांधी के अधिवक्ता काशी प्रसाद शुक्ला ने परिवादी से जिरह की थी। जिरह पूरी होने के बाद 24 फरवरी (सोमवार) की तिथि नियत की गई थी।अगले गवाह से राहुल गांधी के अधिवक्ता को जिरह करनी थी, लेकिन गवाह की ओर से परिवादी के अधिवक्ता ने हाजरी माफी का प्रार्थना पत्र लगा दिया। अब छह मार्च को मामले में सुनवाई होगी।

मंडलायुक्त, पुलिस कमिश्नर जूना अखाड़े के महामंडलेश्वर अवधेशानंद गिरि से मिले

-संतों के पेशवाई और काशी विश्वनाथ मंदिर में दर्शन पूजन को लेकर विचार-विमर्श

वाराणसी, (हि.स.)। महाशिवरात्रि पर्व पर काशी में नागा संतों की पेशवाई और उनकी सुरक्षा व्यवस्था,दर्शन पूजन को लेकर जिला प्रशासन तैयारियों को अंतिम रूप देने में जुट गया है। सोमवार को कमिश्नर कौशलराज शर्मा,पुलिस कमिश्नर मोहित अग्रवाल,जिलाधिकारी एस. राजलिंगम ने मृत्युंजय मठ पहुंचकर जूना अखाड़े के आचार्य महामंडलेश्वर अवधेशानंद गिरि से मुलाकात की। अफसरों ने संत से नागा संतों के बाबा विश्वनाथ मंदिर में दर्शन को लेकर विचार-विमर्श किया। काशी विश्वनाथ धाम में दर्शन-पूजन करने जाने वाले अखाड़ों के महामंडलेश्वरों,पीठाधीश्वरों,महंतों के संबंध में चर्चा की गयी। इस अवसर पर संत अवधेशानंद ने स्वयं रचित पुस्तक 'एटरनल इकोज' सभी अधिकारियों को भेंट की। संत से मुलाकात के बाद मंडलायुक्त कौशल राज शर्मा ने बताया कि महाशिवरात्रि पर्व पर सुबह छह से पूर्वाह्न नौ बजे तक अखाड़ों के आचार्यों, साधु-संतों, नागा साधुओं के दल श्री काशी विश्वनाथ मंदिर में गेट नंबर चार से दर्शन करने जाएंगे।

इस दौरान श्रद्धालुओं की गंगा घाट से लगायत दोनों लाइन भी संचालित रहेंगी। मंडलायुक्त और वरिष्ठ अधिकारियों ने एडीएम सिटी आलोक कुमार वर्मा और मंदिर के सीईओ विश्वभूषण मिश्र को अखाड़ों व श्रद्धालुओं के सुगम दर्शन के लिए बेहतर प्रबंधन सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए। कमिश्नर ने अखाड़ों के साधु-संतों, श्रद्धालुओं को मंदिर दर्शन के लिए मार्गों तथा गलियों के निर्धारित रास्तों से ले जाने के लिए निर्देशित किया। पुलिस कमिश्नर ने एडीसीपी ट्रैफिक राजेश कुमार पांडेय को यातायात व्यवस्था को सुचारू बनाने के लिए सभी संभव प्रयास करने के निर्देश दिए। अधिकारियों ने इस दौरान काशी विश्वनाथ धाम में दर्शन के लिए लाइन में लगे श्रद्धालुओं से वार्ता कर उनका कुशल-क्षेम भी जाना । इसके बाद गोदौलिया चौराहे तक भीड़ प्रबंधन और सुरक्षा व्यवस्था को भी परखा।

रेलवे स्टेशन के मॉल गोदाम में लगी भीषण आग, काबू पाया

फिरोजाबाद, (हि.स.)। रेलवे स्टेशन के मॉल गोदाम में रविवार देर रात्रि शॉर्ट सर्किट से आग लग गई। फायर बिग्रेड टीम ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। रेलवे स्टेशन स्थित माल गोदाम में रविवार देर रात शॉर्ट सर्किट से आग लग गई। आग लगने से अफरा तफरी मच गई। मौके पर भारी संख्या में लोगों की भीड़ जमा हो गई। सूचना मिलते ही जीआरपी, आरपीएफ और दमकल विभाग की टीमें मौके पर पहुंची। फायर बिग्रेड की टीम ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। आग से कोई जनहानि नहीं हुई है। आरपीएफ के सब इंस्पेक्टर नंदराम वर्मा ने बताया कि माल गोदाम में कबाड़ का सामान रखा हुआ था। इसमें रेलवे का कोई महत्वपूर्ण सामान नहीं था। दमकल विभाग की टीम ने काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। अग्निशमन अधिकारी दुर्गेश कुमार ने बताया कि आग पर काबू पा लिया गया है। माल गोदाम में रखी कुर्सी, मेज और अन्य फर्नीचर जलकर राख हो गया।

मुरादाबाद में 108 केंद्रों पर शुरू हुई यूपी बोर्ड की परीक्षा

मुरादाबाद, (हि.स.)। उप्र माध्यमिक शिक्षा परिषद द्वारा आयोजित यूपी बोर्ड की परीक्षा सोमवार को 108 केंद्रों पर शुरू हो गई। मुरादाबाद में हाईस्कूल में 40,183 और इंटरमीडिएट में 39,274 सहित कुल 79,457 छात्र-छात्राएं पंजीकृत है। जिला विद्यालय निरीक्षक देवेंद्र कुमार पांडेय ने सोमवार को बताया कि मुरादाबाद जनपद में 108 केंद्रों पर बोर्ड परीक्षा सुव्यवस्थित, नकलविहीन व शांतिपूर्ण तरीके से प्रारम्भ हो गई। आज 24 फरवरी से 12 मार्च तक यूपी बोर्ड की परीक्षाएं दो पालियों में संचालित होगी। पहली पारी की परीक्षा सुबह 8:30 से सुबह 11:45 तक और दूसरी पाली की परीक्षा दोपहर 2 बजे से शाम 5:15 तक होगी। सभी परीक्षा केंद्रों पर सीसीटीवी कैमरों व सचल दल के माध्यम से निगरानी की जा रही है। जिले में 17 केंद्र संवेदनशील हैं। इन पर अतिरिक्त पर्यवेक्षकों की तैनाती की गई है। नकलविहीन बोर्ड परीक्षा की निगरानी के लिए सेक्टर मजिस्ट्रेट, जोनल मजिस्ट्रेट और नोडल अधिकारी परीक्षा केंद्रों का औचक निरीक्षण कर रहे हैं। डीआ-ईओएस देवेंद्र कुमार पांडेय ने बताया कि परीक्षा की निगरानी के लिए कार्यालय में मॉनीटरिंग सेल भी बनाया गया है।

एसएसपी ने तबादले में किया संशोधन, कुलदीप कुमार बने रहेंगे सदर थाना प्रभारी

रांची, (हि.स.)। रांची के एसएसपी चंदन कुमार सिन्हा ने रांची जिला बल में स्थानांतरण किए हुए पदाधिकारियों के आदेश को 24 घंटे के भीतर संशोधित करते हुए बदल दिया है। 23 फरवरी को उन्होंने थाना प्रभारियों का तबादला किया था। सोमवार को उन्हें अपने आदेश में संशोधन करना पड़ा। आदेश में सदर थाना प्रभारी कुलदीप कुमार का तबादला किया गया था, वहीं नामकुम थाना प्रभारी ब्रह्मदेव प्रसाद को हटाना पड़ा था। रांची जिले में 23 फरवरी को एसएसपी ने चार इंस्पेक्टर और तीन सब इंस्पेक्टर स्तर के पुलिस पदाधिकारी का तबादला किया था। इस आदेश में संशोधन करते हुए दो इंस्पेक्टर के पदस्थापन को बदला गया है। इंस्पेक्टर कुलदीप कुमार को सदर थाना से तबादला करते हुए डोरंडा थाना प्रभारी बनाया गया था लेकिन नये आदेश के बाद उन्हें फिर से सदर थाना प्रभारी बनाया गया है। दूसरी तरफ पुलिस केंद्र में पदस्थापित रणजीत सिन्हा को सदर थाना प्रभारी बनाया गया था, लेकिन आदेश में संशोधन करते हुए उन्हें टाटीसिलवे थाना प्रभारी बनाया गया। इसके अलावा मनोज कुमार को नामकुम थाना प्रभारी बनाया गया। साथ ही नामकुम थाना प्रभारी के पद पर पदस्थापित ब्रह्मदेव प्रसाद को पुलिस लाइन में क्लोज किया गया। वहीं दीपिका प्रसाद को डोरंडा थाना प्रभारी बनाया गया है।

कोलकाता से प्रयागराज जा रही बस दुर्घनाग्रस्त

हजारीबाग, (हि.स.)। हजारीबाग के चौपारण थाना क्षेत्र में महाकुंभ के लिए कोलकाता से प्रयागराज जा रही श्रद्धालुओं की बस सोमवार को दुर्घटनाग्रस्त हो गई। यह हादसा सियरकोनी 19 के पास पीके इंटरनेशनल होटल के नजदीक हुआ। हादसे में 30 के करीब यात्री घायल हुए हैं। इनमें से दो की स्थिति गंभीर है। स्थानीय लोगों के मुताबिक सड़क किनारे प्याज लदा एक ट्रक खड़ा था। पीछे से आ रही यात्री बस अनियंत्रित होकर इस ट्रक से टकरा गई। टक्कर इतनी तेज थी कि बस का अगला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। हादसे के बाद मौके पर अफरातफरी मच गई। स्थानीय लोगों ने तुरंत पुलिस और एम्बुलेंस को सूचना दी। चौपारण थाना प्रभारी अनुपम प्रकाश पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। एनएचएआई के एम्बुलेंस से सभी घायलों को चौपारण सरकारी अस्पताल ले जाया गया। थाना प्रभारी के अनुसार मामूली रूप से घायल यात्रियों को प्राथमिक उपचार के बाद छुट्टी दे दी गई है। गंभीर रूप से घायल दो यात्रियों का इलाज जारी है। सभी यात्री खतरे से बाहर हैं।

हाई कोर्ट ने राज्य सरकार से गुमशुदा दोनों बच्चों को ढूंढने की कार्रवाई के संबंध में अपडेट रिपोर्ट मांगी

रांची, (हि.स.)। साहिबगंज में चाइल्ड ट्रैफिकिंग से जुड़े एक मामले में आरोपित कुलदेव साह की दो क्रिमिनल अपील मामले की सुनवाई सोमवार को झारखंड हाई कोर्ट में हुई। सुनवाई के दौरान केंद्र सरकार की ओर से कोर्ट को बताया गया कि गुमशुदा दोनो बच्चों के आधार कार्ड का बायोमेट्रिक्स यानी फिंगरप्रिंट्स, आंखों के रेटिना आदि के बारे में स-रकार के आवेदन पर यूआईडीएआई (यूनिक आइडेंटिफिकेशन अथॉरिटी ऑफ इंडिया) ने एक रिपोर्ट तैयार की है। इस रिपोर्ट को सीलबंद रूप में अनुसंधानकर्ता को सौपा जाएगा। वहीं, राज्य सरकार की ओर से कहा गया कि केंद्र की रिपोर्ट मिलने के बाद दोनों बच्चों को ढूंढने की कार्रवाई और तेज होगी। कोर्ट ने दोनों गुमशुदा बच्चों को ढूंढने के लिए की गई का-र्रवाई के संबंध में राज्य सरकार से अपडेट जानकारी मांगी है। वही कोर्ट ने केंद्र सरकार को भी जवाब दाखिल कर बताने को कहा है कि उसने सीलबंद रिपोर्ट अनुसंधानकर्ता को सौंपी है या नहीं। अगली सुनवाई मार्च माह में होगी। पिछली सुनवाई में खंडपीठ ने यूआईडीएआई को दोनों बच्चों के आधार कार्ड से संबंधित मांगे गए बॉयोमेट्रिक उपलब्ध कराने के राज्य सरकार के आवेदन की आलोक में जल्द निर्णय लेने का निर्देश दिया था। दरअसल, कुलदेव साह और वीरेंन साह के खिलाफ परिवादी एम हेंब्रम ने साहिबगंज कोर्ट में अपने बेटे की चाइल्ड ट्रैफिकिंग करने को लेकर कंप्लेंन केस संख्या 148/2022 दर्ज कराई थी। उनका बच्चा वर्ष 2018 से लापता है। वहीं बोरियो थाना में कुलदेव साह एवं पप्पू साह के खिलाफ दर्ज कांड संख्या 2020/2022 में बी हांसदा ने अपने छोटे भाई की वर्ष 2014 में लापता होने को लेकर प्राथमिकी दर्ज कराई थी।

मनरेगा घोटाला मामले में कार्यपालक अभियंता ने ईडी कोर्ट में किया सरेंडर, कोर्ट ने दी जमानत

रांची, (हि.स.)। खूंटी मनरेगा घोटाला से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग केस के आरोपित जय किशोर चौधरी ने सोमवार को रांची पीएमएलए की विशेष कोर्ट में सरेंडर कर दिया। इसके बाद कोर्ट ने उन्हें एक लाख रुपये के बॉन्ड पर जमानत दे दी। दरअसल, खूंटी में हुए मनरेगा घोटाला के दौरान जय किशोर चौधरी कार्यपालक अभियंता थे। चौधरी पर मनरेगा योजना में करोड़ों रुपये के घोटाला में शामिल होने का आरोप है। ईडी ने उन्हें अपनी प्रोसिक्यूशन कंप्लेन में आरोपित बनाया था। इसके बाद से उन पर गिरफ्तारी की तलवार लटक रही थी। इसी बीच सोमवार को उन्होंने विशेष कोर्ट में सरेंडर करदिया। इसके साथ ही चौधरी ने कोर्ट में जमानत के लिए प्रार्थना पत्र दाखिल किया। कोर्ट में चौधरी की ओर से अधिवक्ता अनिल कुमार कंठ ने बहस की। इसके बाद विशेष कोर्ट ने उन्हें एक लाख रुपये के बॉन्ड पर जमानत दे दी। जमानत मिलने से जय किशोर चौधरी को बड़ी राहत मिली है।

पीएम मोदी का बिहार के विकास में मिल रहा सहयोग : मुख्यमंत्री

पटना/भागलपुर, (हि.स.)। बिहार के भागलपुर में सोमवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देश के 9.80 करोड़ किसानों के खाते में प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना की 19वीं किस्त के रूप में कुल 22 हजार करोड़ हस्तांतरित किए। इसमें बिहार के 76 लाख किसान शामिल हैं। जिनके खाते में भी 1600 करोड़ रुपये भेजे गये हैं। इस मौके पर बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कहा कि पीएम मोदी के नेतृत्व में देश का विकास हो रहा है, वहीं बिहार के विकास में भी सहयोग मिल रहा है। बजट में बिहार में मखाना बोर्ड, ग्रीनफिल्ड एयरपोर्ट की स्थापना, पश्चिमी कोसी नगर के लिए वित्तीय सहायता, प्रसंस्करण संस्थान की स्थापना का ऐलान किया गया है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कहा कि पीएम मोदी यहां आ गए हैं तो सिर्फ यहां का नहीं, बल्कि पूरे बिहार का विकास होगा। सीएम ने कहा कि अब इधर-उधर नहीं, बल्कि उन्हीं के सहयोग से बिहार को आगे ले जाएंगे। हम लोगों ने गरीब, दलित और पिछड़ों के उत्थान के लिए हमने काम किया है। पहले रात में कोई घरों से बाहर नहीं निकलता था। लेकिन आज पुरुष-महिला सब रात में घूमते हैं। सभी लोग पीएम मोदी के पक्ष में है और इसलिए पूरे देश का विकास होगा। साथ ही बिहार भी आगे बढ़ेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि हिंदू-मुस्लिम का भी वो (राजद की सरकार) झगड़ा कराते थे। पढ़ाई की हालत खराब थी। इलाज का पूरा इंतजाम नहीं था। उन लोगों के समय में सड़कों का बुरा हाल था और बिजली तो बहुत कम थी। पटना में भी बिजली नहीं थी। पटना में मु-श्किल से आठ घंटे बिजली रहती थी। उसके बाद हम लोगों ने काफी काम किया है। किसी प्रकार का डर नहीं है। प्रेम, भाईचारे का माहौल है। उन्होंने कहा कि 24 नवम्बर, 2005 को सरकार में आने के बाद हम लोग लगातार बिहार के विकास में लगे हुए हैं। लोगों के सीधा संवाद करते हुए कहा कि याद है ना, जब पहली बार सरकार में आए थे तो क्या स्थिति थी। शाम के बाद कोई घर से नहीं निकलता था और समाज में काफी विवाद होता था। हमारा शुरू से कृषि पर जोर देने का लक्ष्य रहा है। इसलिए कृषि रोड बनाकर कृषि के विकास के लिए काम किया गया। यह मैप लागू करने से कृषि का विकास हुआ है। इसके अलावा दूध, अंडा और मछली उत्पादन भी बढ़ा है। पहले यहां हम मछली दूसरे राज्यों से मंगवाते थे और अब हम आत्मनिर्भर हो गए हैं।

ब्रह्मकुमारी द्वारा पटेल मैदान में द्वादश ज्योर्तिलिंगम दर्शन मेला का आयोजन

सहरसा, (हि.स.)। प्रजापिता ब्रह्म-ाकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय के बनगांव रोड स्थित स्थानीय सेवाकेंद्र शांति अनुभूति भवन द्वारा 89वें त्रिमूर्ति शिव जयंती महोत्सव के अवसर पर 26 फरवरी से आयोजित द्वादश ज्योर्तिलिंगम दर्शन मेले का आयोजन पटेल मैदान में किया जाएगा। इस संबंध में बताते हुए स्थानीय सेवाकेंद्र प्रभारी स्नेहा बहन ने कहा कि समस्त कोशी वासियों के लिए भोलेनाथ शिव भगवान द्वादश ज्योर्तिलिंगम मेले के रूप में दर्शन की सौगात लाये हैं। जिसमें देश भर के सुप्रसिद्ध 12 ज्योतिर्लिंग का हू-बहू एक ही छत के नीचे दर्शन लाभ प्राप्त होगा अर्थात 12 तीर्थ यात्राओं के पुण्यफल की सहज प्राप्ति होगी। इसके साथ-साथ अनेक आकर्षक आयोजनों का भी लाभ प्राप्त होगा। चंद मिनटों में मन को सुकून देने के लिए माइंड स्पा, पारिवारिक रिश्तों में प्रगाढ़ता लाने के लिए फैमिली वैल्यूज ट्री, जीवन मूल्यों के प्रति जागरूकता लाने एवं स्वस्थ मनोरंजन के लिए वैल्यू गेम्स, तनाव मुक्ति एवं व्यसन मुक्ति के लिए आकर्षक एवं ज्ञानवर्धक प्रदर्शनी, भगवान के नाम पत्र, सेल्फी विद गॉड, शान्ति अनुभूति कक्ष, राजयोग मेडिटेशन शिविर, प्रोजेक्टर शो जैसे अनेक आयोजन किए गए हैं। केन्द्र संचालिका बी के स्नेहा बहन ने बताया कि 26 फरवरी को दोपहर 2:00 बजे पटेल मैदान में इस मेले का भव्य उद्घाटन होगा। जन-जन को इसका संदेश देने के लिए मंगलवार को पूरे शहर में भव्य शोभायात्रा एवं झांकी निकाली जाएगी।स्नेहा बहन ने समस्त कोशी वासियों से इस मेले में पधार कर जन्म-जन्म के पुण्यफल की प्राप्ति और स्वस्थ मनोरंजन का अनुभव प्राप्त करने का आह्वान किया।

सर्राफा बाजार में मामूली गिरावट

नई दिल्ली

घरेलू सर्राफा बाजार में मामूली गिरावट का रुख नजर आ रहा है। इस गिरावट के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना 87,760 रुपये से लेकर 87,910 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना 80,440 रुपये से लेकर 80,590 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी की कीमत में भी मामूली कमजोरी आने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में 1,00,400 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर ही कारोबार कर रही है।

देश की राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट सोना 87,910 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 80,590 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 87,760 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 80,440 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 87,810 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 80,490 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना 87,760 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 80,440 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 87,760 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 80,440 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 87,910 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 80,590 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। वहीं पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 87,810 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 80,490 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह जयपुर में 24 कैरेट सोना 87,910 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 80,590 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी सोने के भाव में मामूली गिरावट आई है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना 87,760 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह इन तीनों शहरों के सर्राफा बाजारों में 22 कैरेट सोना 80,440 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

न्यूज ब्रीफ

टेस्ला मालिकों की दुर्घटना दर 26.67प्रतिशत : सर्वे

नई दिल्ली। अमेरिका में अक्सर टेस्ला मालिकों की ड्राइविंग को लेकर सवाल उठाए जाते रहे हैं, और अब लेंडिंग ट्री के एक सर्वे ने इस धारणा को और पुख्ता कर दिया है। रिपोर्ट के मुताबिक, टेस्ला ड्राइवर सबसे ज्यादा लापरवाह पाए गए हैं और दुर्घटनाओं, स्पीडिंग टिकट्स और नशे में गाड़ी चलाने जैसे मामलों में टॉप पर हैं। सर्वे के आंकड़ों के अनुसार, टेस्ला मालिकों की दुर्घटना दर 26.67 प्रतिशत रही, जो किसी भी अन्य ब्रांड के मुकाबले सबसे अधिक है। इसके बाद राम ब्रांड के वाहन मालिक 23.15 प्रतिशत और सुबारू के मालिक 22.89 प्रतिशत दुर्घटनाओं के साथ क्रमशः दूसरे और तीसरे स्थान पर रहे। यह अध्ययन 1 जनवरी 2024 से 31 दिसंबर 2024 के बीच 1000 ड्राइवरों के डेटा पर आधारित था। वहीं, जिन ड्राइवरों की दुर्घटना दर सबसे कम रही, उनमें मर्करी, पोंटियाक और कैडिलैक के वाहन मालिक शामिल हैं। मर्करी के लिए यह आंकड़ा 18.63प्रतिशत, पोंटियाक के लिए 19.72प्रतिशत और कैडिलैक के लिए 20.75प्रतिशत दर्ज किया गया। दिलचस्प बात यह है कि मर्करी और पोंटियाक का उत्पादन पहले ही बंद हो चुका है, लेकिन उनके ड्राइवरों ने अन्य ब्रांड्स की तुलना में अधिक सतर्कता दिखाई।

सुजुकी मोटर पांच सालों में वैश्विक बिक्री को 4.2 मिलियन वाहन तक बढ़ाएगी

मुंबई। जापान की छोटी कार निर्माता कंपनी सुजुकी मोटर ने कहा है कि वे अगले पांच सालों में अपनी वैश्विक बिक्री को 4.2 मिलियन वाहन तक बढ़ाने का लक्ष्य रखेगी, जो करीब एक तिहाई का इजाफा है। इसका अधिकांश विस्तार भारत में इसके मुख्य बाजार में केंद्रित होगा। सुजुकी कंपनी का अनुमान है कि इन बिक्री का 60 प्रतिशत भारत में होगा और दुनिया का सबसे अधिक जनसंख्या वाला देश 2030 वित्तीय वर्ष तक 2 ट्रिलियन येन (13 बिलियन डॉलर) में से 60 प्रतिशत निवेश प्राप्त करेगा। कंपनी ने एक बयान में कहा, भारत सुजुकी का सबसे महत्वपूर्ण बाजार है, जहां हम सबसे अधिक प्रयास कर रहे हैं। सुजुकी ने 1980 के दशक की शुरुआत से भारत में भारी निवेश किया है और मारुति सुजुकी भारत के कार बाजार में करीब 40 प्रतिशत की हिस्सेदारी रखती है, जो जापानी कंपनी के द्वारा बहुमत में नियंत्रित है। हालांकि, अब कंपनी का कहना है कि वह 2030 तक भारत में चार बैटरी इलेक्ट्रिक वाहनों को लांच करेगी, जो पहले के लक्ष्य के मुकाबले कम है, जिसमें छह इलेक्ट्रिक वाहनों का लक्ष्य रखा गया था। सुजुकी ने यह भी कहा कि उसका लक्ष्य 2030 तक ऑपरेटिंग प्रॉफिट मार्जिन को 10 प्रतिशत तक बढ़ाना है, जो पिछले वित्तीय वर्ष में 9.2 प्रतिशत था।

हुंडई अपनी नई 7-सीटर एसयूवी जल्द करेगी लॉन्च

नई दिल्ली। हाल ही में कार निर्माता कंपनी एमजी ने भारत मोबिलिटी ग्लोबल एक्सपो 2025 में अपनी नई 7-सीटर एसयूवी मजेस्टॉर का खुलासा किया था। इस एसयूवी का डिजाइन आकर्षक और दमदार है। यह 2.0 लीटर के डीजल इंजन के साथ 4गुणा4 व्हील ड्राइव में आएगी और इसकी संभावित कीमत 46 लाख रुपये से शुरू हो सकती है। हुंडई भी इस साल अपनी नई 7-सीटर एसयूवी लॉन्च करने जा रही है, जिसका कोड नेम एनआई1आई रखा गया है। यह अल्काझार और टूकसन के प्राइस रेंज में आ सकती है और इसमें हाइब्रिड टेक्नोलॉजी दी जाएगी। इस एसयूवी को महाराष्ट्र के टेलेगांव प्लांट में तैयार किया जाएगा और इसमें वही इंजन हो सकता है, जो क्रेटा को पावर देता है। मारुति सुजुकी अपनी लोकप्रिय एसयूवी ग्रांड विटारा का 7-सीटर वेरिएंट भी लॉन्च करने जा रही है। यह मॉडल मौजूदा 5-सीटर ग्रांड विटारा के इंजन के साथ आएगा, लेकिन इसमें हाइब्रिड टेक्नोलॉजी शामिल होगी। इस एसयूवी का मुकाबला हयूदै अल्काझार और एमजी हेक्टर प्लस से होगा और इसकी कीमत मई-जून तक घोषित की जा सकती है। इन नई लॉन्च के साथ भारतीय बाजार में 7-सीटर एसयूवी की मांग और प्रतिस्पर्धा बढ़ने की पूरी संभावना है। मालूम हो कि भारत में इस साल 7-सीटर एसयूवी सेगमेंट में कई नए मॉडल लॉन्च होने जा रहे हैं।

भारत का चीन से वस्तुओं का आयात पहुंच सकता है 100 अरब डॉलर के पार

भारत से चीन को निर्यात 14.85 फीसदी घटकर 11.48 अरब डॉलर रह गया

नई दिल्ली

भारत-चीन व्यापार संतुलन लगातार चीन के पक्ष में झुक रहा है क्योंकि भारत से चीन को निर्यात घट रहा है, जबकि भारत का चीन से आयात तेजी से बढ़ रहा है. इससे दोनों देशों के बीच व्यापार घाटा भी तेजी से बढ़ रहा है। भारत का चीन से वस्तुओं का आयात फरवरी 2025 में ही 100 अरब डॉलर के आंकड़े को पार कर सकता है और पूरे वित्त वर्ष 2024-25 में यह रिकॉर्ड 101.73 अरब डॉलर से अधिक हो सकता है। यह वृद्धि चीन से आयात में हो रही दो अंकों की वृद्धि और मार्च 2025 तक अपेक्षित शिपमेंट्स के कारण हो रही है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक अप्रैल 2024-जनवरी 2025 के दौरान भारत से चीन को निर्यात 14.85 फीसदी घटकर 11.48 अरब डॉलर रह गया, जबकि पिछले वर्ष की समान अवधि में यह 13.48 अरब डॉलर था। अप्रैल 2024 से जनवरी 2025 तक भारत का कुल माल निर्यात 1.39 फीसदी बढ़कर 358.91 अरब डॉलर हो गया, जबकि आयात 7.43 फीसदी बढ़कर 601.9 अरब डॉलर पर पहुंच गया। इस दौरान व्यापार घाटा 242.99 अरब डॉलर हो गया, जो पिछले वर्ष की समान अवधि में 206.29 अरब डॉलर था। वाणिज्य मंत्रालय के अधिकारियों का कहना है कि भारत चीन से जो उत्पाद आयात कर रहा है, वे ज्यादातर कच्चे माल या मध्यवर्ती इनपुट होते हैं जो 'मेक इन इंडिया' कार्यक्रम को सहयोग देते हैं. मौजूदा वित्त वर्ष के पहले 10 महीनों में चीन से कुल आयात 95.01 अरब डॉलर तक पहुंच चुका है, जो पिछले वर्ष की समान अवधि के 85.91 अरब डॉलर की तुलना में 10.6 फीसदी अधिक है. जनवरी 2025 में चीन से आयात 10.48 अरब डॉलर दर्ज किया गया, जो पिछले साल की तुलना में 17 फीसदी अधिक है। विशेषज्ञों का कहना है कि रुपये की डॉलर के मुकाबले कमजोरी ने भारत के व्यापार संतुलन को और बिगाड़ दिया है. खासकर पेट्रोलियम आयात में 6.42 फीसदी की वृद्धि हुई।

सात परियोजनाओं के लिए मिले 75 करोड़ डॉलर, वित्त मंत्रालय ने कहा- कोई प्रोजेक्ट चुनाव से जुड़ा नहीं

नई दिल्ली । अमेरिकी अंतरराष्ट्रीय विकास एजेंसी (यूएसएआईडी) फंडिंग विवाद के बीच वित्त मंत्रालय ने बड़ा खुलासा किया है। वित्त मंत्रालय ने अपनी वार्षिक रिपोर्ट में कहा है कि वित्तीय वर्ष 2023-24 में अमेरिकी एजेंसी ने 75 करोड़ अमेरिकी डॉलर की सात परियोजनाओं की फंडिंग की। लेकिन इसमें से कोई भी परियोजना चुनाव या मतदान बढ़ाने से जुड़ी नहीं है। वित्त मंत्रालय ने अपनी वार्षिक रिपोर्ट में कहा कि मौजूदा समय में भारत सरकार के साथ साझेदारी के तहत अमेरिकी अंतरराष्ट्रीय विकास एजेंसी (यूएसएआईडी) ने सात परियोजनाओं के लिए 75 करोड़ अमेरिकी डॉलर की फंडिंग की है। जबकि वित्तीय वर्ष 2023-24 की सात परियोजनाओं के तहत एजेंसी द्वारा कुल 97 मिलियन अमरीकी डालर (लगभग 825 करोड़ रुपये) का दायित्व बनाया गया है। वित्त मंत्रालय के आर्थिक मामलों के विभाग ने रिपोर्ट में परियोजनाओं की जानकारी भी दी है। इसके तहत अमेरिकी एजेंसी ने कृषि और खाद्य सुरक्षा कार्यक्रम, जल, सफाई एवं स्वास्थ्य, नवीकरणीय ऊर्जा, आपदा प्रबंधन और स्वास्थ्य से जुड़ी परियोजनाओं के लिए फंडिंग की। जबकि मतदान बढ़ाने या चुनाव से जुड़ी कोई फंडिंग नहीं की गई। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि एजेंसी ने वन एवं जलवायु अनुकूल कार्यक्रम और ऊर्जा दक्षता प्रौद्योगिकी व्यवसायीकरण और नवाचार परियोजना के लिए फंडिंग करने का वादा किया है। 1951 में भारत को अमेरिका से मदद मिलनी शुरू हुई थी।

होम लोन लेने वालों पर दर में कटौती का होगा असर

नई दिल्ली

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने हाल ही में बेंचमार्क रेपो दर में 25 आधार अंकों की कटौती करते हुए उसे 6.25 फीसदी कर दिया। आरबीआई के इस फैसले से होम लोन, ऑटो लोन या पर्सनल लोन के फ्लोटिंग रेट यानी लचीले ब्याज दर वाले उधारकर्ताओं को फायदा होगा। होम लोन लेने वालों के लिए रेपो दर में कटौती का लाभ उनके बकाया मूलधन और ब्याज दर पर निर्भर करेगा।

उदाहरण के लिए, अगर किसी ने 75 लाख रुपये का होम लोन 20 साल की अदायगी अवधि के साथ लिया है और ब्याज दर को 9 फीसदी से घटाकर 8.75 फीसदी कर दिया गया तो उनकी ईएमआई 67,479 रुपये से घटकर 66,278 रुपये रह जाएगी। अगर एक साल तक दरों में कोई बदलाव नहीं होता है तो इससे ग्राहक को 1,201 रुपये की मासिक और 14,412 रुपये की वार्षिक बचत होगी।

रेपो दर से जुड़े ऋण पर दर में कटौती का प्रभाव तेजी से दिखेगा

रेपो दर से जुड़े ऋण पर दर में कटौती का प्रभाव तेजी से दिखेगा। पैसा बाजार के एक अधिकारी ने कहा कि मौजूदा उधारकर्ताओं के लिए रेपो दर में कटौती के प्रभाव की वास्तविक तारीख संबंधित ऋणदाता द्वारा दर में बदलाव की तिथि पर निर्भर करेगी।

तब तक उन्हें अपने मौजूदा दरों पर ही अदायगी जारी रखनी होगी। उन्होंने कहा कि सीमांत लागत आधारित ब्याज दर (एमसीएलआर) से जुड़े ऋण पर रेपो दर में कटौती का प्रभाव दिखने में देरी हो सकती है।भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) में एक पंजीकृत निवेश सलाहकार ने कहा कि अगर उधारकर्ता अनुरोध करें तो बैंक अदायगी की अवधि में कोई बदलाव न करते हुए उन्हें अपनी ईएमआई कम करने की भी इजाजत दे सकते हैं। उधारकर्ताओं को अपनी वित्तीय स्थिति को ध्यान में रखते हुए ईएमआई में कमी करने अथवा अदायगी की अवधि घटाने का चयन करना चाहिए।

क्रॉम्पटन ने लॉन्च किया टेकविदहार्ट

क्रॉम्पटन ग्रीव्स कंज्यूमर इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड, जो उपभोक्ता इलेक्ट्रिकल उत्पादों की जानी-मानी कंपनी है, लगातार नए आविष्कार कर रही है। ये नए प्रोडक्ट्स बिजली की बचत करने वाले, बेहतर काम करने वाले और पर्यावरण के अनुकूल हैं, जिससे ग्राहकों को बेहतरीन अनुभव मिलता है। कंपनी ने टेकविदहार्ट लॉन्च किया, जो दिखाता है कि वे ग्राहकों की जरूरतों को ध्यान में रखकर भारत में ही प्रोडक्ट्स बना रहे हैं। टेकविदहार्ट क्रॉम्पटन के उस मिशन को दिखाता है, जिसमें उपभोक्ताओं के लिए स्मार्ट, भरोसेमंद और बेहतर काम करने वाले समाधान बनाए जाते हैं। इसमें तेज हवा देने वाले पंखे और बिजली बचाने वाले पंप शामिल हैं, जो लगातार और भरोसेमंद पानी की आपूर्ति सुनिश्चित करते हैं। हर प्रोडक्ट को ग्राहकों की जरूरतों को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है। कंपनी की नेतृत्व टीम ने लॉन्च किया। क्रॉम्पटन ऐसी तकनीक प्रदान करता है जो वास्तव में मायने रखते हैं - भारत में आराम, सुविधा और ऊर्जा कुशल घरों को बेहतर बनाती है।

अब महिंद्रा जल्द ही स्कॉर्पियो एन का नया ब्लैक एडिशन करेगी लॉन्च

नई दिल्ली

स्कॉर्पियो महिंद्रा की सबसे ज्यादा बिकने वाली कार है। इसकी लोकप्रियता का अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि कंपनी की कुल बिक्री में 30 फीसदी से ज्यादा हिस्सेदारी अकेले स्कॉर्पियो की है। स्कॉर्पियो रेंज में स्टैण्डर्ड स्कॉर्पियो और स्कॉर्पियो एन शामिल है। बाजार में बढ़ती मांग को देखते हुए अब महिंद्रा जल्द ही स्कॉर्पियो एन का नया ब्लैक एडिशन लॉन्च करेगी। महिंद्रा स्कॉर्पियो एन के नए ब्लैक एडिशन के बाहर और अंदर ऑल-ब्लैक लुक पर जोर दिया है। स्कॉर्पियो एन अभी 6 कलर ऑप्शन में मौजूद है जिसमें दो ब्लैक शेड मिडनाइट ब्लैक और स्टील्थ ब्लैक शामिल हैं, जबकि नए ब्लैक एडिशन में आगे साइड और पीछे की तरफ थोड़ा क्रोम का इस्तेमाल किया गया है। मीडिया रिपोर्ट में एक खबर के मुताबिक नया ब्लैक एडिशन अलग है क्योंकि यह ब्लैक-आउट लुक और फील को ज्यादा बढ़ाता है। अगर हम मौजूदा ब्लैक कलर से तुलना करें तो नए ब्लैक एडिशन में ब्लैक्ड-आउट बंपर, अलॉय व्हील, साइड मोल्डिंग, विंडो ट्रिम और रूफ रेल्स लगाए गए हैं। इसके अलावा फ्रंट ग्रिल और डोर हैंडल के लिए डार्क क्रोम फिनिश का इस्तेमाल किया है। ब्लैक और डार्क क्रोम के कॉम्बो का इस्तेमाल अंदर भी है। वहीं डैशबोर्ड से लेकर दरवाजे, अपहोल्स्ट्री और रूफ तक सब कुछ ब्लैक के अलग-अलग शेड्स में है।

महिंद्रा स्कॉर्पियो एन ब्लैक एडिशन टॉप-स्पेक जेड8 एल वेरिएंट पर बेस्ड हो सकती है यानी कि ग्राहकों को डिजाइन के तौर पर एलईडी प्रोजेक्टर फॉग लैंप, एलईडी सीक्वेंशियल टर्न इंडिकेटर्स, स्की-रैक, 18-इंच एलॉय व्हील और वर्टिकल स्टैक्ड एलईडी टेल लैंप मिलेगा। जबकि केबिन में 8-इंच टचस्क्रीन इंफोटेनमेंट सिस्टम, 7-इंच कलर टीएफटी इंस्ट्रूमेंट कंसोल, एलेक्सा-इनेबल्ड व्हाट3वर्ड्स, रियर एसी वेंट, 12 स्पीकर के साथ प्रीमियम सोनी साउंड सिस्टम शामिल हैं जबकि स्कॉर्पियो एन के अंदर सनरूफ, वेंटिलेटेड फ्रंट सीटें, डुअल-जोन एफएटीसी, वायरलेस चार्जर, स्टीयरिंग माउंटेड कंट्रोल, यूएसबी पोर्ट और लेदर-रैप्ड स्टीयरिंग व्हील और गियर शिफ्ट लीवर है। वहीं, सेफ्टी किट में फ्रंट साइड कर्टन एयरबैग, पार्किंग सेंसर, इलेक्ट्रॉनिक स्टेबिलिटी कंट्रोल, हिल होल्ड कंट्रोल, हिल डिसेंट कंट्रोल, ड्राइवर ड्राउजीनेस डिटेक्शन, टायर प्रेशर मॉनिटरिंग सिस्टम, ऑटो-डिमिंग आईआनवीएम और 4 वेंटिलेटेड डिस्क ब्रेक शामिल हैं।

ग्लोबल मार्केट से कमजोरी के संकेत, एशिया में भी बिकवाली का दबाव

नई दिल्ली

ग्लोबल मार्केट से कमजोरी के संकेत मिल रहे हैं। अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान बड़ी गिरावट का शिकार हो गए। हालांकि डाउ जॉन्स फ्यूचर्स बढ़त के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजार भी पिछले सत्र के दौरान लगातार दबाव में कारोबार करने के बाद मिले-जुले परिणाम के साथ बंद हुए। एशियाई बाजारों में भी बिकवाली का दबाव बना हुआ है।

स्लो डाउन और महंगाई की चिंता के कारण पिछले सत्र के दौरान अमेरिकी बाजार में घबराहट का माहौल बना रहा, जिसके कारण वॉल स्ट्रीट के सूचकांक गिरावट के साथ बंद हुए। डाउ जॉन्स 750 अंक टूट गया। इसी तरह एसएंडपी 500 इंडेक्स ने 102.55 अंक यानी 1.68 प्रतिशत की गिरावट के साथ 6,014.97 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा नैस्डेक 428.87 अंक यानी 2.15 प्रतिशत फिसल कर 19,533.49 अंक के स्तर पर बंद हुआ। डाउ जॉन्स फ्यूचर्स फिलहाल 180.47 अंक यानी 0.42 प्रतिशत की मजबूती के साथ 45,608.49 अंक के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है।

यूरोपीय बाजार में भी पिछले सत्र के दौरान लगातार दबाव बन रहा। एफटीएसई इंडेक्स 0.04 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 8,659.37 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह डीएएक्स इंडेक्स ने 0.12 प्रतिशत की गिरावट के साथ 22,287.56 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। दूसरी ओर, सीएसी इंडेक्स 0.39 प्रतिशत की बढ़त के साथ 8,154.51 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

एशियाई बाजारों में भी बिकवाली का दबाव बना हुआ है। एशिया के 9 बाजारों में से 7 के सूचकांक गिरावट के साथ लाल निशान में कारोबार कर रहे हैं, जबकि एक सूचकांक मजबूती के साथ हरे निशान में बना हुआ है। टोक्यो स्टॉक एक्सचेंज में छुट्टी होने की वजह से निक्केई इंडेक्स में कोई हलचल नहीं है। एशियाई बाजारों में से इकलौता स्ट्रेट्स टाइम्स इंडेक्स फिलहाल 0.31 प्रतिशत की तेजी के साथ 3,942.10 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

दूसरी ओर, गिफ्ट निफ्टी 174.50 अंक यानी 0.77 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 22,617.50 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह ताइवान वेटेड इंडेक्स 154.17 अंक टूट कर 23,576.08 अंक के स्तर पर पहुंच गया है। सेट कंपोजिट इंडेक्स में बड़ी गिरावट नजर आ रही है।

फिलहाल ये सूचकांक 1.16 प्रतिशत टूट कर 1,231.75 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। इसी तरह हैंग सेंग इंडेक्स 129.10 अंक यानी 0.55 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 23,348.82 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसके अलावा कोस्पी इंडेक्स 0.64 प्रतिशत लुढ़क कर 2,637.54 अंक के स्तर पर, जकार्ता कंपोजिट इंडेक्स 0.58 प्रतिशत टूट कर 6,763.69 अंक के स्तर पर और शंघाई कंपोजिट इंडेक्स 0.11 प्रतिशत की गिरावट के साथ 3,375.29 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहे हैं।

सिनेमाघरों के बाद ओटीटी पर रिलीज होगी इमरजेंसी

मुंबई (ईएमएस)। बालीवुड की पंगा क्वीन के नाम से मशहूर कंगना रनौत की फिल्म इमरजेंसी सिनेमाघरों के बाद अब ओटीटी पर रिलीज होने जा रही है। पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी पर बनी यह फिल्म 17 मार्च से नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम होगी। इसकी जानकारी कंगना ने खुद सोशल मीडिया पर दी। उन्होंने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर फिल्म इमरजेंसी और इंदिरा गांधी की तस्वीर शेयर करते हुए इसकी ओटीटी रिलीज डेट का ऐलान किया। फिल्म ह्यइमरजेंसीह्न को लेकर शुरूआत से ही विवाद रहा। इसे 6 सितंबर 2024 को सिनेमाघरों में रिलीज किया जाना था, लेकिन 1 सितंबर को सेंसर बोर्ड ने इसे सर्टिफिकेट देने से इनकार कर दिया। इस फैसले से कंगना काफी आहत हुईं और उन्होंने बॉम्बे हाई कोर्ट में याचिका दायर की। कोर्ट ने सेंसर बोर्ड को निर्देश दिए कि वह 18 सितंबर तक फिल्म से जुड़े सभी आपत्तियों को दूर कर प्रमाणपत्र जारी करे। आखिरकार, तमाम विवादों के बाद यह फिल्म 17 जनवरी 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज हुई, लेकिन बॉक्स ऑफिस पर खास प्रदर्शन नहीं कर सकी। एक रिपोर्ट के मुताबिक, इमरजेंसी ने भारतीय बॉक्स ऑफिस से महज 18.35 करोड़ रुपये की कमाई की, जबकि वर्ल्डवाइड इसका कलेक्शन 23.75 करोड़ रुपये रहा। हालांकि, कंगना की यह ड्रीम प्रोजेक्ट फिल्म दर्शकों को प्रभावित करने में नाकाम रही। अब ओटीटी पर इसके प्रदर्शन से उम्मीदें हैं कि ज्यादा दर्शक इसे देख सकेंगे। फिल्म की स्टार कास्ट की बात करें तो इसमें कंगना रनौत के अलावा अनुपम खेर, श्रेयस तलपड़े, अशोक छाबड़ा, महिमा चौधरी, मिलिंद सोमन, विशाक नायर और सतीश कौशिक ने अहम किरदार निभाए हैं।

फिल्मों में मुस्लिम विलेन दिखाया जाना हो गया उबाऊ : अब्बास टायरवाला

मुंबई (ईएमएस)। बॉलीवुड के डायलॉग राइटर अब्बास टायरवाला ने कहा कि उन्हें अब फिल्मों में बार-बार मुस्लिम विलेन दिखाया जाना उबाऊ लगने लगा है। अब्बास टायरवाला का मानना है कि अब फिल्म लेखन का दौर पहले से काफी बदल गया है। उन्हें लगता है कि अब हर डायलॉग लिखते समय बहुत सावधानी बरतनी पड़ती है, क्योंकि हर चीज को राजनीतिक नजरिए से देखा जाने लगा है। उन्होंने कहा, ह्यपहले फिल्में इंडिविजुअलिस्टिक फिल्ममेकर्स बनाते थे। मैंने अपनी सोच के लोगों के साथ काम किया है, लेकिन अब ऐसा वक्त आ गया है कि जब किसी फिल्म का पॉलिटिकल स्टैंड देखकर मुझे घिन आने लगती है। अब एक और मुस्लिम विलेन देखकर बोरियत होने लगी है। यह सिर्फ इसलिए नहीं है क्योंकि मैं खुद हिंदुस्तानी मुसलमान हूं, बल्कि यह रिपीटेशन अब थकाने वाला हो गया है। अब्बास टायरवाला इन दिनों साउथ इंडस्ट्री की बाइलिंगुअल फिल्म हरी हारा वीरा मल्लू पर काम कर रहे हैं, जिसमें पवन कल्याण मुख्य भूमिका में हैं और बॉबी देओल औरंगजेब की भूमिका निभा रहे हैं। उन्होंने बताया कि इस फिल्म में इतिहास के तथ्यों को दिखाने में मुश्किलें आती हैं। उन्होंने कहा, अगर औरंगजेब को दिखाया जा रहा है, तो उसकी क्रूरता भी दिखाई जाएगी, लेकिन हमें यह भी ध्यान रखना पड़ता है कि इतिहास को कितना बढ़ा-चढ़ाकर पेश किया जाए। यह मेरे लिए एक चुनौती है। मैं एक इंडियन मुस्लिम और सेक्युलर इंसान होने के नाते चाहता हूं कि पुराने जख्म न कुरेदे जाएं, लेकिन एक लेखक के तौर पर मेरी कोशिश होती है कि सच्चाई के साथ न्याय कर सकूं। अब्बास टायरवाला ने बताया कि अब फिल्म लेखन में बैलेंस बनाना बहुत जरूरी हो गया है। उन्होंने कहा, पहले ऐसा दौर नहीं था कि हर जगह एक पॉलिटिकल विचारधारा हावी हो, लेकिन अब आपको हर शब्द को तौलना पड़ता है। बड़ी फिल्मों के डायलॉग का क्या असर होगा, इस पर सोचना जरूरी हो गया है। पहले इतनी जिम्मेदारी का अहसास नहीं होता था, लेकिन अब यह जरूरी हो गया है।

डिश को लेकर विकास खन्ना ने लगा दी आयशा जुल्का की क्लास

मुंबई (ईएमएस)। हाल ही में सेलिब्रिटी मास्टरशेफ शो में एक बड़ा ट्विस्ट देखने को मिला, जब बॉलीवुड अभिनेत्री आयशा जुल्का ने बतौर वाइल्ड कार्ड कंटेस्टेंट एंट्री ली। हालांकि, शो में आते ही उनकी एक डिश को लेकर विकास खन्ना ने उनकी क्लास लगा दी, जिससे वह थोड़ी असहज नजर आईं। शो के एक हालिया प्रोमो में दिखाया गया कि प्रतियोगियों को दो ग्रुप में बांटकर मास्टरशेफ-स्टाइल थिएटर भोजन तैयार करने की चुनौती दी गई। इसमें दर्शकों को मास्टरशेफ करेंसी के जरिए व्यंजन खरीदने का मौका दिया गया। इस चैलेंज की घोषणा होते ही सीनियर एक्ट्रेस उषा नाडकर्णी ने मजाक में कहा, इनका चैलेंज, हमारी टेंशन। इसके बाद प्रतियोगियों ने अपनी-अपनी टीमों के लिए डिश तैयार करने का काम शुरू कर दिया। लेकिन टास्क के दौरान कुछ कंटेस्टेंट्स गड़बड़ी कर बैठे, जिससे टीम हार गई और उन्हें शो से बाहर जाना पड़ा। इसी दौरान शो में कुछ दिलचस्प और मजेदार पल भी देखने को मिले। निक्की तंबोली ने तेजस्वी प्रकाश को बताया कि उनकी चॉकलेट ज्यादा पक गई है, जिससे तेजस्वी उसे फेंकने के लिए तैयार हो गईं। वहीं, अर्चना गौतम और उषा नाडकर्णी के बीच हल्की-फुल्की नोकझोंक देखने को मिली। उषा ने शिकायत की कि अर्चना हमेशा उन्हें ही हर काम सौंप देती हैं। जब शो के जज रणवीर बरार और विकास खन्ना कंटेस्टेंट्स के बनाए हुए भोजन को चखने पहुंचे, तो रणवीर ने आयशा जुल्का से उनके डिश की कीमत पूछी। इस पर आयशा ने जवाब दिया कि वह इसे मुफ्त में परोसेंगी। यह सुनते ही विकास खन्ना ने मजाकिया अंदाज में कहा, इसे कोई फ्री में भी न खाए। उनकी इस टिप्पणी से आयशा थोड़ी असहज हो गईं। सेलिब्रिटी मास्टरशेफ में हर एपिसोड के साथ कुछ न कुछ नया देखने को मिल रहा है। टास्क के दौरान प्रतियोगियों की मेहनत, जजेस की सख्ती और कंटेस्टेंट्स के बीच हंसी-मजाक इसे दर्शकों के लिए और भी दिलचस्प बना रहा है। बता दें कि कुकिंग रियलिटी शो सेलिब्रिटी मास्टरशेफ इन दिनों काफी सुर्खियां बटोर रहा है। फराह खान, विकास खन्ना और रणवीर बरार के जज बनने के कारण यह शो और भी रोमांचक हो गया है। यह शो न केवल स्टार्स की कुकिंग स्किल्स को सामने ला रहा है, बल्कि मनोरंजन का जबरदस्त तड़का भी दे रहा है।

फिल्म ओडेला 2 का महाकुंभ में भव्य टीजर लॉन्च

तमन्ना भाटिया की आगामी फिल्म ओडेला 2 का टीजर प्रयागराज में चल रहे महाकुंभ मेले में भव्य तरीके से लॉन्च किया गया। यह पहली बार हुआ है कि किसी फिल्म का टीजर इतने बड़े धार्मिक आयोजन में रिलीज किया गया हो। तमन्ना इस फिल्म में एक शक्तिशाली नागा साधु की भूमिका निभा रही हैं, और उनके इस अनोखे अवतार ने दर्शकों को रोमांचित कर दिया है। फिल्म के पहले पोस्टर में ही तमन्ना का लुक काफी प्रभावशाली नजर आया था, जिससे फैंस की उत्सुकता बढ़ गई थी। टीजर लॉन्च के दौरान उन्होंने कहा कि यह फिल्म अच्छाई और बुराई के बीच की शाश्वत लड़ाई को दशार्ती है, जिसमें वह एक सशक्त और आत्मनिर्भर नायिका के रूप में नजर आएंगी। टीजर के लॉन्च होते ही यह सोशल मीडिया पर वायरल हो गया, और फैंस ने तमन्ना की जबरदस्त स्क्रीन प्रेजेंस की जमकर तारीफ की। फिल्म में दमदार विजुअल्स और एक अनोखी कहानी होने की उम्मीद जताई जा रही है। ओडेला 2 जल्द ही सिनेमाघरों में दस्तक देने वाली है और इसके जरिए तमन्ना अपने करियर में एक नया आयाम जोड़ने जा रही हैं।

मुंबई से आया मेरा दोस्त के लिए हां कहने में अभिषेक ने लगाए थे छह महीने

मुंबई (ईएमएस)। हाल ही में निर्देशक अपूर्वा लखिया ने एक पुराने किस्से को साझा किया, जब उन्होंने अपनी पहली फिल्म मुंबई से आया मेरा दोस्त के लिए अभिनेता अभिषेक बच्चन को लीड रोल ऑफर किया था। अपूर्वा लखिया ने बताया कि पहलाज निहलानी के बेटे विक्की निहलानी ने इस फिल्म को प्रोड्यूस करने की पेशकश की थी। जब उन्होंने अभिषेक से संपर्क किया, तो अभिनेता को स्क्रिप्ट पसंद आई, लेकिन फिल्म को लेकर बातचीत छह महीने तक चलती रही।

इस दौरान अपूर्वा को लगने लगा कि अभिषेक फिल्म के लिए हां कर देंगे, क्योंकि कई बार मुलाकात हो चुकी थी। उन्होंने इस मुलाकातों का एक दिलचस्प किस्सा साझा किया कि पहले अभिषेक ने सिर्फ पानी ऑफर किया, फिर कैप्पुचीनो, फिर ड्राई फ्रूट्स, और जब सैंडविच ऑफर किया तो लगा कि फिल्म फाइनल हो जाएगी। हालांकि, छह महीने बाद अभिषेक ने फिल्म करने से मना कर दिया। इस पर अपूर्वा बेहद नाराज हो गए और स्क्रिप्ट छीनकर वहां से चले गए। एक हफ्ते बाद, अभिषेक के सेक्रेटरी का फोन आया और उन्होंने अपूर्वा को घर बुलाया। जब अपूर्वा पहुंचे तो इस बार सिर्फ पानी ऑफर किया गया। उन्होंने बताया कि अभिषेक ने पूछा, क्या तुम मुझसे नाराज हो? इस पर अपूर्वा ने स्पष्ट रूप से कहा कि वह नाराज हैं, क्योंकि उन्होंने छह महीने फिल्म के लिए इंतजार किया और किराए तक की चिंता करनी पड़ी। अपूर्वा के इस जवाब के बाद अभिषेक ने कुछ देर सोचा और फिर पूछा, तुम फिल्म कब शुरू करना चाहते हो? यह सुनकर अपूर्वा को विश्वास नहीं हुआ, लेकिन यहीं से दोनों के बीच एक गहरी दोस्ती की शुरूआत हुई। अपूर्वा ने कहा कि अभिषेक ने उनकी ईमानदारी और स्टैंड लेने की आदत को पसंद किया और इस वजह से उन्होंने फिल्म करने का फैसला किया।

वीर पहाड़िया ने ट्रोलिंग पर दिया मजेदार जवाब

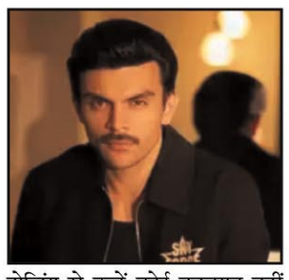

अक्षय कुमार और सारा अली खान के साथ फिल्म स्काई फोर्स से बॉलीवुड में डेब्यू करने वाले वीर पहाड़िया सोशल मीडिया पर अपने डांस स्टेप को लेकर ट्रोल हो रहे हैं। फिल्म बॉक्स ऑफिस पर खास प्रदर्शन नहीं कर पाई, लेकिन वीर को इससे अच्छी पहचान मिल गई है। हालांकि, उनके एक डांस स्टेप को लेकर इंटरनेट पर खूब मजाक बनाया जा रहा है, जिसे लेकर अब खुद वीर ने मजेदार प्रतिक्रिया दी है। हाल ही में दिए एक इंटरव्यू में वीर ने कहा कि ट्रोलिंग से उन्हें कोई नुकसान नहीं हुआ, बल्कि फायदा ही मिला है। उन्होंने मजाक में कहा, इससे मेरी सोशल मीडिया इंगेजमेंट बढ़ गई है। अब तक मैं दो शादियों में परफॉर्म कर चुका हूं और दुल्हन के साथ वही लंगड़ी स्टेप भी कर चुका हूं। उन्होंने आगे कहा, अगर दो बार और कर लेता, तो शायद दुल्हन मेरी होती। वीर ने ट्रोलर्स को जवाब देते हुए कहा, जो ट्रोल कर रहे हैं, प्लीज और करो। मुझे इससे कोई फर्क नहीं पड़ता, बल्कि यह मेरे लिए अच्छा ही साबित हो रहा है। सोशल मीडिया पर उनके स्टेप पर कई मीम्स और रील्स बन रहे हैं, लेकिन वीर इसे पूरी तरह सकारात्मक तरीके से ले रहे हैं।

चिरंजीवी ने पत्नी सुरेखा संग मनाई 45वीं वेडिंग एनिवर्सरी

साउथ सुपरस्टार चिरंजीवी ने हाल ही में अपनी पत्नी सुरेखा कोनिडेला के साथ शादी की 45वीं सालगिरह धूमधाम से सेलिब्रेट की। इस खास मौके पर उन्होंने अपने करीबी दोस्तों और परिवार संग प्राइवेट जेट में जश्न मनाया। चिरंजीवी ने इस शानदार जश्न की तस्वीरें अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर शेयर की, जिसमें उनकी खुशी साफ झलक रही है। शेयर की गई तस्वीरों में चिरंजीवी और सुरेखा नागार्जुन, अमला अक्किनेनी, नम्रता शिरोडकर और अन्य दोस्तों के साथ पोज देते नजर आ रहे हैं। एक्टर ने पोस्ट के जरिए बताया कि वे सभी इस खास अवसर को सेलिब्रेट करने के लिए दुबई जा रहे हैं। फैंस को यह खास जश्न काफी पसंद आ रहा है और वे कपल को शादी की सालगिरह की ढेरों शुभकामनाएं दे रहे हैं। चिरंजीवी और सुरेखा की जोड़ी को टॉलीवुड इंडस्ट्री की सबसे आदर्श जोड़ियों में से एक माना जाता है। 45 सालों से चले आ रहे उनके रिश्ते की यह मजबूत डोर फैंस के लिए प्रेरणा है। उनकी ये शानदार एनिवर्सरी सेलिब्रेशन तस्वीरें सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रही हैं।

फिल्म जाट की डबिंग शुरू, 10 अप्रैल को होगी रिलीज

मुंबई (ईएमएस)। बालीवुड एक्टर रणदीप हुड्डा ने अपनी अगली फिल्म जाट के लिए डबिंग शुरू कर दी। फिल्म का निर्देशन गोपीचंद मालिनेनी ने किया है। फिल्म में सनी देओल, विनीत कुमार सिंह, सैयामी खेर और रेजिना कैसंड्रा भी हैं। सभी एक्टर अपनी भूमिकाओं में अपनी यूनीक इंटेंसिटी और डेप्थ लाते हैं, जिससे एक मनोरम सीन देखने का अनुभव सुनिश्चित होता है। फिल्म की एक्शन कोरियोग्राफी अनल अरासु, राम लक्ष्मण और वेंकट ने की है, जो रोमांचक युद्ध के सीन प्रदान करती है। फिल्म में थमन एस. द्वारा रचित साउंडट्रैक और फोटोग्राफी के निर्देशक के रूप में कैमरे के पीछे ऋषि पंजाबी हैं। यह फिल्म एक उच्चस्तरीय प्रोडक्शन के लिए मंच तैयार करती है, जिसे सटीकता और जुनून के साथ तैयार किया गया है। इसका संपादन नवीन नूली द्वारा किया गया है, जबकि अविनाश कोला का प्रोडक्शन डिजाइन दर्शकों को फिल्म की मनोरंजक दुनिया के दिल में ले जाएगा। मैथरी मूवी मेकर्स और पीपल मीडिया फैक्ट्री द्वारा बनी यह फिल्म 10 अप्रैल 2025 को हिंदी, तमिल और तेलुगु में रिलीज होगी। पिछले साल की शुरूआत में, रणदीप ने भारतीय स्वतंत्रता सेनानी और राजनेता वी.डी. सावरकर पर आधारित ऐतिहासिक बायोपिक स्वातंत्र्य वीर सावरकर के साथ निर्देशन में कदम रखा था। रिलीज से पहले, रणदीप ने कहा कि हिंदी फिल्म उद्योग में मेथड एक्टिंग अक्सर एक गाली-गलौज वाला शब्द है। एक्टर बीयर बाइसेप्स पॉडकास्ट पर दिखाई दिए, और कहा, मेथड एक्टिंग शब्द को बिल्कुल अलग रंग दिया गया है। एक्टर्स के चोचले दूसरे लोग झेलें, मेथड एक्टिंग का नाम दिया जाता है। उन्होंने कहा, एक्टर अक्सर कहते हैं कि मैं यह नहीं करूंगा, मैं वह नहीं करूंगा। मैं उस कलाकार से बात नहीं करूंगा जिसके साथ मैं फिल्म के लिए फाइट सीक्वेंस करने वाला हूं। बता दें कि एक्टर सरबजीत, सुल्तान, जन्नत 2, एक्सट्रैक्शन, लाल रंग और हाईवे में अपने बेहतरीन काम के लिए मशहूर है। आज रणदीप की अच्छी खासी फैंन फालोइंग है।

एआर रहमान की पूर्व पत्नी की हुई सर्जरी

मशहूर संगीतकार एआर रहमान की पूर्व पत्नी सायरा रहमान को हाल ही में एक मेडिकल इमरजेंसी के चलते अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा। उनकी बीमारी को लेकर ज्यादा जानकारी साझा नहीं की गई, लेकिन अब खबर आ रही है कि उन्हें सर्जरी से गुजरना पड़ा। गुरुवार को सायरा रहमान ने एक बयान जारी कर अपनी सेहत को लेकर अपडेट दिया। उन्होंने कहा कि वह जल्द ठीक होने की उम्मीद कर रही हैं। उनकी वकील वंदना शाह ने भी इस खबर की पुष्टि करते हुए सोशल मीडिया के जरिए जानकारी दी। हालांकि, सायरा किस बीमारी से जूझ रही हैं और उनकी सर्जरी किस कारण हुई, इस पर कोई आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है। गौरतलब है कि एआर रहमान और सायरा रहमान की शादी 2005 में हुई थी, लेकिन हाल ही में दोनों का तलाक हो चुका है। ऐसे में सायरा की तबीयत बिगड़ने की खबर ने उनके करीबी और प्रशंसकों को चिंतित कर दिया है। फैंस सोशल मीडिया पर उनके जल्द स्वस्थ होने की कामना कर रहे हैं।

सूडोकु नवताल- 7074

कठिनतम

7							4	
		5		3			7	
					8			2
					1	9		
	2						8	
		6	7					
1			4					
	9			2		5		
	8							1

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल - 7073 का हल

8	4	5	6	1	3	7	2	9
7	2	6	4	9	5	3	8	1
9	3	1	7	8	2	6	5	4
1	7	2	9	6	8	4	3	5
5	6	9	3	2	4	1	7	8
4	8	3	5	7	1	9	6	2
2	9	7	1	5	6	8	4	3
3	1	8	2	4	7	5	9	6
6	5	4	8	3	9	2	1	7

शब्दजाल - 7821

दि	क	प्र	ग	बै	शी	ल	ब	ना	क	म
ती	ल	ती	ति	रा	क	क्रां	ति	ग	कृ	धु
क्षा	ज	दि	त	ग	ल	प्र	छ	ति	आ	म
ख	क	क	या	ज	रा	पु	मि	ल	न	ति
प	जो	क	का	द	ग	म	अ	प्र	तू	ग
झ	क	ग	प्र	ल	र्द	ह	औ	पू	ना	ण
घ	को	ती	न	षी	म	लि	जा	र	व	क
दे	व	दा	स	तै	ई	धा	या	क	श्या	लो
श	प	श	बा	हि	प्र	ई	क	प्र	री	म
प	जा	ही	र	न	या	दौ	र	र्त	ऐ	ता
प	प्र	द	क	प्र	प्र	है	या	रा	बा	प्र

शब्द जाल में दिलीप कुमार की 10 फिल्मों नाम ढूंढिए. नाम उपर से नीचे एवं तिरछे भी हो सकते हैं.

मिलन, नया दौर, जोगन, शहीद, देवदास, मधुमति, दिल दिया दर्द लिया, राम और श्याम, बैराग, क्रांति

शब्दजाल - 7820 का हल

Jagrutidaur.com, Bangalore

अष्टयोग- 6774

1	2	3		5		
	22		30		38	
		4		6	7	1
7	30		38		33	
3		5	6		1	2
	39	7	43	4	25	5
4	5					3

प्रस्तुत खेल सुडोकू व जोड़ की पद्धति का मिश्रण है. खड़ी व आड़ी पंक्तियों में 1से 7 तक के अंक लिखने अनिवार्य हैं. गहरे काले वर्ग में लिखी संख्या चारों और के 8 वर्गों की संख्या का कुल योग होगी. सीधी अथवा आड़ी पंक्तियों में 1 से 7 तक के अंक होना अनिवार्य है.

अष्टयोग 6773 का हल

1	3	6	7	5	2	4
5	32	3	40	1	28	7
4	3	7	5	6	1	2
3	35	2	37	7	32	6
7	4	5	2	3	6	1
2	30	1	28	4	29	5
6	1	4	7	2	5	3

Jagrutidaur.com, Bangalore

आईसीसी चेयरमैन जय शाह ने विराट कोहली को 14 हजार वनडे रन पूरे करने पर दी बधाई

नई दिल्ली

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के अध्यक्ष जय शाह ने भारत के दिग्गज बल्लेबाज विराट कोहली को अपना 51वां एक दिवसीय अंतरराष्ट्रीय (ओडीआई) शतक बनाने और 50 ओवर के प्रारूप में 14000 रन पूरे करने पर बधाई दी।

कोहली ने रविवार को दुबई इंटरनेशनल स्टेडियम में चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान के खिलाफ आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी मैच के दौरान वनडे क्रिकेट में 14,000 रन पूरे किए, ऐसा करने वाले वे केवल तीसरे क्रिकेटर बन गए।

जय शाह ने अपने आधिकारिक सोशल मीडिया हैंडल पर कोहली के कवर ड्राइव की प्रशंसा की, जिसने उन्हें 14000 मील के पत्थर तक पहुंचाया।

उन्होंने एक्स पर लिखा, दुबई में पाकिस्तान के खिलाफ चैंपियंस ट्रॉफी मैच के दौरान 14,000 वनडे रन पार करने पर विराट कोहली को बधाई और मील के पत्थर तक पहुंचने के लिए क्या शानदार कवर ड्राइव थी।

कोहली ने 111 गेंदों पर सात चौकों की मदद से नाबाद 100 रन बनाए, जिसे देखना वाकई शानदार था। उनकी पारी 90.09 की स्ट्राइक रेट से आई, जिससे भारत ने पाकिस्तान के 241 रनों के स्कोर को आसानी से हासिल कर लिया। यह कोहली का आईसीसी वनडे मुकाबलों में छठा और आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी में पहला शतक था। वह सचिन तेंदुलकर (463 वनडे में 18,426 रन) और कुमार संगकारा (404 मैचों में 14,234 रन) के बाद यह उपलब्धि हासिल करने वाले तीसरे बल्लेबाज हैं। 299 वनडे में कोहली ने 58.20 की औसत से 51 शतकों और 73 अर्द्धशतकों के साथ 14,085 रन बनाए हैं। भारत-पाकिस्तान चैंपियंस ट्रॉफी के मुकाबले में पाकिस्तान ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। पाकिस्तान की शुरुआत अच्छी रही और बाबर आजम (26 गेंदों में पांच चौकों की मदद से 23 रन) ने 41 रन की ओपनिंग साझेदारी में कुछ बेहतरीन ड्राइव लगाए। हालांकि, इसके बाद पाकिस्तान ने 47 रनों पर दो विकेट खो दिये। यहां से कप्तान मोहम्मद रिजवान (77 गेंदों में तीन चौकों की मदद से 46 रन) खुशदिल शाह (39 गेंदों में 38 रन, दो छक्कों की मदद से), सलमान आगा (19) और नसीम शाह (14) की पारियों की बदौलत पाकिस्तान की टीम 49.4 ओवर में 241 रन पर ढेर हो गई।

न्यूज ब्रीफ

पंजाब किंग्स को जीत दिलाना है लक्ष्य : पोंटिंग

नई दिल्ली। आईपीएल टीम पंजाब किंग्स के नये मुख्य कोच रिकी पोंटिंग ने कहा है कि उनका लक्ष्य इस बार इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 18 वें सत्र मे टीम खिताब जिताना है। इसी कारण उन्होंने मेगा नीलामी में श्रेयस अय्यर, अर्शदीप सिंह और युजवेंद्र चहल जैसे खिलाड़ियों को मोटी कीमत पर खरीबा पोंटिग ने कहा कि उनका लक्ष्य इस इस बार टीम को खिताबी जीत दिलाना रहेगा। इसी कारण इन खिलाड़ियों को लिया गया है। श्रेयस को पंजाब किंग्स ने 26.75 करोड़ रुपये में जबकि लेग स्पिनर युजवेंद्र चहल को 18 करोड़ रुपए में खरीदा। वहीं अर्शदीप को आरटीएम कार्ड के जरिये 18 करोड़ रुपये में जोड़ा। पोंटिंग ने कहा कि मैं एक ऐसे कप्तान को भी लाना चाहता था जिसके साथ मैंने पहले काम किया हो और जिसे काफी सफलता मिली हो। इसलिए हमने कोलकाता नाइटराइडर्स के कप्तान रहे श्रेयस को खरीद। मैं चहल को भी लाना चाहता था। इस प्रकार अब हमारे पास काफी कुशल खिलाड़ी हो गये हैं। पंजाब किंग्स की टीम अभी तक कोई आईपीएल खिताब नहीं जीत पायी है। टीम ने साल 2014 में फाइनल में प्रवेश किया था पर वहां हार गयी थी। टीम दो बार प्लेऑफ में पहुंची है। वहीं 2008 में सेमीफाइनल तक वह पहुंची थी। टीम के लिए पिछले कुछ सत्र बेहद खराब रहे हैं। 2015 के बाद से ही टीम एक बार भी प्लेऑफ में नहीं पहुंची है।

इंडियन वेल्स टेनिस टूर्नामेंट में हिस्सा लेंगे नोवाक जोकोविच

नई दिल्ली। सर्बिया के स्टार टेनिस खिलाड़ी नोवाक जोकोविच एटीपी 1000-स्तरीय टूर्नामेंट इंडियन वेल्स में खेलेंगे। टूर्नामेंट के आयोजकों ने एक्स पर लिखा, एक दिग्गज रेगिस्तान में लौट आया है, जिससे इस बात की चिंता समाप्त हो गई कि वह खेलेंगे या नहीं। 24 बार के ग्रैंड स्लैम विजेता पिछले महीने अलेक्जेंडर जेवेरेव के खिलाफ ऑस्ट्रेलियाई ओपन सेमीफाइनल से हैमस्ट्रिंग की समस्या के कारण रिटायर्ड हो गए थे।वह पिछले हफ्ते कतर ओपन के पहले दौर में हार गए थे। 37 वर्षीय खिलाड़ी ने कहा कि उन्होंने दोहा में बिना दर्द के खेला, लेकिन उनके निराशाजनक प्रदर्शन ने प्रशंसकों के बीच चिंता पैदा कर दी कि वह दक्षिणी कैलिफोर्निया के इस आयोजन में नहीं खेलेंगे। पांच बार के इंडियन वेल्स विजेता जोकोविच का लक्ष्य पेशेवर युग में जिमी कोनर्स (109) और रोजर फेडरर (103) के बाद 100 एकल खिताब जीतने वाला तीसरा खिलाड़ी बनना होगा।

पांच मई से एक बार फिर टेनिस कोट में खेलते दिखेंगे सिनर, दिग्गज खिलाड़ियों ने खेल के लिए निराशानजक बताया

लंदन। विश्व के नंबर एक खिलाड़ी यानिक सिनर अब पांच मई से एक बार फिर टेनिस कोर्ट पर खेलते नजर आयेंगे। सिनर सभी ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट खेल पाएंगे और उन्होंने विश्व में जो नंबर एक रैंकिंग हासिल की थी वह भी पहले की तरह ही रहेगी। सिनर को गत वर्ष मई में प्रतिबंधित एनाबॉलिक स्टेरॉयड के सेवन का दोषी पाया गया था जिसके बाद से ही वह निलंबित चल रहे थे पर हाल ही में उनका उनका विश्व डोपिंग रोधी एजेंसी (वाडा) से समझौत हो गया था। इससे बाद उन्हें केवल तीन माह ही निलंबन में और गुजारने होंगे। इस दौरान उनके जीते खिताब ओर ईनामी राशि भी वापस नहीं ली जाएगी। वहीं विश्व के कई दिग्गज टेनिस खिलाड़ी इस प्रकार के फैसले से नाराज हैं। इन खिलाड़ियों का का मानना है कि डोपिंग मामले में इस प्रकार का समझौता सही नहीं है। इससे खेलों में डापिंग को बढ़ावा मिलेगा। वहीं जो खिलाड़ी इस प्रकार के कामों में लिप्त नहीं होते उन्हें ये अपने साथ धोखा लगेगा क्योंकि डोपिंग में लिप्त खिलाड़ी भी उन्हीं के बराबर में आ जाएंगे। ऐसे में लोग सभी को समान मानेंगे। इसी को लेकर तीन बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन स्विटजरलैंड के स्टैन वावरिंका ने सोशल मीडिया में लिखा, 'खेल में पारदर्शिता नहीं रहेगी। वहीं विंबलडन उपविजेता निक किर्गियोस ने कहा, 'टेनिस में अब निष्पक्षता पर सवाल उठे। सिनर की टीम ने केवल तीन महीने का प्रतिबंध लगाने के लिए अपनी तरफ से पूरी शक्ति लगा दी। उन्हें स्टार खिलाड़ी होने का लाभ मिला जो गलत तरीका है। वहीं दानिल मेदवेदेव ने कहा कि अब हर कोई डोपिंग में लिप्त होने के बाद इसी प्रकार से समझौते करेगा।

2026 एशियाड में अब 11 ईस्पोर्ट्स खिताबों के लिए मुकाबले होंगे : ओसीए

नई दिल्ली

एशियाई ओलंपिक परिषद (ओसीए) ने ईस्पोर्ट्स कार्यक्रम का विस्तार कर दिया है। इसमें अब 11 खिताबों के लिए मुकाबले होंगे। इससे भारत की पदक जीतने की उम्मीदें बढ़ी हैं। भारतीय खेल महासंघ के निदेशक और एशियाई खेल महासंघ के उपाध्यक्ष लोकेश सूजी ने कहा, "ओसीए का 11 खिताबों तक विस्तारित करने का फैसला भारत के लिए लाभदायक रहेगा।

इससे पहले ओसीए के कार्यकारी बोर्ड ने चीन के हार्बिन में अपनी बैठक के दौरान स्ट्रीट फाइटर 6, पोकेमॉन यूनाइट, ऑनर ऑफ किंग्स, लीग ऑफ लीजेंड्स - एशियाई खेलों का संस्करण, पबजी - एशियाई खेलों का संस्करण, मोबाइल लीजेंड्स - बैंग बैंग, नाराका: ब्लेडपॉइंट, ग्रैन टूरिज्मो 7, ईफुटबॉल सीरीज और पुयो पुयो चैंपियंस को 2026 एशियाई खेलों में पदक स्पर्धाओं के रूप में शामिल करने की सहमति दी थी। गौरतलब है कि 2022 हांग्झोउ एशियाई खेलों में ईस्पोर्ट्स ने सात खिताबों के साथ आधिकारिक पदक स्पर्धा के रूप में शुरुआत की थी। भारत ने इनमें से केवल चार में भाग लिया था क्योंकि भारत में अन्य स्पर्धाएं प्रतिबंधित थी। भारतीय खेल महासंघ के निदेशक और एशियाई ईस्पोर्ट्स महासंघ के उपाध्यक्ष लोकेश सूजी ने कहा कि ओसीए का ईस्पोर्ट्स कार्यक्रम को 11 खिताबों तक बढ़ाने का फैसला भारत के लिए शानदार कदम है।

जीत के क्रम को इंग्लैंड के खिलाफ दोहराने उतरेगी भारतीय पुरुष हॉकी टीम

भुवनेश्वर। आयरलैंड के खिलाफ लगातार दो जीत के बाद आत्मविश्वास से ओतप्रोत भारतीय पुरुष हॉकी टीम अपने से ऊंची रैंकिंग वाली इंग्लैंड टीम के खिलाफ सोमवार को एफआईएच प्रो लीग के मैच में इसी लय को कायम रखने के इरादे से उतरेगी। टूर्नामेंट में औसत शुरुआत के बाद जीत की राह पर लौटी भारतीय टीम छह मैचों में 12 अंक लेकर फिलहाल चौथे स्थान पर है और घरेलू चरण पूरा होने से पहले और सफलता अर्जित करना चाहेगी। दूसरी ओर इंग्लैंड छह मैचों में 13 अंक लेकर तीसरे स्थान पर है जिसे पिछले मैच में स्पेन ने 4-1 से हराया। पेरिस ओलंपिक की कांस्य पदक विजेता भारतीय टीम ने नए सत्र में आशातीत शुरुआत नहीं की। स्पेन और जर्मनी के खिलाफ भारत को मिली जुली सफलता मिली। स्पेन ने उसे 3-1 से हराया जबकि पेरिस खेलों में कांस्य पदक के मुकाबले में भारत ने इसी स्पेनिश टीम को मात दी थी। रिटर्न मैच में भारत ने हालांकि स्पेन पर 2-0 से जीत दर्ज की। पेनल्टी कॉर्नर भारत की कमजोर कड़ी बना हुआ है और इसी वजह से जर्मनी ने उसे 4-1 से हराया। कप्तान और अनुभवी ड्रैग फ्लिकर हरमनप्रीत सिंह की वापसी से हालांकि भारत ने दूसरे मैच में एक गोल से जीत हासिल की। आयरलैंड पर दोनों मैचों में जीत के बाद भारत का मनोबल बढा होगा। भारत के लिये मनदीप सिंह, जरमनप्रीत सिंह, सुखजीत सिंह, नीलम सेस, अभिषेक और शमशेर ने पिछले दो मैचों में 3-1 और 4-0 से मिली जीत में गोल दागे। वहीं इंग्लैंड ने शूटआउट में जीत दर्ज करने के बाद स्पेन के खिलाफ दूसरा मुकाबला 1-4 से गंवा दिया। दुनिया की तीसरे नंबर की टीम अब पांचवीं रैंकिंग वाली भारतीय टीम के खिलाफ जीत की राह पर लौटने को बेताब होगी। इंग्लैंड की उम्मीदों का दारोमदार अनुभवी सैम वार्ड पर होगा जो अब तक लीग के इस सत्र में नौ गोल कर चुके हैं और सर्वाधिक गोल करने वाले खिलाड़ियों की सूची में दूसरे स्थान पर हैं। इंग्लैंड के लिये हालांकि भारत की रक्षापंक्ति को भेदना उतना आसान नहीं होगा जो प्रो लीग 2024-25 में बेहतरीन फॉर्म में है। भारत ने अब तक सिर्फ आठ गोल गंवाये हैं और नौ टीमों में वह सबसे कम गोल गंवाने वाली टीम है।

डच फुटबॉल क्लब फेयेनोर्ड के मुख्य कोच बने रॉबिन वैन पर्सी

द हेग

डच फुटबॉल क्लब फेयेनोर्ड ने अपने पूर्व खिलाड़ी रॉबिन वैन पर्सी को तत्काल प्रभाव से मुख्य कोच नियुक्त किया है। 42 वर्षीय वैन पर्सी, एससी हीरेनवीन से ब्रायन प्रिस्के की जगह लेंगे, जिन्हें 10 फरवरी को बर्खास्त कर दिया गया था। अंतरिम रूप से पास्कल बॉसचार्ट टीम का नेतृत्व कर रहे थे।

नीदरलैंड की राष्ट्रीय टीम के सर्वकालिक शीर्ष स्कोरर वैन पर्सी ने 2027 के मध्य तक फेयेनोर्ड के साथ अनुबंध पर हस्ताक्षर किए हैं। क्लब ने सहायक कोच के रूप में रेने हेक को भी शामिल किया है, जिन्होंने पहले मैनचेस्टर यूनाइटेड में एरिक टेन हाग के सहायक के रूप में काम किया था। फेयेनोर्ड के महाप्रबंधक डेनिस ते क्लोसे ने कहा, हमें खुशी है कि हम क्लब के एक सच्चे आइकन को मुख्य कोच के रूप में नियुक्त कर रहे हैं। रॉबिन क्लब को अच्छी तरह से जानते हैं और सफलता के लिए आवश्यकताओं को समझते हैं।

खिलाड़ी से कोच तक का सफर

रॉटरडैम में जन्मे वैन पर्सी ने फेयेनोर्ड की युवा अकादमी से आगे बढ़ते हुए 2001-02 सीज़न में पहली टीम में अपनी शुरुआत की और उसी वर्ष टीम को यूईएफए कप जिताने में मदद की।

2004 में वे आर्सेनल गए, जहां उन्होंने दुनिया के शीर्ष स्ट्राइकरों में अपनी पहचान बनाई। इसके बाद उन्होंने मैनचेस्टर यूनाइटेड के साथ प्रीमियर लीग जीती और तुर्की के फेनरबाश में अपने खेल करियर का समापन किया। 2019 में वे फेयेनोर्ड में लौटे और वहां सेवानिवृत्त हुए।

सेवानिवृत्ति के बाद वैन पर्सी ने फेयेनोर्ड में कोचिंग करियर की शुरुआत की और विभिन्न युवा टीमों को प्रशिक्षित किया। 2024 की गर्मियों में, उन्होंने एससी हीरेनवीन में मुख्य कोच के रूप में अपनी पहली बड़ी जिम्मेदारी संभाली। हालांकि, उनकी टीम का प्रदर्शन मिश्रित रहा, लेकिन उनकी आक्रामक खेल शैली ने ध्यान आकर्षित किया।

बड़ी चुनौतियों का सामना

फेयेनोर्ड के नए मुख्य कोच के रूप में वैन पर्सी को कई चुनौतियों का सामना करना पड़ेगा। क्लब वर्तमान में इरेडिविसी में अजाक्स और पीएसवी के पीछे तीसरे स्थान पर है। वहीं, मार्च में टीम का मुकाबला चैंपियंस लीग के 16वें दौर में इंटर मिलान से होगा।

मनु की अगुवाई में आईएसएसएफ विश्व कप निशानेबाजी में उतरेगी भारतीय टीम

दक्षिण अमेरिका में अप्रैल में होने वाले सत्र के पहले आईएसएसएफ अंतरराष्ट्रीय निशानेबाजी विश्व कप में 35 सदस्यीय भारतीय टीम का नेतृत्व स्टार महिला विजेता निशानेबाज मनु भाकर करेंगी। आईएसएसएफ निशानेबाजी विश्वकप सत्र दक्षिण अमेरिका में विश्व कप के साथ शुरू होगा और इसमें दो चरण होंगे। इसका चरण अर्जेंटीना के ब्यूनस आयर्स में एक से 11 अप्रैल और दूसरा पेरू के लीमा में 13 से 22 अप्रैल के बीच खेला जायेगा। ओलंपिक पदक विजेता मनु विश्व कप में महिलाओं की एयर पिस्टल और 25 मीटर पिस्टल स्पर्धा में भाग लेंगी। उनके साथ ओलंपियन अनीश भानवाला और विजयवीर सिद्धू पुरूषों की 25 मीटर रैपिड फायर पिस्टल में भाग लेंगे। वहीं ऐशा सिंह महिलाओं की 25 मीटर पिस्टल, ऐश्वर्य प्रताप सिंह तोमर पुरूषों की 50 मीटर राइफल थ्री पोजिशंस, सिफत कौर सामरा और श्रेयांका साडंगी महिलाओं की 50 मीटर राइफल थ्री पोजिशंस में उतरेंगे।

मुंबई के निखिल पाटिल ने जीता 2025 का भारतीय खेल फोटोग्राफी पुरस्कार

बेंगलुरु

मुंबई के जाने-माने फोटोग्राफर निखिल पाटिल ने भारतीय खेल फोटोग्राफी पुरस्कार (आईएसपीए) 2025 जीतकर देश में खेल फोटोग्राफी के क्षेत्र में नया कीर्तिमान स्थापित किया। उन्हें यह प्रतिष्ठित पुरस्कार भारतीय फुटबॉल टीम के कप्तान सुनील छेत्री के 100वें अंतरराष्ट्रीय मैच के ऐतिहासिक क्षण को शानदार तरीके से कैद करने के लिए प्रदान किया गया।

बेंगलुरु इंटरनेशनल सेंटर में हुआ भव्य आयोजन - आईएसपीए 2025 का आयोजन बेंगलुरु इंटरनेशनल सेंटर में हुआ, जहां देश के बेहतरीन खेल फोटोग्राफरों को सम्मानित किया गया। इस मौके पर महिला खेल श्रेणी में नेहा गनेरीवाल और क्रिकेट श्रेणी में संदीप परशुराम पंगेरकर को क्रमश: दूसरा और तीसरा स्थान मिला।

गगन नारंग की अध्यक्षता में हुआ निर्णायक मंडल का गठन - इस प्रतिष्ठित पुरस्कार के लिए प्रविष्टियों का मूल्यांकन ओलंपिक पदक विजेता गगन नारंग की अध्यक्षता में किया गया। हालांकि वह व्यक्तिगत रूप से उपस्थित नहीं हो सके, लेकिन प्रसिद्ध खेल पत्रकार शारदा उग्रा ने उनकी ओर से विजेताओं की घोषणा की।

गगन नारंग ने दी विजेताओं को बधाई - गगन नारंग ने वर्चुअली संबोधित करते हुए कहा, खेल फोटोग्राफी सिर्फ़ एक्शन को कैप्चर करने तक सीमित नहीं है, बल्कि यह उन पलों को संजोने का जरिया है जो एक कहानी कहते हैं, पीढ़ियों को प्रेरित करते हैं और खेल भावना का जश्न मनाते हैं। इस साल के विजेताओं ने अपनी तस्वीरों के माध्यम से यही दिखाया है - हर फ्रेम एक गहरी कहानी बयां करता है।

उन्होंने विजेता छवियों पर चर्चा करते हुए कहा, सुनील छेत्री द्वारा भीड़ को धन्यवाद देने का पल समर्पण और जुनून को दर्शाता है। क्रिकेट की तस्वीर में सभी विषयों को हवा में दिखाया गया है, जो खेल की गति और ऊर्जा को खूबसूरती से उकेरती है। साइमन बाइल्स की तस्वीर कठिन पलों को कैद करते हुए हमें यह सोचने पर मजबूर करती है कि एक खिलाड़ी अपने करियर में कितनी मेहनत और संघर्ष करता है।

आईएसपीए खेल फोटोग्राफी के लिए नई परंपरा की शुरुआत - आईएसपीए 2025 के पीछे प्रमुख प्रेरणास्रोत पॉज़िटिव स्पोर्ट्स वाइब कम्युनिटी के संस्थापक पॉल आर ने कहा, इस पुरस्कार का उद्देश्य उन फोटोग्राफरों को सम्मानित करना है जो अपने लेंस के माध्यम से खेल को जीवंत बनाते हैं। इस उद्घाटन संस्करण ने भारत में खेल फोटोग्राफी की शक्ति को पहचानने के लिए एक नई परंपरा की नींव रखी है।

चैंपियंस ट्रॉफी: भारत से हार के बाद मोहम्मद रिजवान ने माना, टूर्नामेंट में पाक का सफर समाप्त

दुबई

चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में पाकिस्तान की मुश्किलें और बढ़ गई हैं। रविवार को भारत के खिलाफ छह विकेट से हार झेलने के बाद पाकिस्तानी कप्तान मोहम्मद रिजवान ने स्वीकार किया कि उनकी टीम का सफर लगभग समाप्त हो चुका है। उन्होंने कहा, फिलहाल, हम कह सकते हैं कि यह खत्म हो गया है। यह सच्चाई है।

हालांकि, पाकिस्तान अभी आधिकारिक रूप से टूर्नामेंट से बाहर नहीं हुआ है। बांग्लादेश के खिलाफ अपने आखिरी लीग मैच से पहले उसे अन्य मैचों में कुछ अनुकूल परिणामों की आवश्यकता होगी। विशेष रूप से, उसे न्यूजीलैंड पर बांग्लादेश की अप्रत्याशित जीत की उम्मीद होगी।

रिजवान ने कहा कि वह किसी और के प्रदर्शन पर निर्भर रहकर आगे बढ़ना पसंद नहीं करते। उन्होंने स्पष्ट किया, एक कप्तान के रूप में, मुझे यह पसंद नहीं है। अगर आप जीत सकते हैं, तो ऐसा करें। यदि आप नहीं कर सकते, तो इसके बारे में चिंता न करें। अगर आप किसी और की छाया में बैठे हैं, तो मुझे इसकी परवाह नहीं है।

पाकिस्तान की स्पिन रणनीति पर रिजवान ने दी सफाई

भारत ने इस मुकाबले में तीन स्पिनरों के साथ मैदान संभाला, जबकि पाकिस्तान ने सिर्फ एक विशेषज्ञ स्पिनर अबरार अहमद को मौका दिया। इस फैसले पर सफाई देते हुए रिजवान ने कहा, आप यह नहीं कह सकते कि हमने सिर्फ एक स्पिनर चुनकर गलती की। भारतीय टीम के पास कुलदीप यादव एक फ्रंटलाइन स्पिनर हैं, जबकि रवींद्र जडेजा और अक्षर पटेल ऑलराउंडर हैं। हमारे पास भी सलमान अली आगा और खुशदिल शाह थे, जिन्होंने अतीत में अच्छी गेंदबाजी की है।

मध्यक्रम की नाकामी पर जताई चिंता

रिजवान ने स्वीकार किया कि पाकिस्तान का मध्यक्रम उम्मीदों पर खरा नहीं उतरा। उन्होंने कहा, हमारी योजना 270-280 रन बनाने की थी, क्योंकि पिच और आउटफील्ड दोनों धीमी थीं। अगर हमने 280 रन बनाए होते, तो शायद नतीजा कुछ और होता।

एक दशक के बाद वेस्टइंडीज दौरे पर जाएगी ऑस्ट्रेलियाई टीम

सेंट जॉन्स। ऑस्ट्रेलियाई टीक करीब एक दशक के बाद वेस्टइंडीज दौरे पर जा रही है। वेस्ट क्रिकेट बोर्ड ने कहा है कि ऑस्ट्रेलियाई टीम तीन टेस्ट और पांच टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों की सीरीज खेलने के लिए इस साल जून और जुलाई में उसके यहां दौरे पर आयेगी। यह साल 2015 के बाद से ही ऑस्ट्रेलिया का वेस्टइंडीज का पहला टेस्ट दौरा होगा। साल 2015-16 में वेस्टइंडीज के ऑस्ट्रेलिया दौरे के बाद दोनों देशों की टीमें पहली बार तीन टेस्ट मैचों की सीरीज खेलती हुई दिखेंगी। सर फ्रैंक वॉरेल ट्रॉफी के लिए खेले जाने वाली इस टेस्ट सीरीज का पहला मैच 25 जून से ब्रिजटाउन, बारबाडोस में खेला जाएगा। वहीं दूसरा टेस्ट तीन जुलाई से सेंट जॉर्ज, ग्रेनाडा में और तीसरा टेस्ट 12 जुलाई से किंग्स्टन, जमैका में खेला जाएगा। इसके बाद पांच टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच की सीरीज खेली जाएगी। इसके पहले दो मैच किंग्स्टन में 20 और 22 जुलाई को खेले जाएंगे। वहीं बचे हुए तीन मैच 25, 26 और 28 जुलाई को सेंट किट्स में खेले जाएंगे।

बन जाएं फिट मॉम...

आज कल की भागदौड़ वाली जिन्दगी में वर्किंग मदर्स घर और बाहर इतनी बिजी हैं कि वे बच्चों के साथ-साथ खुद को भी समय नहीं दे पातीं। इसके साथ ही वे अपने खाने पीने का ख्याल नहीं रख पातीं जिससे वे बीमार पड़ जाती हैं और उनका बॉडी पोस्चर बिगड़ जाता है। हम आपको ऐसे खास टिप्स बता रहे हैं जो आपको तरो ताजा, फिट व स्टाइलिश लुक देंगे और आपकी हर दिन की खुशी दुगनी हो जाएगी।

स्ट्रेच मार्क्स

अक्सर मां बनने के बाद शरीर पर स्ट्रेच मार्क्स आ जाते हैं और शरीर फूल जाता है जिसके कारण महिलाओं का बॉडी पोस्चर बिगड़जाता है। अच्छा होगा परेशान होने की बजाए डॉक्टर से सलाह लें और अपनी परेशानी को दूर करें।

मॉर्निंग वॉक

कहते हैं सुबह की हवा सेहतमंद होती है व दवा के तौर पर भी काम करती है। यह सांस और शरीर की अकड़न जैसी बीमारियों को दूर करती है और फेस की त्वचा को भी चमकदार व तरोताजा रखती है।

जरूरी आहार लें

क्रैश डाइटिंग भूल कर भी न करें, जरूरी आहार लें जो शरीर व त्वचा दोनों को स्वस्थ रखेगा, ज्यादा से ज्यादा पानी का सेवन करें क्योंकि पानी सभी बीमारियों को दूर करता है।

एक्सरसाइज करें

देश भर में योग का खुमार छा रहा है क्योंकि योग अपने आप में एक दवा है जो जड़ से बीमारी को दूर करती है, ज्यादा से ज्यादा उठने व बैठने वाला काम करे, एक्सरसाइज करें जिससे आप फिट ही नहीं तंदुरूस्त और हर वक्त दमकती रहेंगी।

18 जन्मों में सीखी 18 भाषाएं

नार्वे की एक महिला का दावा है कि वह 18 भाषाएं जानती हैं और ये भाषाएं उन्होंने इस जन्म में नहीं, बल्कि अपने पिछले 17 जन्मों में सीखी है। मारिया जॉनसन के इस दावे की जबरदस्त चर्चा हो रही है। उनका कहना है कि हर भाषा पर मेरी अच्छी पकड़ है। क्योंकि पिछले जन्म में ये भाषाएं उनकी मातृ भाषाएं थीं।

मारिया का कहना है कि जब मैंने ये भाषाएं सीखने शुरू की, तो अहसास हुआ कि मैं इन्हें बहुत अच्छी तरह से जानती हूं। और इस बारे में मैंने कई मनोविश्लेषकों से बात की। सभी ने एक ही बात कही है। वह कहती है कि मैं इन भाषाओं वाले देशों में गई तो लगा कि मैं पहले भी वहां जा चुकी हूं। मेरे लिए यह बहुत आश्चर्चजनक था। वहां के लोगों से मिलने के बाद लगा जैसे वो मेरे अपने हैं। मानो मैं उनसे पहले भी मिल चुकी हूं। मारिया अंग्रेजी के अलावा नॉर्वे, फ्रांस, रूस, चीन, डेनमार्क, स्वीडन और जर्मनी की भाषाएं बोल तथा लिख सकती हैं। इसके अलावा वे बुल्गेरियन, सायबेरियन, पर्सियन, अफगानी, अरबी, हिन्दी, पॉलिश, टर्किश, इटेलियन और जापानी भाषा समझ सकती हैं। मिरर की खबर के अनुसार, मारिया एक मल्टीलिंगुअल डिजिटल मार्केटिंग कंपनी की सीईओ हैं। और मारिया के इस दावे को कई मनोवैज्ञानिकों ने सही भी ठहराया है।

चलन में हैं शीयर आउटफिट्स

क्रीम, व्हाइट और आइवरी जैसे कलर्स के सी-थ्रू फैब्रिक्स से बने परिधान इन दिनों काफी चलन में हैं। हॉलीवुड सिंगर रिहाने से लेकर बॉलीवुड ऐक्ट्रेस प्रियंका चोपडा तक कई सलेब्रिटीज पिछले दिनों शीयर आउटफिट्स में नजर आईं।

- शीयर परिधानों के साथ लेयरिंग अच्छी लगती है। उदाहरण के तौर पर, शीयर टॉप के साथ स्मार्ट ब्लेजर पहनें।
- शीयर अपरवेयर्स पहन रही हैं तो लॉन्जरी का चयन बेहद सावधानी के साथ करें। प्रिंटेड लॉन्जरी पहनने से बचें।
- बॉडी हगिंग शीयर परिधान न पहनें। हलके लूज शीयर परिधान पहनना ठीक रहता है।
- अगर आप शीयर टॉप पहन रही हैं, तो ओपेक बॉटम वेयर पहनें। वहीं अगर शीयर बॉटम वेयर पहन रही हैं तो ओपेक टॉप पहनें।

हेयर एक्सटेंशन का कमाल...

पार्टी में जाना है और आपके पास बालों को कलर कराने और स्टाइल बनाने का टाइम नहीं है तो परेशान होने की कोई जरूरत नहीं है। हेयर एक्सटेंशन बालों की एक ऐसी एक्सेसरी है जो आपके लुक को बिना किसी नुकसान के खूबसूरत बना देती है। बालों को अगर बिना किसी हार्म के आप नया शेप और लुक देना चाहती हैं तो ये हेयर एक्सटेंशन आपके लिए कमाल के साबित हो सकते हैं। हेयर एक्सटेंशन आपके बालों से जुड़ी तमाम समस्याओं का समाधान हो सकते हैं।

पिछले कुछ वर्षों में हेयर एक्सटेंशन बहुत लोकप्रिय हो गया है। इससे कई हस्तियां लंबे और घने बालों का लाभ उठा रही हैं। हेयर एक्सटेंशन का मतलब बालों को लंबा करना होता है। या तो ये असली बाल होते हैं या कृत्रिम बालों को सिर पर चिपकाया जाता है। इसके तहत जब रंग और बनावट वास्तविक बालों से मिल जाता है तब एक्सटेंशन मिश्रण को बालों पर लगाया जाता है। इसे देख कर आप खुद ही नहीं पहचान पाएंगे कि कौन से बाल असली हैं और कौन से नकली। यह प्रक्रिया बालों को घना और लंबा करती है। रंग का उपयोग करने से बाल कठोर भी नहीं होते हैं। हेयर एक्सटेंशन कई रंग, आकार, शैली और लंबाई में आते हैं। ये किसी भी प्रकार के बालों से मेल खा लेते हैं। प्राकृतिक या मानव हेयर एक्सटेंशन अधिक महंगे होते हैं क्योंकि इन्हें सेट किया जाता है, कलर किया जाता है, घुंगराला किया जाता है और इनकी क्वालिटी को इंप्रूव किया जाता है। सिंथेटिक बाल, कर्लिंग आयरन या हॉटब्लो ड्रायर के संपर्क में आने से पिघल जाते हैं, इसलिए इसका इस्तेमाल आमतौर पर नहीं किया जाता है। सिंथेटिक एक्सटेंन्डेर किसी भी दुकान में मिल जाता है। मानव बाल एक्सटेंशन सामान्यतः किसी भी सैलून से खरीदा जा सकता है।

शॉर्ट टर्म एक्सटेंशन

अगर आप हेयर एक्सटेंशन को सिर्फ एक पार्टी के लुक के लिए करना चाहती हैं तो आप शॉर्ट टर्म तरीका यानी कि क्लिप ऑन एक्सटेंशन करा सकती हैं। इसमें आपके बालों की सतह पर हेयर क्लिप को अटैच कर दिया जाता है, जिन्हें आप पूरे दिन के इस्तेमाल के बाद आसानी से रात में निकाल सकती हैं। एक हफ्ते तक अगर आप बालों को उसी लुक में रखना चाहती हैं तो टेम्परेरी ग्लू ऑन बॉण्डेड एक्सटेंशन करा सकती हैं। इसमें बालों के स्कैल्प पर लिक्विड ग्लू लगाकर एक्सटेंशन को लगाया जाता है और इन्हें निकालने के लिए ऑयल बेस्ड सॉलवेंट का इस्तेमाल किया जाता है। ऐसा करने के लिए आप हेयर स्टाइलिस्ट की मदद लें।

लांग टर्म एक्सटेंशन

लांग टर्म एक्सटेंशन करवाने में काफी समय लगता है और अगर इसे अच्छे से न करवाया जाए तो ये बालों को डैमेज भी कर सकता है। इंटरलॉक वर्जन प्रक्रिया के जरिए आपके बालों के ऊपरी सिरे पर हेयर एक्सटेंशन को लगाया जाता है। इसमें बालों को बिलकुल सीधा कर दिया जाता है जिसमें आप चोटी नहीं बना सकती हैं।

ब्रैंडेड वर्जन उन लोगों के बालों के लिए बहुत अच्छा है जिनके बाल मोटे होते हैं। ऐसे बालों में लगे हेयर एक्सटेंशन चोटी बनाने पर दिखते नहीं हैं।

कृत्रिम बनाम प्राकृतिक

सिंथेटिक और नैचरल बालों में बहुत बडा अंतर होता है। सिंथेटिक बालों को आर्टिफिशियल तरीके से तैयार किया जाता है, जबकि नैचरल बालों को लोग कई बार डोनेट कर जाते हैं जिनसे हेयर एक्सटेंशन तैयार किए जाते हैं। नैचरल बालों से बने हेयर एक्सटेंशन खरीदने से पहले उसकी क्वॉलिटी चेक जरूर करें। इसके अलावा सिंथेटिक और नैचरल हेयर एक्सटेंशन में प्राइस डिफरेंस भी होता है। सिंथेटिक हेयर एक्सटेंशन बहुत कम दाम पर मार्केट में आसानी से मिल जाते हैं, लेकिन ये नैचरल हेयर एक्टेंशन की तुलना में टिकाऊ नहीं होते। चूंकि नैचरल हेयर एक्सटेंशन को आप कलर भी कर सकते हैं इसलिए इनके दाम में भी काफी अंतर होता है। नैचरल हेयर एक्सटेंशन एक साल तक आराम से चल जाते हैं, जरूरत है बस अच्छे से देखभाल करने की। कुछ लोगों को सिंथेटिक हेयर एक्सटेंशन से एलर्जी होती है। इसके इस्तेमाल से पहले अपने हेयर स्टाइलिस्ट से इसके बारे में बात कर लें। अगर हेयर एक्सटेंशन अच्छे से लगाए गए हों तो ये बहुत ही सुंदर और बिलकुल असली लगते हैं।

हेयर एक्सटेंशन के तरीके

वेव्स: यह चोटी कौनरोव्स की तरह होती है मगर यह छिपी रहती है। इस विधि के साथ दिक्कत यह है कि यह प्राकृतिक बालों में तनाव पैदा करती है, खासकर जब बाल धोते है या तैराकी के बाद। यह न केवल आप के बालों की बुनाई को ढीला कर देती हैं बल्कि यह प्राकृतिक बालों में फंस कर बालों को तोड़ देती है।

बोन्डिंग: इस विधि में जो एक्सटेंशन इस्तेमाल किया जाता है वह लेटेक्स प्लग है जो बालों को चिपकाता है। यह शॉर्ट टर्म के लिए इस्तेमाल किया जाता है। यह प्रक्रिया बहुत जल्दी हो जाती है और बहुत सस्ती भी है। हालांकि एक्सटेंशन को हटाने के लिए तेल या किसी गर्म वस्तु का प्रयोग किया जाता है, जो बोन्डिंग एजेंट को गला देता है। यदि सावधानी से नहीं हटाया गया तो यह आप के बालों को भी बाहर खींच सकता है।

मेटल ट्युबिंग: हेयर एक्सटेंशन को प्राकृतिक बालों में दबाने के लिए मेटल ट्युबिंग का इस्तमाल किया जाता है। कुछ मामलो में यह प्रक्रिया बालों को तोड़ देती है इसलिए विशेषज्ञ इस विधि को अपनाने की सलाह नहीं देते।

हीट-श्रींक ट्युबिंग: यह प्रक्रिया प्राकृतिक बालों को नुकसान नहीं पहुचाती है, लेकिन इसमें चिपकने की शक्ति बहुत कम होती है, जिससे हेयर एक्सटेंशन ठीक से चिपक नहीं पता। दो-तीन बार बालों को धोने के बाद ट्युब ढीला हो जाता है और बालों का किनारा निकलने लगता है जिसके चलते अधिक बाल झड़ने लगते हैं।

एडेसिव बेस्ड फ्यूजन: यह सबसे अच्छा तरीका है, हालांकि इसमें जिस प्रकार का एडेसिव प्रयोग किया जाता है वह बहुत महत्वपूर्ण है। वेक्स बेस्ड एडेसिव में पिघलने का बिंदु कम होता है इसलिए पेशेवर इसका इस्तेमाल करते हैं। यह एडेसिव गर्मी और रासायनिक उपचार दोनों का सामना करता है। हेयर एक्सटेंशन को हटाने के लिए एडेसिव रीमूवर का इस्तमाल किया जाता है।

अनुभवी एक्सटेंशनिस्ट चुनें

एक अनुभवहीन एक्सटेंशनिस्ट आप के बालों को नुकसान पंहुचा सकता है। एक्सटेंशन के गलत प्रकार या एक्सटेंशन को गलत तरीके से लगाने से आप के बाल टूट सकते हैं। एक्सटेंशनिस्ट को पता होना चाहिए कि वह किस प्रकार बालों का परीक्षण करे कि बाल मजबूत हो सकें। एक्सटेंशनिस्ट के पास कॉस्मेटोलोजिस्ट का लाइसेंस होना चाहिए क्योंकि हेयर एक्सटेंशन के कई सारे तरीके होते हैं।

ये तरीके अलग अलग बालों के लिए अलग-अलग होते हैं, इसलिए आप को पेशेवर की खोज करनी चाहिए जिसे सिर्फ एक विधि ही नहीं बल्कि अलग अलग विधियों का अनुभव हों। एक्सटेंशनिस्ट हमेशा वही विधि बेचना चाहते हैं जो उनको आती है। अगर उनको केवल एक तरीका पता है, तो वह आप के बालों के लिए अच्छा नहीं होगा। इसके आलावा एक्सटेंशनिस्ट आप को अलग अलग पद्धितियों का प्रमाण पत्र भी दिखाएगा और बताएगा कि उसे अलग अलग विधियां आती हैं। आप एक्सटेंशनिस्ट से उसका पोर्टफोलियो मांगे और जांच करें कि उसने कितने लोगों का हेयर एक्सटेंशन किया है और कौनसी विधि से।

कैसे करें देखभाल

- नैचरल हेयर एक्सटेंशन का ध्यान आप उसी तरह रखें जैसे कि आप अपने कुदरती बालों का रखती हैं।
- अगर बालों को अच्छी तरह से सुखाया न जाए तो इसके कारण स्कैल्प खराब होने की समस्या हो सकती है। कई बार बालों की जड़ों में फंगस भी लग जाता है। अपने बालों को कई हिस्से में बांट कर इन्हें अच्छे से सुखाएं।
- अपने कुदरती बालों का खास खयाल रखें क्योंकि अगर ये टूटने और झड़ने लगे तो आपका हेयर एक्सटेंशन समय से पहले निकल सकता है।
- ज्यादा समय तक लगा हुआ हेयर एक्सटेंशन बालों को नुकसान पहुंचा सकता है,इसलिए इन्हें छः हफ्ते में या फिर दस हफ्ते में एक बार निकलवा दें।
- अगर आपने ग्लू ऑन बॉण्डेड एक्टेंशन लगवाए हैं तो बालों में तेल का इस्तेमाल न करें। ऐसा करने से आपके एक्सटेंशन पर लगा ग्लू हट जाएगा और आपको समय से पहले अपने एक्सटेंशन हटवाने पडेंगे।

आज क्या पहना जाए...?

आप रोजाना ऑफिस जाती हैं और सुबह अलमारी से कपड़े निकालते समय सोचती हैं कि आज क्या पहना जाए। हर कामकाजी महिला की यही परेशानी है। उन्हें समझ नहीं आता कि उन्हें आज क्या पहनना चाहिए, भले ही उनकी अलमारी कपड़ों से अटी पड़ी हो। आप दरअसल अपने कपड़ों से बोर हो चुकी हैं। आपका मन कर रहा है कि आप ऑफिस में स्टाइलिश बनकर जाएं लेकिन सवाल उठता है कि आप ऐसा क्या पहनें, जो स्मार्ट दिखने के साथ ही आपकी बॉडी शेप के अनुकूल परफेक्ट हो।

लिनेन के शर्ट

हल्के रंग वाले लिनेन के शर्ट कमाल के लगते हैं। इसे बेहतरीन फिटिंग वाली ट्राउजर या जींस के साथ पहनिए। यदि आपके ऑफिस में स्कर्ट पहनने की इजाजत है तो स्लिट वाली ऑफिस स्कर्ट के साथ भी यह बहुत अच्छे लगते हैं। ऑफिस के बाद दोस्तों के साथ बाहर जाना हो तो रंगीन स्कार्फ या जैकेट के साथ ये परफेक्ट लगते हैं।

सिगरेट पैंट

सिगरेट पैंट स्लिम फिटिंग वाले पैंट होते हैं, जो आपकी बॉडी शेप को स्लिम लुक देते हैं। ऑफिस के लिहाज से काले, ग्रे, ब्राउन, मिलिट्री जैसे रंग अच्छे हैं। चाहें तो कुछ डिफरेंट दिखने की कोशिश में आप चेक प्रिंट वाले पैंट्स खरीद कर पहन सकती हैं।

डिफरेंट स्टाइल की कुर्ती

इन दिनों बाजार में कई डिफरेंट स्टाइल की कुर्ती मिल रही हैं, जो एलीगेंट होने के साथ ही कंफर्टेबल भी होती हैं। ऑफिस ड्रेस के हिसाब से कुर्ती बिल्कुल परफेक्ट है। लेकिन ऑफिस की नीरसता को तोड़ने के लिए गहरे चटख रंगों वाली कुर्ती खरीदिए। नीला और बैंगनी रंग ऑफिस के डेकोरम के हिसाब से बिल्कुल सही है और चटख भी। आप चाहें तो क्वर्की प्रिंट्स वाली कुर्तियां भी खरीद सकती हैं, ये बिल्कुल नया ट्रेंड है। फ्रंट स्लिट वाली कुर्ती इन दिनों हॉट है,इसे जरूर खरीदें।

सिल्क और शिफॉन स्कार्फ

यदि आपने कोई सादी शर्ट पहनी है और आपको अपना लुक बोर लग रहा है तो फिक्र की बात नहीं है। अपनी अलमारी से एक खूबसूरत सा स्कार्फ निकालिए और गले में बांध लीजिए या यूं ही लटका लीजिए। सिल्क और शिफॉन के स्कार्फ ऑफिस सेटअप में अच्छे दिखते हैं। ऐसे रंगों के स्कार्फ लीजिए, जो आपकी ड्रेस के विपरीत रंग के हों। कई लोग बैग में भी स्कार्फ बांध लेते हैं, जो अच्छा दिखता है।

काले रंग का पम्प

किसी भी कामकाजी महिला के पास एक काले रंग का पम्प जरूर होना चाहिए। यह हर ड्रेस के साथ मैच करता है और अच्छा भी दिखता है। लेकिन पम्प वही लीजिए, जो आगे से बंद हो यानी जिसमें पैर न दिख रहे हों।

पतले फैब्रिक वाले ब्लेजर

ब्लेजर सिर्फ सर्दियों में नहीं पहने जाते, हल्के मौसम में भी ब्लेजर पहने जाते हैं, लेकिन पतले फैब्रिक वाले। ब्लेजर किसी भी बॉडी शेप वाली महिला पर सूट करते हैं। साथ ही ऑफिस मीटिंग या ऑफिशियल कार्यक्रमों के लिहाज से अच्छे भी लगते हैं। लेकिन ध्यान रखिए कि ब्लेजर की सिलाई बेतहरीन हो, फिटिंग कमाल की हो और यह मुलायम पतले कपड़े का बना हो। लाल और बैंगनी रंग के ब्लेजर किसी की भी बोरियत को दूर करने की क्षमता रखते हैं।

यूं करेंगे पार्ट टाइम वर्क तो सफल रहेंगे आप

पार्ट टाइम वर्क और वर्क फ्रॉम होम पालिसीज कॉपोरेट वर्ल्ड में तेजी से लोकप्रिय हो रही हैं। कुछ संगठन एंप्लॉयजी को वर्कलाइफ बैलेंस हासिल करने में मदद करने के लिए यह चीजें अपना रहे हैं। अन्य संगठन यातायात की समस्या, प्रदूषण और तनाव से निपटने का इनको बेहतर तरीका मानती हैं। अगर आप भी वर्क फ्रॉम होम या पार्ट टाइम वर्क करते हैं तो हम आपको बता रहे हैं सुझाव जिसकी मदद से आप असरदार ढंग से काम को अंजाम दे सकते हैं। पार्ट टाइम वर्कमॉडल को चुनने से पहले आपको पहले ऐसी प्राथमिकताओं को चुनना चाहिए जो आपके और आपके संगठन, दोनों के हित में है। आपके संगठन को आपके पार्ट टाइम काम, पार्ट टाइम काम के लिए बंदोबस्त और इसकी अवधि की जानकारी होनी चाहिए। यह बेहतर होगा कि आपको कंपनी से और कंपनी को आप से क्या उम्मीदें हैं, स्पष्ट कर लें।

अनुशासित बनें

जब तक आप खुद को अनुशासित नहीं करेंगे तब तक पार्ट टाइम वर्क या वर्क फ्रॉम होम, को आप ढंग से नहीं कर पाएंगे। काम करते समय यह सुनिश्चित करें कि आप एक बार में कोई एक ही काम करें। इससे आपका काम और निजी प्रतिबद्धताएं का घालमेल हो जाएगा। अनुशासित तरीके से काम करने से आप समय पर और केंद्रित ढंग से काम को अंजाम दे सकेंगे।

घर पर काम के लिए जगह होनी चाहिए

आपके घर पर इतनी जगह होनी चाहिए कि आप सही से काम कर सकें। आपके घर की यह जगह लगभग आपके ऑफिस जैसी होनी चाहिए यानी ऑफिस में आपके पास जरूरत की जितनी चीजें होती हैं, वे सभी वहां भी मौजूद होनी चाहिए। इस जगह पर कोई ऐसी गतिविधि जैसे संगीत और टेलिविजन के शोर से दूर होनी चाहिए ताकि आप अपने काम पर ध्यान दें और आपका ध्यान इधर-उधर नहीं भटके।

काम से समझौता न करें

यह बात ध्यान रखें कि पार्ट टाइम वर्क में सिर्फ यह बात ध्यान रखें कि पार्ट टाइम वर्क में सिर्फ इतना फर्क होगा कि आप अपने वर्कप्लेस पर शारीरिक रूप से मौजूद नहीं होंगे और थोड़ा काम की अवधि में भी राहत मिल सकती है। लेकिन, आपको उतना ही काम करना पड़ेगा जितना आप ऑफिस या वर्कप्लेस पर आकर करते हैं। इसलिए काम से किसी तरह का समझौता नहीं करें।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**